ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा माध्यम में होनी चाहिए: मुख्यमंत्री सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 02 नवंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-299

महिलाओं को राजनीति में भागीदारी नहीं देना चाहती पार्टियां

वंदन के बजाय लगा दिया 'चंदन'

साल 2023 में महिला आरक्षण विधेयक का संसद में सभी राजनीतिक दलों ने समर्थन किया था। इसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है। इस कानून का मकसद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करना है लेकिन बिहार के विधानसभा चुनाव में ऐसा नहीं लगता कि राजनीतिक दल महिलाओं को भागीदारी देने के लिए गंभीर हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने के बाद से देश में कई चुनाव हुए हैं। फिर भी, जिन दलों ने विधानसभाओं और लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की लंबी-चौड़ी बातें कीं। वे जमीनी स्तर पर कोई कदम उठाने में नाकाम रहे। बिहार के मामले में भी यही बात लागू होती है, जहां महिलाएं लगभग आधी मतदाता हैं, लेकिन उम्मीदवारों का दसवां हिस्सा ही हैं। अगले दो हफ्तों में बिहार में राजनीतिक दलों के भाग्य का फैसला हो जाएगा। फिर भी, इस चुनाव में भी महिलाएं स्पष्ट रूप से पीछे दिख रही हैं। क्योंकि उनकी उम्मीदवारी की संख्या काफी कम है। भारत निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, विधानसभा की 243 सीटों के लिए दोनों चरणों में कुल 2,616 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से 2,357 पुरुष और केवल 258 महिलाएं हैं, जो कुल उम्मीदवारों का बमुश्किल 10 प्रतिशत है। इसे दूसरे शब्दों में कहें तो हर 100 उम्मीदवारों में से केवल 10 महिलाएं हैं। इस चुनाव में लगभग एक महिला उम्मीदवार का मुकाबला नौ पुरुषों से है। ये आंकड़े इस बात पर ज़ोर देते हैं कि राजनीतिक दल महिलाओं के प्रतिनिधित्व को संरचनात्मक के बजाय प्रतीकात्मक ही मानते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 1,192 पुरुष उम्मीदवार और केवल 122 महिलाएं हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, दूसरे चरण में 1,165 पुरुष उम्मीदवार और 136 महिलाएं हैं।महिलाओं को लेकर बिहार में किसी भी दल की स्थिति बेहतर नहीं है। पार्टी सूची का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग-एनडीए) ने 34 महिलाओं को मौका दिया है।

▶10पर

बेमानी साबित हो रहा नारी शक्ति वंदन अधिनियम

शुभ-लाभ चिंता

बिहार चुनाव में नारियों को टिकट 10% से भी कम

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ को दी 14,260 करोड़ की परियोजनाएं

राज्य का विकास ही देश के विकास का आधार है : मोदी

रायपुर, 01 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश को 14,260 करोड़ की परियोजनाएं भेंट में दीं और कहा कि राज्य का विकास ही देश के विकास का मूल आधार है। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन के साथ ही शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2000 के बाद छत्तीसगढ़ में एक पूरी पीढ़ी बदल गई है, जिसने 2000 से पहले का दौर नहीं देखा। जब राज्य बना था, तब गांवों तक पहुंचना मुश्किल था। गांवों में सड़कें नहीं थीं। आज छत्तीसगढ़ के गांवों में सड़कों का जाल 40,000 किलोमीटर तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 25 साल पहले अटल जी की सरकार ने आपके सपनों का छत्तीसगढ़ आपको सौंपा था, साथ ही ये संकल्प भी लिया था कि छत्तीसगढ़ विकास की नई बुलंदी छुएगा। छत्तीसगढ़ आज विकास के पथ पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। आज ही छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर और नया विधानसभा भवन मिला है। यहां आने से पहले भी मुझे आदिवासी संग्रहालय के लोकार्पण करने का अवसर मिला। इस मंच से भी लगभग 14 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इन विकास कार्यों के लिए आप सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 25 साल की यात्रा हमने पूरी की है। 25 साल का कालखंड पूरा हुआ है। आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है। मैंने भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य गठन से पहले का दौर भी देखा है। बीते 25 साल में सफर का साक्षी भी रहा हूं। इसलिए इस गौरवशाली पल का हिस्सा बनना मेरे लिए भी अद्भुत अनुभूति है। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन होने के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में

▶10पर

हार्ट-सर्जरी कराने वाले 2500 बच्चों से मिले पीएम मोदी

जम्मू कश्मीर में शुरू हुआ 'दिल्ली वाला' घमासान

पूर्ण राज्य नहीं तो क्या खराब प्रदर्शन करेंगे? : एलजी

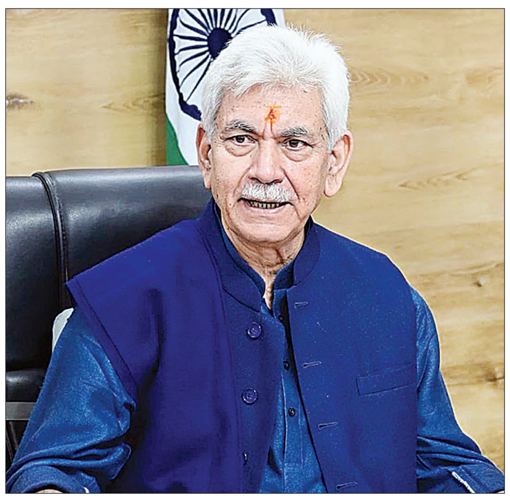

श्रीनगर, 01 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में दिल्ली वाला घमासान शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सरकार के खराब प्रदर्शन का सारा ठीकरा उपराज्यपाल के सिर फोड़ रहे हैं। सीएम उमर का कहना है कि जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल नहीं किए जाने की वजह से प्रशासनिक असंतुलन बना हुआ है। जिस तरह दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सारी नाकामियों का ठीकरा दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्-सेना के सिर फोड़ते थे, वही स्टाइल उमर अब्दुल्ला भी अपना रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का कहना है कि प्रदेश की निर्वाचित सरकार के पास सभी अधिकार हैं और राज्य का दर्जा न होने के बहाने लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। राज्य का दर्जा नहीं मिलने को खराब प्रदर्शन का बहाना नहीं बनाया जा सकता।

एसकेआईसीसी में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में कह चुके हैं कि पहले परिसीमन, फिर विधानसभा चुनाव और फिर उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। पर, कुछ लोगों को कुछ समस्याएं हैं। जब चुनाव हुए तो यह स्पष्ट था कि चुनाव केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा के लिए हो रहे हैं। निर्वाचित सरकार यह बहाना नहीं बना सकती कि राज्य का दर्जा बहाल होने तक काम नहीं किया जा सकता। एलजी ने कहा कि निर्वाचित सरकार के पास सभी अधिकार हैं और राज्य का दर्जा न होने के बहाने लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। सरकार को अपनी शक्तियों का इस्तेमाल लोगों की भलाई के लिए करना चाहिए।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके पिता नेकां अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने एलजी के बयान पर कड़ा पलटवार किया। उमर ने कहा, एलजी को कम से कम सुप्रीम कोर्ट और संसद में जम्मू कश्मीर के लोगों से किए गए वादे के बारे में तो बात करनी चाहिए। उमर ने कहा, 90 विधायकों में से एक या दो को छोड़कर

▶10पर

एलजी पूर्ण राज्य की बहाली का वादा निभाएं: सीएम

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पाकिस्तानी एजेंट हैं : सीएम हिमंत

गुवाहाटी, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने राज्य कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई के बारे में कहा कि वे सौ प्रतिशत पाकिस्तानी एजेंट हैं, जिन्हें किसी विदेशी ताकत ने भारत में भेजा है। सीएम सरमा ने कहा, गौरव गोगोई के पाकिस्तानी एजेंट होने के मेरे पास सबूत हैं। अगर मेरा आरोप झूठा है, तो गोगोई मेरे खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पास इस आरोप के सबूत हैं, लेकिन वे अभी उन्हें सार्वजनिक नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, जब मैं सबूत दिखाऊंगा, तब सब लोग मानेंगे कि वह 100 प्रतिशत पाकिस्तानी एजेंट हैं।

उन्होंने बताया कि वे सबूत तभी सामने लाएंगे जब गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच पूरी हो जाएगी, ताकि कोई यह न कहे कि इस मुद्दे से ध्यान भटकाया जा रहा है। गौरव गोगोई पर पाकिस्तानी संबंधों के आरोप पहले भी लगाए गए हैं। सरमा और भाजपा का दावा है कि गोगोई की ब्रिटिश पत्नी के जरिए उनके पाकिस्तान से संबंध हैं।

श्रीकाकुलम वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भीषण हादसा

भगदड़ में 8 महिलाओं और 2 बच्चों की मौत, 25 जख्मी

श्रीकाकुलम, 01 नवंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में शनिवार को एकादशी पर हुई भगदड़ में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। मरने वालों में 8 महिलाएं और 2 बच्चे शामिल हैं। वहीं, 25 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज पास के अस्पतालों में जारी है। इस हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। पीएम मोदी ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजन के लिए 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ से बहुत दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द स्वस्थ हो जाएं। पीएम मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। साथ ही, घायलों की मदद के लिए भी प्रत्येक को 50,000 रुपए की सहायता दी जाएगी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा थी। अचानक धक्का-मुक्की शुरू होने से रेलिंग टूट गई जिसके बाद भगदड़ मच गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई और लोग एक-दूसरे के

▶10पर

राष्ट्रपति, पीएम, सीएम, डिप्टी सीएम ने जताया शोक

यह चुनाव विधायक चुनने का नहीं, भविष्य चुनने का है : शाह

गोपालगंज, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गोपालगंज में चुनावी जनसभा को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर पटना से उड़ान नहीं भर पाया। अपने भाषण में अमित शाह ने जंगलराज की याद दिलाई, साथ ही बंद पड़ी चीनी मिलों को चालू कराने का वादा किया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंद पड़ी रीगा चीनी मिल को चालू करने का काम किया है। बिहार की बाकी बंद पड़ी चीनी मिल को अगले 5 साल में चालू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विधायक चुनने का नहीं है। ये चुनाव बिहार का भविष्य तय करने का है। बिहार किसके हाथ में रहेगा। जिन्होंने वर्षों तक बिहार में जंगलराज थोपा उसके या नरेंद्र जी और नीतीश जी के नेतृत्व में जो बिहार का विकास हुआ उसे चुनेगा।अमित शाह ने कहा कि साधु यादव के कारनामे गोपालगंज वालों से ज्यादा किसको मालूम हैं। जंगलराज के दौर में कई नरसंहार हुए, जिनमें बथानी टोला, सोनारी, शंकरबीघा नरसंहार जैसे अलग-अलग 34 नरसंहार हुए थे। जिसने बिहार की धरती को रक्तरंजित किया है। इससे पहले 30 अक्टूबर को अमित शाह बिहार के बेगूसराय, लखीसराय और नालंदा में जनसभा को संबोधित कर चुके हैं।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

जंगलराज की राजनीति से उबर नहीं पाए राजनीतिक दल

बिहार चुनाव में इंडी गठबंधन ने उतारी दागियों की फौज

लेफ्ट के सौ प्रतिशत प्रत्याशी दागी, दूसरे नंबर पर राजद

पटना, 01 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे राजनीतिक पार्टियों के दावे और हकीकत के बीच का फर्क साफ दिखने लगा है। हर पार्टी साफ-सुथरी सरकार, लॉ एंड ऑर्डर और भ्रष्टाचार मुक्त बिहार का वादा कर रही है, लेकिन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और बिहार इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट इन दावों पर पानी फेर रही है।

रिपोर्ट बताती है कि चुनाव लड़ रहे कुल 1303 उम्मीदवारों में से 32 फीसदी पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें सबसे ज्यादा दागी उम्मीदवारों को टिकट देने वाली पार्टियां हैं राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कम्युनिस्ट पार्टियां (सीपीआई, सीपीआई-एम, सीपीआई-एमएल) और कांग्रेस। वहीं, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) इस लिस्ट में सबसे नीचे है, जो दिखाता है कि एनडीए और नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू अपराधी छवि वाले उम्मीदवारों से दूर रहने की कोशिश कर रही है। भाजपा भी अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है।

इस रिपोर्ट ने विपक्ष को कटघरे में खड़ा कर दिया है, खासकर राजद को जहां लालू परिवार के करीबियों पर भारी-भरकम केस हैं। बिहार विधानसभा चुनाव में हर तीसरा उम्मीदवार दागी है। एडीआर और बिहार इलेक्शन वॉच ने बिहार चुनाव के पहले फेज के 121 विधानसभा सीटों पर लड़ रहे 1,314 उम्मीदवारों के एफिडेविट्स का विश्लेषण किया। ये एफिडेविट चुनाव आयोग में जमा किए गए हैं, जहां उम्मीदवारों को अपनी सम्पत्ति, शिक्षा और क्रिमिनल रिकॉर्ड की जानकारी देनी पड़ती है। लेकिन 11 उम्मीदवारों के एफिडेविट स्पष्ट नहीं थे, इसलिए विश्लेषण 1,303 उम्मीदवारों पर आधारित है। रिपोर्ट की सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि 423 उम्मीदवारों (32 प्रतिशत) ने खुद कबूला है

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,24,470/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,53,221/-
(प्रति किलोग्राम)

ಶುಭ ಲಾಭ खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ DAILY हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जीतो ग्लोबल समिट 2025 और बाली का अंतर्राष्ट्रीय दौरा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु साउथ ने 24-30 अक्टूबर 2025 तक बाली, इंडोनेशिया का 6 रातों और 7 दिनों का अंतर्राष्ट्रीय दौरा आयोजित किया, जिसमें 30 सदस्य अपने परिवार के साथ एक रोमांचक यात्रा पर निकले। यह दौरा विशेष रूप से जीतो ग्लोबल समिट के पूरक के रूप में डिजाइन किया गया था। जीतो ग्लोबल समिट 2025, जीतो इंटरनेशनल विंग और जीतो इंडोनेशिया द्वारा 24-26 अक्टूबर 2025 तक यात्रा का आयोजित किया गया था। इस समिट में 12 देशों के 500 सदस्यों ने भाग लिया, जो नेटवर्किंग, सीखने और उत्सव के लिए एक अनोखा अवसर प्रदान करता है। यह समिट सदस्यों के लिए वैश्विक संबंधों को बढ़ावा देने और नए अवसरों का अन्वेषण करने का एक उत्कृष्ट मंच था। यह जीतो ग्लोबल समिट 2025 जीतो अंतर्राष्ट्रीय विंग के चेयरमैन

महावीर मेहता और मुख्य सचिव महावीर सी जैन के नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस दौरे ने सदस्यों को बालिनी परंपराओं और रीति-रिवाजों के बारे में जानने के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया। इसने स्थानीय व्यवसायों के साथ संभावित सहयोग और साझेदारी का अन्वेषण करने के लिए प्रतिभागियों को व्यापारिक नेटवर्किंग प्रदान की। इस दौरे में सदस्यों ने उलुवातु मंदिर, नुसा पेनिडा द्वीप, स्नोर्कलिंग, कॉफी प्लांटेशन टूर, उबुद सिटी टूर, सेलाक और मास गांव, अलोहा स्विंग, अलासा एडवेंचर, तिरता गंगा टूर, और क्रेट्या उबुद की यात्रा जैसे प्रतिष्ठित स्थलों की यात्रा की। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा हम अपने ग्लोबल समिट और बाली के अंतर्राष्ट्रीय दौरे की सफलता को देखकर उत्साहित हैं। ये आयोजन वैश्विक संबंधों को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए जीतो की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। पूर्व जीतो एपेक्स उपाध्यक्ष प्रकाशचंद सिंघवी ने कहा बाली दौरा हमारे सदस्यों के लिए इंडोनेशिया की समृद्ध संस्कृति का अनुभव करने और नए व्यापारिक अवसरों का अन्वेषण करने का एक उत्कृष्ट अवसर था।

हम भविष्य में ऐसे और आयोजन करने के लिए उत्सुक हैं। इस दौरे ने न केवल यात्रा करने वाले सभी सदस्यों के बीच बंधन और सौहार्द बढ़ाया, बल्कि सभी यात्रा करने वाले सदस्य बहुत खुश थे और अगले जीतो अंतर्राष्ट्रीय दौरे की प्रतीक्षा कर रहे थे। इस अंतर्राष्ट्रीय दौरे का आयोजन मुख्य सचिव नितिन लूनिया और शिल्पा राजावत, वर्ल्डोपेडिया ट्रैवल मैनेजमेंट एलएलपी की टीम के साथ मिलकर बहुत ही उत्कृष्ट तरीके से किया था।

प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना ही धर्ममय जीवन का सार: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी नंदिनी ने आत्मोन्नति और धर्ममय जीवन पर आधारित प्रेरक प्रवचन में कहा कि आत्मसिद्धि और आत्मलोकन का शास्त्र ही सच्चा धर्म है। मानव जीवन की वास्तविक शोभा तभी है जब उसमें धर्म का वास हो। जिस प्रकार वृक्ष की सुंदरता उसके फलों और उसकी छांव से होती है, उसी प्रकार मनुष्य जीवन की सुंदरता उसके धर्म से होती है। उन्होंने आगे कहा कि तीर्थंकर भगवान धर्मतीर्थ की स्थापना कर मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उनके द्वारा दिखाए गए धर्ममार्ग पर चलकर अनंत आत्माएँ मोक्षगामी बन चुकी हैं। धर्म ही वह प्रकाश है जो अंधकारमय जीवन को प्रकाशित कर देता है। साध्वी नंदिनी ने कहा कि संसार में वास्तविक सुख नहीं है, फिर भी हम मोहवश यह मान लेते हैं कि संसार सुखद है। जब तक जीवन में धर्म का प्रवेश नहीं होता, तब तक सच्चा सुख प्राप्त नहीं हो सकता। धर्म जीवन का श्रृंगार है, जो व्यक्ति को भीतर से समृद्ध बनाता है। जीवन में सुख की खोज हर कोई करता है, परंतु संसारिक सुख क्षणिक और अस्थायी हैं। जब जीव बाह्य वस्तुओं से सुख पाने की अपेक्षा छोड़कर अपने भीतर से जुड़ता है, तभी स्थायी सुख की प्राप्ति होती है। धर्म हमें यही सिखाता है कि सुख बाहर नहीं, भीतर है। जो अपने भीतर धर्म के दीपक को प्रज्वलित करता है, वह जीवन के हर अंधकार को मिटा देता है। उन्होंने कहा कि जो समय बीत गया, वह लौटकर नहीं आता, पर धर्ममय जीवन से वर्तमान और भविष्य दोनों को यादगार बनाया जा सकता है। प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना ही धर्ममय जीवन का सार है। आभार प्रदर्शन अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने और संचालन मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन

हमारी साझा जिम्मेदारी पर दिया गया जोर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का समापन समारोह रेलवे ऑफिसर्स क्लब, हुब्बल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त आईपीएस (पूर्व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, रेलवे) भास्कर राव उपस्थित थे, जिन्होंने सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर एक व्यावहारिक भाषण दिया। अपने मुख्य भाषण में भास्कर राव ने सतर्कता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

अपने विशाल अनुभव से प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि मध्य-प्रबंधन स्तर पर सतर्कता नवाचार को चलाने और संस्थागत परिणामों में सुधार करने के लिए एक

रचनात्मक शक्ति के रूप में काम कर सकती है। उन्होंने अधिकारियों से सतर्कता के लिए एक सक्रिय और अति-सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया - जो कि अधिक कुशल, पारदर्शी और परिणाम-उन्मुख प्रथाओं की पहचान करने के लिए पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसा दृष्टिकोण न केवल नैतिक मानकों की सुरक्षा करता है बल्कि परिचालन प्रभावशीलता और संगठनात्मक उत्कृष्टता को भी बढ़ाता है। भास्कर राव ने आगे कहा कि सक्रिय सतर्कता लागत कम करने, लाभप्रदता बढ़ाने और संगठन के समग्र कल्याण और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी सतर्कता निर्णायक नेतृत्व और सभी स्तरों पर प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। दक्षिण पश्चिम रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक पी. अनंत ने सत्र की अध्यक्षता की और भास्कर राव के दृष्टिकोण का समर्थन किया। सत्रों की श्रृंखला के दौरान दक्षिण पश्चिम रेलवे के भीतर सतर्कता और संगठनात्मक दक्षता के महत्वपूर्ण आयामों को व्यापक रूप से कवर किया गया। सत्र में दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

दाधीच महिला मंडल द्वारा अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दाधीच महिला मंडल के तत्वावधान में देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर शनिवार को अन्नकूट महोत्सव एवं छप्पन भोग का आयोजन विजयनगर स्थित बिंदु अनमोल में किया गया। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक छवि में भावना, स्नेहा तथा छोटी राधिका के रूप में तृषाजी ने अत्यंत सुंदर झांकी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर थाली सजावट प्रतियोगिता आयोजित की गई। विजेताओं ने अपनी सृजनात्मकता से सभी का मन मोह लिया। निर्णायक मंजू सूंठवाल और उषा ककड़ा रही। प्रथम स्थान अंबिका

खटोड़, द्वितीय स्थान ऊषा व्यास तथा तीसरा स्थान प्रियका भेड़ा ने प्राप्त किया।

गीता ककड़ा ने गोवर्धन पर्वत बन कर झांकी में चार चांद लगा दिए।

सभी महिलाओं ने अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ इस आयोजन में भाग लिया। पूरे वातावरण में भक्ति, आनंद और उल्लास का माहौल रहा। पूरी कार्यकारिणी समिति सरोज व्यास, सरोज ओझा, बुल्लू दाधीच, पुष्पा तिवारी, वंदना जोशी, शशि ओझा, बरखा जोशी, रेनू जोशी, संतोषी काकरा, सरोज जोशी, विजयलक्ष्मी रतावा, किरण शर्मा, स्नेहा असोपा, वंदना शर्मा, नीता व्यास, बिंदु गोतेचा, ममता सोसी एवं भावना तिवारी ने मिलकर इस कार्यक्रम का संचालन किया।

दूसरों की मदद करने वाला भगवान के करीब: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि चंचल आदमी में पांच गुण होने चाहिए। मन बड़ा रखो, दिमाग ठंडा रखो, दिल बड़ा रखो, शांति रखो। जिसमें ये खूबियां होती है वो सच्चे इंसान होते है। सामने कोई भी हो सबके प्रति मन बड़ा ही रखना चाहिए। कभी भी गुस्सा भी आए तो भी दिमाग ठंडा ही रखना चाहिए। मन में कषाय होगा तो जीवन नर्कों में चला जाएगा। वर्तमान में लोगों का दिमाग शांत नहीं रहता है। लोग बात बात पर गुस्सा हो जाते है। ऐसा करने से सारा मामला उल्टा हो जाता है। एक जवाना था जब जीवन बहुत ही सहज था। लेकिन वर्तमान का जीवन पहले जैसा बिल्कुल नहीं है। अब लोगों में सब्र नहीं है। लोग गलत कार्यों से अपना जीवन चला रहे हैं। किसी के प्रति दिल को बड़ा ही रखना चाहिए। कोई गलती करे तो दिल बड़ा रख कर उसको माफ कर देना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य अच्छा इंसान बन सकता है। अगर आपके पास है तो दिल बड़ा रख कर लोगों की मदद करनी चाहिए। लोगों की मदद करेंगे तो भगवान आपकी मदद करेंगे। समझदार मनुष्य किसी का बुरा नहीं करता है। समझदार मनुष्य बन कर जीवन को सुंदर बना लेना चाहिए। लोगों के प्रति दया भव रखना चाहिए। दया करना मनुष्य का मूल अस्तित्व होता है। दूसरों की सेवा और मदद करने बालों की रक्षा स्वयं भगवान करते है। इसलिए जीवन मिला है तो लोगों की सेवा करते रहो। एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य अपने बिगड़े भवों को सुधार सकता है। हर किसी को एक समान समझना चाहिए। ऐसा समझने पर मानव भव का कल्याण निश्चित है। नरम और गरम से ही जीवन चलता हैं। अगर कोई गरम है तो उसके सामने नरम हो जाना ही बुद्धिमानी है। ऐसा करके मनुष्य अपने बिगड़ते रिश्ते को बचा सकता है। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि ने गौ सेवा का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, बेंगलूरु (कर्नाटक) की अध्यक्षा माया अग्रवाल के संचालन में गोपाष्टमी उत्सव का आयोजन अखिल कर्नाटक प्राणी दया संघ, कोरमंगला गौशाला में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौमाता की पूजा से हुई। इस अवसर पर दो गायों के एक वर्ष के चारे का दान गौशाला को दिया गया। सभी सदस्यों ने फल और चारा खिलाकर गौ सेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। 65 लोगों को खाना खिलाया गया। वहां अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष (बेंगलूरु) सीता राम अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य गजेंद्र अग्रवाल और सुरेश जालान उपस्थित थे। कार्यक्रम में परिधि की सलाहकार मंजू अग्रवाल, सह-उपाध्यक्षा निर्मला गोयल, सह-सचिव पल्लवी पोद्दार तथा समिति से सविता गुप्ता, हेमलता अग्रवाल, आशा मित्तल, अंजू अग्रवाल, पारुल अग्रवाल, पूजा (मदन) अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल और अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।

रेलवे ने लंबे समय से चले आ रहे अतिक्रमण को सफलतापूर्वक हटाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेलवे भूमि की सुरक्षा, रेल परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने और यशवन्तपुर होसूर खंड के साथ साथ बीएसआरपी परियोजना के कॉरिडोर 2 पर दोहरीकरण कार्यों के निष्पादन की सुविधा की दिशा में एक बड़े कदम में, दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने शुक्रवार को बानसवाड़ी और हेब्बाल (किमी 212/500-700 पर) के बीच सफलतापूर्वक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान, कुल क्षेत्रफल 512.25 वर्गमीटर (विस्तार सहित 641.25 वर्गमीटर) शहर के केंद्र में स्थित मूल्यवान रेलवे भूमि के शेडों को पुनः प्राप्त किया गया। अतिक्रमण, जो कई वर्षों से मौजूद था, में 24

अनधिकृत संरचनाएं शामिल थीं, जिनमें से अधिकांश बहुमंजिला (तीन मंजिल तक) थीं। उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए संपदा अधिकारी और न्यायालय के आदेश के अनुसार बेदखली की गई। कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थल पर पर्याप्त पुलिस तैनाती सुनिश्चित की गई। राज्य पुलिस और राज्य प्राधिकरणों की सक्रिय सहायता और समर्थन के साथ, मंडल रेल प्रबंधक, एमडी के राइड, निदेशक (परियोजना एवं योजना) के राइड, और अतिरिक्त मंडल रेलवे प्रबंधक के मार्गदर्शन और निरंतर समर्थन के तहत अभियान को सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। यह कार्रवाई रेलवे भूमि को अनधिकृत कब्जे से बचाने और बेंगलूरु शहर में चल रही और भविष्य की रेलवे परियोजनाओं के लिए सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

समय रहते समय का करें उपयोग: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि दुनिया में हर चीज का भेदभाव हो सकता है।

कोई ज्यादा पैसे वाला, किसी का नाम मशहूर हो, कोई ज्यादा ज्ञानी हो सब हमारे कितने ही भवों के कर्मो का फल होता है, लेकिन एक चीज जो सबके पास एक ही समान है वो है 'समय' उसका हम कैसे उपयोग करते है वो हम पर

निर्भर करता है। वक्त का अगर हम सही उपयोग सही कार्य के लिए करते हैं तो उसकी निष्पति भी विशिष्ट ही मिलती है। आज के युग में लोग समय का उपयोग अच्छे कार्यो में सम्पादित करने की बजाय क्षणिक सुख के लिए गलत कार्यो में लगाते है। उसके कारण बाद में खुद तो दुखी होते ही हैं पुरा परिवार भी दुखी हो जाता है। वक्त का सोच समझकर किया गया उपयोग जीवन भर का सुख प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि समय कभी साथ है तो कभी खिलाफ है। समय का भी आदमी जैसा हाल है। दादागुरुदेव राजेन्द्र सूरिश्वर गुरुदेव के 108 अभिषेक का लाभ अरविंद कुमार, देविचंद परिवार ने लिया। राजू भंडारी ने बताया कि रामचंद्रपुरम बेंगलूरु से जीवदया ग्रुप एवं महालक्ष्मी लेआउट से अनीता झारमुथा, ममता छाजेड, वीणा दांतेवाडिया, सारिका लोढा, निकिता गांधी आदि महिलाओं ने दर्शन का लाभ लिया। संघ की ओर से बहुमान किया गया।

कन्नड़ राज्योत्सव पर ध्वजारोहण एवं अन्नदानम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत समिति बेंगलूरु ने तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में प्रथम बार कन्नड़ राज्योत्सव पर ध्वजारोहण एवं अन्नदानम का समारोह आयोजित किया। जिसमे हजारों की संख्या में लोगों ने लाभ लिया।

मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में ध्वजारोहण किया गया। जिसमे कैलाश बोराणा, मदन बोराणा, दिनेश पोखरणा, पवन मांडोत, राजेश चावत, सुरेश दक, ललित बाबेल, सुरेश

चावत, लाभेश काँसवा, हिम्मत मांडोत, अमित दक, मनोहर मांडोत आदि की मौजूदगी रही। तत्पश्चात तेरापंथ के मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी, स्थानकवासी संघ के पंकज मुनि जी, वरुण मुनि जी एवं मूर्ति पूजक संघ के ध्यान योग विजय जी के सानिध्य में गणाधिपति गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी का जन्म दिवस अणुव्रत दिवस के रूप में मनाया गया। सभी संतों ने आचार्य तुलसी के गुणों की जानकारी दी एवं समाज में उनके द्वारा दिए गए संदेशों को जन जन तक पहुँचाने का संकल्प दिलाया। जनता स्कूल एवं ज्ञानशाला के बच्चों ने प्रस्तुति दी। संचालन मुनि आदित्य कुमार जी ने किया। प्रायोजक परिवार मदनलाल, कैलासचंद, रमेश, रोशन बोराना एवं पधारे हुए सभी का आभार मंत्री लाभेश कांसवा एवं सह मंत्री सुरेश चावत ने व्यक्त किया।

70वें कन्नड़ राज्योत्सव का उद्घाटन

प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा माध्यम में होनी चाहिए: मुख्यमंत्री सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के साथ केंद्र सरकार के लगातार अन्याय पर अलग और परोक्ष हमला करने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस बात की पुरजोर वकालत की है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा माध्यम में होनी चाहिए। शहर के कांतिरवा स्टेडियम में 70वें कन्नड़ राज्योत्सव का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि देश केवल सड़कों, पुलों, बिजली, ट्रेनों, विमानों और अच्छी तरह से सुसज्जित इमारतों के बारे में नहीं है, बल्कि देश के बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में भी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को विदेशी भाषा, संस्कृति, जाति, धर्म और अन्य मतभेदों को सहनशीलता से देखना सिखाया जाना चाहिए। दुनिया की किसी भी भाषा जैसा संकट कन्नड़ पर नहीं आया। शिक्षा में कन्नड़ भाषा की उपेक्षा से समस्या बढ़ी है। उन्नत भाषाओं के बच्चे अपनी मातृभाषा में सोच रहे हैं और सीख रहे हैं। हमारी स्थिति विपरीत है। बच्चे हिंदी और अंग्रेजी में सीख रहे हैं। यह हमारे बच्चों की प्रतिभा को कमजोर कर रहा है। इसलिए मातृभाषा में शिक्षा लागू करने के लिए उचित कानून लाया जाना चाहिए और केंद्र सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे विचारों को पढ़ाना बहुत जरूरी है जो दुनिया के प्रमुख देशों में चल रही खोजों के अनुरूप हों। सिद्धरामैया ने कहा कि केंद्र को कर्नाटक से 4.5 लाख करोड़ से ज्यादा की टैक्स दी जा रही है। उन्होंने शिकायत की कि सिर्फ खुले पैसे देकर हजारों करोड़ रुपये की ठगी की जा रही है। अनुदान केवल हिन्दी एवं संस्कृत भाषा के विकास के लिए दिया जा रहा है। कन्नड़ सहित अन्य स्थानीय भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। राज्य के विकास की पूरक योजनाएं नहीं देकर वे धोखा दे रहे हैं। कन्नड़ शास्त्रीय भाषा को जो अनुदान मिलना चाहिए वह न देकर अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि इस कन्नड़ विरोधी नीति का विरोध किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार के सौतेले रवैये की स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। 15वें वित्त आयोग के साथ विश्वासघात के कारण पिछले 5 वर्षों में राज्य को 70 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। 15वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित अनुदान का वितरण नहीं होने और परियोजनाओं की विफलता के कारण राज्य को कुल 1 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, जिससे राज्य सरकार संघर्ष कर रही है। समुदाय से भी गंभीरता से पूछताछ होनी चाहिए। हाल ही में मजबूत संघीय व्यवस्था को तोड़ने और राज्यों की शक्तियों को कम करने की नव-उदारवादी भावना सामने आई है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि अगर हमने पूरे देश में केंद्र के खिलाफ विरोध नहीं किया तो हमारा फायदा उठाया जा सकता है। सांप्रदायिक ताकतें राजनीतिक कारणों से राज्य की सौहार्दपूर्ण विरासत में लगातार जहर घोल रही हैं। वे हिटलर के जर्मनी, मुसोलिनी के इटली, ट्रैंकोस के स्पेन के मॉडल पर भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। सभी धर्मों में कट्टरपंथी होते हैं। युवाओं को इसका शिकार नहीं होना चाहिए। तर्कसंगत सोच का चरित्र विकसित किया जाना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया पर कब्जा कर रही है। इससे नौकरी जाने का डर रहता है। नई चुनौती से निपटने के लिए भाषा को अपनाना होगा। इसके लिए तकनीशियनों और विद्वानों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह कन्नड़ भाषा और विरासत को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए एक नई नीति बनाएंगे। आइए नई पीढ़ी के बच्चों में भाषा के प्रति प्रेम पैदा करें और अपनी चुनौतियों को अवसरों में बदलें। अगर युवा पीढ़ी खड़ी हो जाए तो कन्नड़ और कर्नाटक को विकसित देशों के स्तर पर ले जाना होगा। उनकी सरकार लोगों के बीच भाषा और संस्कृति की सराहना बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रही है। व्यावसायिक नेमप्लेट में 60 प्रतिशत कन्नड़ अनिवार्य कर दी गई है और कन्नड़ अभियान चलाया गया है। उन्होंने बताया कि विधान सौधा के पास भुवनेश्वरी की एक प्रतिमा स्थापित की गई है।

भाषा हमारी गौरवपूर्ण विरासत और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का रूप है। कन्नड़ का इतिहास कई वर्ष पुराना है। महाकाव्य महाभारत में कन्नड़ का उल्लेख दक्षिण भारत के शिल्प काव्यों में मिलता है। कन्नड़ का शाही प्रभाव पूरे भारत में फैल गया, बंगाल के सेन राजवंश और बिहार के यदा ने कन्नड़ वंश का होने का दावा किया।

एकीकरण के आन्दोलन में अनेक सरदारों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि देश की शांति के लिए गोकक आंदोलन चलाना जरूरी है। आदिकवि पम्पा से लेकर अब तक कन्नड़ को एक भाषा के रूप में अपना अलग दर्जा प्राप्त है। हमारे बुजुर्गों ने पाया कि अनेक भाषाएँ, अनेक धर्म, अनेक संस्कृतियाँ, अनेक जातियाँ एक साथ रहती हैं। हमने प्रारंभ से ही एकता के साथ देश का निर्माण और पोषण किया है। उन्होंने कहा कि हमें कन्नड़ भाषा और संस्कृति को ऊंचे स्तर पर ले जाना है।

65 हजार करोड़ का अनुदान

शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए 65 हजार करोड़ का अनुदान दिया गया है। आवासीय विद्यालयों में 8.36 लाख बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। हम जहां आवश्यक हो वहां आवासीय विद्यालय और छात्रावास शुरू कर रहे हैं। राज्य में 3,000 सदी पुराने सरकारी स्कूल हैं, जिनका जीर्णोद्धार किया जाएगा। 800 सरकारी स्कूलों को पब्लिक स्कूलों में अपग्रेड किया जा रहा है। कन्नड़ 180 मदरसों में पढ़ाई जा रही है और इसे 1,500 मदरसों तक विस्तारित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 800 प्री-डिग्री लेक्चरर समेत 18 हजार नये शिक्षकों की नियुक्ति के लिए अधिसूचना जारी कर दी गयी है। प्रोफेसर सुखदेव भोराट की अध्यक्षता में गठित राज्य शिक्षा नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट दे दी है और इस पर गंभीरता से विचार कर लागू किया जायेगा।

बेंगलूरु शहर में और अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने चेतावनी दी है कि यदि आप सड़क के किनारे कचरा फेंकते हैं, तो यह आपके घर में वापस आ जाएगा। विधान सौधा के पास भुवनेश्वरी प्रतिमा के पास मीडिया से बातचीत में शहर में जगह-जगह कूड़े के ढेर की समस्या को लेकर हो रही आलोचना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पहले ही काफी सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। इसके चलते जगह-जगह कूड़ा फेंकने वालों की पहचान की जा रही है और उन्हीं के घर के सामने कूड़ा फेंककर काम चलाया जा रहा है। गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना लगाने का भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि अब तक लाखों रुपये जुर्माना वसूला जा चुका है।

मैं शुक्रवार को मुंबई के लिए रवाना हुआ। वहां भी कोने-कोने में कूड़े के ढेर लगे हुए थे। हो सकता है ये कहीं और गिरा हो। लोग अपने पास मौजूद अवसर का दुरुपयोग कर रहे हैं। जहां-तहां कूड़ा फेंकना बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ बेंगलूरु के लिए लोगों को और अधिक सहयोग करना चाहिए। ऐसी जानकारी है कि जिन लोगों ने मुंबई शहर की प्रमुख सड़कों का काम और रखरखाव किया है, उन्हें उन सड़कों के किनारे कचरा निपटान की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि इस मॉडल को बेंगलूरु में भी लागू करने पर चर्चा और विचार किया जा रहा है। कूड़ेदान रखें और घरेलू कूड़ा-कचरा उनमें एकत्र करें। मेरा अनुरोध है कि इन्हें कचरा संग्रहण वाहनों को अनिवार्य रूप से दिया जाए। उन्होंने कहा, हमारे अधिकारी शुक्रवार देर रात तक मुझे कूड़ा निस्तारण समेत इस बारे में जानकारी दे रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि नागरिकों का यह आरोप है कि कूड़ा उठाने की समुचित व्यवस्था नहीं है, तो उन्होंने कहा यह सब झूठ है। आए दिन घरों से कूड़ा उठाने का काम चल रहा है। यदि कोई समस्या हो तो बताए गए टेलीफोन नंबर पर शिकायत करें। हमने पूरे देश में सबसे अच्छी व्यवस्था बनाई है। यदि आपको कहीं भी कूड़ा-कचरा या सड़क जाम दिखाई दे तो हमने आपको उसकी फोटो और स्थान भेजने का अवसर दिया है। मीडिया आए दिन कोई न कोई रोड़ा अटकाता रहता है। चाहे आप कितनी भी मेहनत कर लें, रुकावटें तो आएंगी ही। वाहनों के इकट्ठा होने पर सड़क जाम हो जाती है। इसलिए हम इस समस्या के समाधान के लिए कुछ प्रयास कर रहे हैं। हैदराबाद और अन्य स्थानों में डामर सड़क तकनीक का उपयोग करके सड़क निर्माण किया जा रहा है जो कम से कम दस वर्षों तक चलती है। इस पर चर्चा हो रही है।

वरिष्ठों का आदेश है कि कैबिनेट विस्तार की बात न करें: मंत्री मधुबंगारप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री मधुबंगारप्पा ने कहा कि किसी को भी मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के विस्तार के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। जिले के यालंदूर शहर में एक कार्यक्रम में जाने के दौरान जब उन्होंने शहर में सरकारी आवास का दौरा किया तो उन्होंने मीडिया से बात की।

कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने निर्देश दिया है कि कोई भी विधायक और मंत्री बदलाव और कैबिनेट विस्तार के बारे में बात नहीं करेगा। पार्टी नेताओं ने कहा है कि जो काम जिम्मेदारी से दिया गया है, उसे निभाएं और दूसरी बातें न करें। कैबिनेट विस्तार के दौरान आपका मंत्री पद चला जाएगा, इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा अगर आपने मेरी किस्मत का फैसला किया होता तो कर्नाटक के सभी लोग आपके दरवाजे पर खड़े होते। ऐसे सवाल पूछना बंद करें। कैबिनेट का मसला कांग्रेस नेता तय करेंगे। पिछले साल एसएसएससी परीक्षा एक बार आयोजित की गई थी और उस परीक्षा में फेल हुए छात्रों को दो बार परीक्षा लिखने की अनुमति दी गई थी, इसलिए 1 लाख 16 हजार छात्र उत्तीर्ण हुए हैं और पीयूसी में पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन छात्रों को बिना किसी शुल्क के परीक्षा देने का मौका दिया गया, जिसमें गरीब, पिछड़े वर्ग, कठिनाई में रहने वाले और आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के छात्रों को मौका देने का काम कांग्रेस सरकार ने किया है। इससे पहले 13 हजार शिक्षकों की नियुक्ति की गयी थी और 13 हजार शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है।

विजयेंद्र ने कन्नड़ भाषा के अधिक उपयोग का आह्वान किया

शिकारीपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधायक और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने उम्मीद जताई कि कन्नड़ हम सभी की सांस बनेगी।

शिकारीपुरा में तालुक प्रशासन और कन्नड़ युवक संघ द्वारा आयोजित कन्नड़ राज्योत्सव कार्यक्रमों का उद्घाटन करते हुए उन्होंने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उन्होंने कहा हजारों वर्षों के इतिहास के साथ कन्नड़ भाषा हमारा मील का पत्थर है। उन्होंने कन्नड़ राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आइए हम सभी इसका अधिक उपयोग करके, इसे बचाकर और इसका संवर्धन करके कन्नड़ मां की सेवा करें। इस अवसर पर तालुक मजिस्ट्रेट, कन्नड़ साहित्य परिषद के अध्यक्ष रघु एचएस, विभिन्न विभागों के अधिकारी, कन्नड़ युवा संघ के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

कलबुर्गी जिले के समग्र विकास के लिए नीला नक्शा तैयार: मंत्री प्रियांक खड़गे

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
ग्रामीण विकास, पंचायत राज और जिला प्रभारी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि कलबुर्गी जिले के समग्र विकास के लिए एक नीला नक्शा तैयार किया गया है जिसके तहत अगले वर्ष के भीतर जिले का विकास किया जाएगा। उन्होंने शहर के गंज इलाके में नागरेश्वर हाई स्कूल में आयोजित कर्नाटक राज्योत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कलबुर्गी जिले में नवाचार, पर्यटन विकास, युवा सशक्तिकरण, शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के विकास के लिए नवा कलबुर्गी के निर्माण का खाका तैयार किया गया है और अगले दो सप्ताह में इसे जनता के सामने पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कलबुर्गी जिले को पर्यटन, कृषि, उद्योग, प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और उद्यमिता क्षेत्रों में स्थानीय आर्थिक त्वरण कार्यक्रम के तहत विकसित किया जाएगा। कन्नड़वासी कन्नड़ से प्यार करते हैं और उसका सम्मान करते हैं। किसी भी कारण से कन्नड़ नहीं छोड़ी जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह कन्नड़वासियों की मित्रता है कि दुनिया कर्नाटक के मानव संसाधनों का सबसे अधिक सम्मान करती है। जर्मनी में जन्मे मर्सिडीज-बेंज के अध्यक्ष को कर्नाटक जाने के बाद एक नया जीवन मिला।

मंत्री ने उस घटना को याद करते हुए कहा कि जब वह बेंगलूरु में अपने शोध केंद्र में गए थे तो उन्हें कर्मचारियों को धाराप्रवाह जर्मन बोलते हुए देखकर खुशी हुई थी। बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि बेंगलूरु राज्य की जीडीपी में 40 प्रतिशत योगदान देता है, जबकि दक्षिण कन्नड़ 4.5 प्रतिशत, बेंगलूरु ग्रामीण 1 और कलबुर्गी 1.9 प्रतिशत योगदान देता है। उन्होंने कहा कि कलबुर्गी को नवाचार की स्थापना, उद्योगों के विकास, रोजगार सृजन, मानव संसाधनों की वृद्धि, कौशल विकास, नवाचार केंद्र, कृषि क्षेत्र की स्थिरता और पर्यटन को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित किया जाएगा। कलबुर्गी की जीडीपी को 1.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.15 प्रतिशत करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बियॉन्ड बेंगलूरु प्रोग्राम के तहत बेंगलूरु के अलावा कलबुर्गी में भी इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री कल मैसूरु में देवराज उर्स की प्रतिमा का अनावरण करेंगे: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भले ही भाजपा ने 1 नवंबर को मैसूरु में नए उपायुक्त कार्यालय परिसर के अंदर स्थापित पूर्व मुख्यमंत्री डी. देवराज उर्स की प्रतिमा के अनावरण की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया, मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री एच. सी. महादेवप्पा ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 3 नवंबर को प्रतिमा का अनावरण करेंगे। महादेवप्पा ने मैसूरु में संवाददाताओं से कहा कि प्रतिमा का अनावरण सिद्धरामैया की 3 नवंबर को मैसूरु यात्रा के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा मामला उनके संज्ञान में लाया गया है। हम 3 नवंबर को इसका अनावरण करने की योजना बना रहे हैं। लंबे समय से तैयार होने के बावजूद प्रतिमा के अनावरण में अत्यधिक देरी की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए महादेवप्पा ने देरी के लिए समय की कमी को जिम्मेदार ठहराया, और स्वीकार किया कि कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने कई बार इस मामले पर उनका ध्यान आकर्षित किया था। हालांकि प्रतिमा का अनावरण उनके द्वारा किया जा सकता था, मंत्री ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री सम्मान करेंगे तो इस कार्यक्रम को और अधिक महत्व मिलेगा। एमएलसी एएच विश्वनाथ, पूर्व विधायक एल. नागेंद्र और पार्टी के राज्य ओबीसी मोर्चा नेता रघु कौटिल्य सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता बन्नूर रोड पर नए उपायुक्त कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और मांग की कि सरकार राज्योत्सव दिवस पर प्रतिमा का अनावरण करे।

भाजपा कार्यकर्ता, जिन्होंने उपायुक्त कार्यालय का घेराव करने की कोशिश की, पुलिस कर्मियों के साथ बहस करने लगे, जिन्होंने उन्हें कार्यालय में प्रवेश करने से रोक दिया। विश्वनाथ ने संवाददाताओं से कहा कि यह मूर्ति, जिसे पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने अपने कार्यकाल के दौरान 92 लाख जारी करने के बाद तैयार किया था, उपेक्षित और परित्यक्त बनी हुई है। उन्होंने अफसोस जताया कि कांग्रेस नेताओं ने उर्स की प्रतिमा पर आकर जांच करने की भी जहमत नहीं उठाई, जिन्हें सामाजिक न्याय का चैंपियन और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की आवाज माना जाता है। भाजपा नेताओं ने दिवंगत मुख्यमंत्री के शानदार नेतृत्व को श्रद्धांजलि के रूप में राज्योत्सव दिवस पर उर्स के प्रशंसकों की ओर से प्रतिमा का अनावरण करने की धमकी दी थी।

कन्नड़ और कर्नाटक के एकीकरण के लिए लाखों लोगों ने संघर्ष किया: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने शाही, भगवा रंग के कन्नड़ ध्वज को सौभाग्य की निशानी के रूप में स्वीकार किया है। शहर के भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में कन्नड़ राज्योत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने ध्वजारोहण किया और राज्योत्सव के बारे में संदेश दिया।

कन्नड़ और कर्नाटक के एकीकरण के लिए लाखों लोगों ने संघर्ष किया है। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने भी कठिनाइयों का अनुभव किया है। कर्नाटक को एकजुट करने के लिए बुजुर्गों द्वारा दिए गए बलिदान के लिए हम सभी को आभारी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें याद दिलाने की जरूरत है। कन्नड़ सबसे प्राचीन भाषा है। उन्होंने विश्लेषण किया कि कन्नड़ की अपनी महिमा और सम्मान है। उन्होंने बताया कि सैकड़ों लेखकों ने कन्नड़ के विकास में योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि हमने कुवेम्पु के गीत को राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार किया। इस मौके पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, राज्य कार्यालय सचिव लोकेश अंबेकल्लू, पूर्व राज्य सचिव जगदीश हिरेमनी, राज्य कार्यालय सह-सचिव विश्वनाथ अंजी, बेंगलूरु उत्तर जिला महासचिव जे. रंगास्वामी, बेंगलूरु मध्य जिला महासचिव आर. राघवेंद्र राव, पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मेंगलूरु में कन्नड़ राज्योत्सव गौरव के साथ मनाया गया

हमारी भूमि संस्कृति, भाषा, कला और विरासत से समृद्ध भूमि: स्वास्थ्य मंत्री

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य का गठन या कन्नड़ राज्योत्सव शनिवार को यहां मेंगलूरु के नेहरू मैदान में जिला प्रशासन द्वारा एक शानदार समारोह के साथ मनाया गया। जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम में 80 उपलब्धियों और प्रतिष्ठित संगठनों को 2025 जिला-स्तरीय पुरस्कार भी प्रदान किए। सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा आज, जैसा कि हम कर्नाटक के गठन के 70 गौरवशाली वर्षों का जश्न मना रहे हैं, आइए उन महान नेताओं, लेखकों और दूरदर्शी लोगों को याद करें जिन्होंने एकीकृत कन्नड़ राज्य के लिए लड़ाई लड़ी। हमारी भूमि संस्कृति, भाषा, कला और विरासत से समृद्ध भूमि है और हमें इस विरासत का हिस्सा होने पर गर्व होना चाहिए। कर्नाटक हमेशा शांति और सद्भाव का प्रतीक रहा है, जहां सभी धर्मों और समुदायों के लोग आपसी सम्मान के साथ रहते हैं। जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था, प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा से प्यार करना चाहिए और हम सभी को अपने दैनिक जीवन में कन्नड़ को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए काम करना चाहिए। सरकार कन्नड़ भाषा और संस्कृति की रक्षा और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। तकनीकी प्रगति, यूनिकोड विकास और डिजिटल पहल ने आधुनिक युग में भी कन्नड़ की समृद्धि सुनिश्चित की है। सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ, हम कल्याण और विकास पर भी समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। गृह ज्योति, शक्ति, गृह लक्ष्मी, अन्न भाग्य और युवा निधि जैसी गारंटी योजनाओं के माध्यम से, हमने दक्षिण कन्नड़ में लाखों लोगों को ठोस लाभ पहुंचाया है। जिसमें महिलाओं को सशक्त बनाना, किसानों का समर्थन करना और कमजोर वर्गों का उत्थान करना शामिल है। हम आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास कर रहे हैं, स्कूलों में सुधार कर रहे हैं, स्वास्थ्य सुविधाओं को उन्नत कर रहे हैं और पर्यटन को बढ़ावा दे रहे हैं। डेरेबेल में टेक पार्क, नई आवास योजनाएं, समुद्र तट विकास और प्रस्तावित रिंग रोड जैसी प्रमुख परियोजनाएं इस क्षेत्र में रोजगार और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी। उन्होंने कहा आइए हम अपनी परंपराओं को संरक्षित करना, अपनी संस्कृति की रक्षा करना और समृद्ध, समावेशी और आत्मनिर्भर कर्नाटक के लिए मिलकर काम करना जारी रखें।

इस कार्यक्रम में सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, विधायक वेदव्यास कामथ, एमएलसी इवान डिसूजा और मंजूनाथ भंडारी, डिप्टी कमिश्नर दर्शन एचवी, कर्नाटक कोंकणी साहित्य अकादमी के अध्यक्ष स्टेनी अल्वारेस, पद्म श्री हजब्बा, कर्नाटक काजू विकास निगम की अध्यक्ष ममता गट्टी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उप-स्थित थे।

श्री मरुधरा जैन संघ का दीपावली स्नेह मिलन आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मरुधरा जैन संघ के रविवार को होने वाले दीपावली स्नेह मिलन की तैयारियों हेतु संघ के अध्यक्ष डॉ. जवरीलाल लूनावत, उपाध्यक्ष कांतीलाल गुलेच्छा, अमृतलाल सालेचा, पूर्व अध्यक्ष डूंगरमल पारख, पूर्व कोषाध्यक्ष केवलचंद सालेचा, पूर्व सलाहकार भंवरलाल भंडारी, पदमचंद भूरट, केवलचंद मोदी, जसंवतराज छाजेड, उत्तम बागमार, राजू विनायकिया, कमेटी के मनोनीत सदस्य कांतीलाल रांका, प्रकाश भंसाली, रमेश लुंकड, श्रेणिक पालरेचा, फूटरमल बोहरा, जी-तेन्द्र मांडोत, सुरेश सालेचा, रमेश विनायकिया, नवयुवक मंडल के किरण सालेचा, विक्रम विनायकिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने व्यवस्था का जायजा लिया। डॉं. लूनावत ने बताया कि स्नेह मिलन हेतु सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

समय सीमा खत्म हो रही है, विकास नहीं हो रहा: शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने शनिवार को कहा कि सरकार ने गड्ढों को बंद करने के लिए कई समयसीमाएं दी हैं। समयसीमा खत्म हो रही है, लेकिन विकास नहीं हो रहा है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बेंगलूरु की सड़कों पर दोपहिया वाहन से गिरकर छह से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। इस मौत का जिम्मेदार कौन है? मृतक के परिवार का जिम्मेदार कौन? उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इसमें कोई जिम्मेदार नहीं है। राज्य सरकार और मंत्री बहुत खराब कारोबार कर रहे हैं। उनके मन में लोगों के बुनियादी ढांचे के प्रति कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने शिकायत की कि चर्चा केवल पैसा कमाने, प्रचार पाने और कुर्सी पर कब्जा करने के बारे में है। मंत्री जिलों में नहीं जा रहे। प्रगति समीक्षा बैठक नहीं कर रहे हैं। नागरिक, कर्मचारी, व्यवसायी - ये सभी बेंगलूरु के गड्ढों से तंग आ चुके हैं। उद्यमी सोच रहे हैं कि यहां रहें या नहीं। उन्होंने आलोचना की कि बगीचों का शहर बेंगलूरु अब गड्ढों का बेंगलूरु बन गया है। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि जीबीए ने कूड़ा फेंकने वालों के घर के सामने कूड़ा डालने और जुर्माना लगाने का काम किया है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें नहीं पता कि कचरा संग्रहण, छंटाई और प्रोसेसिंग के काम को लेकर क्या लॉबिंग चल रही है। इसके चलते बेंगलूरु की सभी सड़कों पर कूड़ा गिर रहा है। क्या कूड़ा फैलाना और जुर्माना लगाना इसका समाधान है? उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में मंत्री और अधिकारी कूड़े की समस्या के समाधान के बारे में नहीं सोच रहे हैं। एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कांग्रेस में मुख्यमंत्री कौन होगा, यह हमारा सवाल नहीं है। कर्नाटक का विकास होना चाहिए। उन्होंने भारी बारिश के कारण मुसीबत में फंसे लोगों की मदद के लिए आगे आने की मांग की। लड़कियों के साथ बलात्कार और अपहरण के खिलाफ कार्रवाई की जरूरत है। जो लोग लापता हो जाते हैं, उनकी सुरक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने आक्रोश जताया कि सैकड़ों लोग आत्महत्या कर रहे हैं और इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

खाद्य निगम के 386 नये कर्मचारियों के भर्ती पत्र का वितरण शीघ्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि खाद्य निगम में भर्ती प्रक्रिया हो चुकी है और जल्द ही खाद्य निगम के 386 नए कर्मचारियों का भर्ती पत्र वितरित किया जाएगा। वसंतनगर के अब्दुल कलाम भवन में आयोजित खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड के 52वें वर्ष के जश्न कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी हो गई है। मुख्यमंत्री ने इस भर्ती आदेश को अनुमति दे दी है और कुछ ही दिनों में कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र जारी कर दिये जायेंगे। खाद्य निगम ने पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष एमएसपी योजना के तहत खाद्यान्न की खरीद बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि मानव के लिए स्वास्थ्यवर्धक बाजरा एवं मक्का को क्रय केन्द्रों के माध्यम से बड़ी मात्रा में खरीदकर लोगों को वितरित किया जा सकता है तथा इससे मिलने वाला कमीशन निगम के प्रबंधन के लिए भी सहायक होता है। निगम के अध्यक्ष बीजी गोविंदप्पा ने कहा कि देवराज अरासु ने दो बार मुख्यमंत्री के रूप में इस निगम की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आज निगम ने 52 बसंत पूरे कर लिये हैं। उन्होंने कहा कि इस निगम ने बाजरा, चावल और मक्का खरीदकर प्रदेश की जनता को देने में मदद की है। खाद्यान्न की खरीद के लिए प्रदेश भर में क्रय केन्द्र स्थापित कर किसानों को ताकत दी है। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष बीजी गोविंदप्पा, पूर्व सांसद चंद्रप्पा, आयुक्त वीवी जोत्सना, निगम निदेशक के.जगदीश, मंत्री के निजी सचिव डॉ.एच.नटराज, प्रबंधक मंजूनाथ, राघवेंद्र, डॉक्टर अंजनप्पा व कर्मचारी उपस्थित थे।

मेंगलूरु पुलिस ने 3 महीने में ट्रैफिक जुर्माने से 53 लाख रुपये से अधिक वसूले

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सड़कों पर अनधिकृत पार्किंग के कारण यातायात की भीड़ के बारे में कई सार्वजनिक शिकायतों के बाद, मेंगलूरु शहर पुलिस ने शहर में सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए पिछले तीन महीनों में विशेष अभियान शुरू किया है। इन अभियानों के दौरान, पुलिस ने वाहन मालिकों और चालकों के खिलाफ नो पार्किंग, गलत पार्किंग, डबल पार्किंग और फुटपाथ पार्किंग उल्लंघन के 4,793 मामले दर्ज किए, और कुल 23,21,200 रुपये का जुर्माना लगाया। वाणिज्यिक परिसरों और बड़े शॉपिंग मॉल के कारण होने वाली भीड़ को संबोधित करने के लिए, उनके प्रबंधन के साथ बैठकें आयोजित की गईं। उन्हें उचित पार्किंग सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया और तदनुसार नोटिस जारी किए गए। दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयासों में, ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना-संभावित क्षेत्रों) के पास तेज गति से चलने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप 562 मामले सामने आए और 5,62,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह, पुलिस ने काले शीशे वाले वाहनों के खिलाफ 5,865 मामले दर्ज किए और 24,85,900 रुपये का जुर्माना लगाया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में ऐसे वाहनों से काले स्टीकर और काली फिल्में हटा दी गईं।

पुलिस ने डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले को किया विफल

महिला को 17 लाख रुपये बरामद करने में मदद की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु साइबर इकोनॉमिक एंड नारकोटिक्स (सीईएन) पुलिस स्टेशन के कर्मियों के त्वरित और समन्वित प्रयास से बेजई की एक 79 वर्षीय महिला को 17 लाख रुपये की वसूली करने में मदद मिली, जिसे 'डिजिटल गिरफ्तारी' की धमकी के बाद ऑनलाइन ट्रांसफर करने के लिए धोखा दिया गया था। डीसीपी (कानून एवं व्यवस्था) मिथुन एचएन के अनुसार, महिला को 23 अक्टूबर की सुबह करीब 10 बजे एक अज्ञात नंबर से कॉल आई, जहां कॉल करने वाले ने झूठा दावा किया कि उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। जालसाज ने खुद को एक अधिकारी के रूप में पेश किया और चेतावनी दी कि अगर उसने अपने धन को 'सत्यापन' के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) खाते में स्थानांतरित नहीं किया तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फोन करने वाले ने उसे मामले के बारे में किसी को न बताने की धमकी भी दी। धमकियों से डरी बुजुर्ग महिला ने निर्देशों का पालन किया। जालसाजों ने उसे पांच घंटे से अधिक समय तक फोन कॉल पर रखा और धोखे को वास्तविक दिखाने के लिए पुलिस अधिकारियों और न्यायाधीश का रूप धारण करके व्हाट्सऐप वीडियो कॉल भी की। चूंकि वह यूपीआई का उपयोग नहीं करती थी, इसलिए उन्होंने उसे अपनी सावधि जमा और बचत को समाप्त करने और आरटीजीएस के माध्यम से धन हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। उसने अपने बैंक का दौरा किया और उसी दिन दोपहर 3 बजे के आसपास दिए गए खाते में 17 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में उस शाम, लगभग 6 बजे, उसने अपने पड़ोसी को यह बात बताई, जो तुरंत उसे शाम 7 बजे सीईएन पुलिस स्टेशन ले गया। पुलिस ने तुरंत शिकायत दर्ज की और 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन से संपर्क किया और लाभार्थी के खाते में धनराशि को सफलतापूर्वक रोक दिया। संबंधित बैंक मैनेजर को भी अलर्ट कर दिया गया। 24 अक्टूबर को अदालत में एक औपचारिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और बीच की छुट्टियों के बाद, अदालत ने 27 अक्टूबर को पीड़ित के खाते में रुकी हुई राशि जारी करने का आदेश दिया।

डीसीपी मिथुन ने पुलिस के समय पर हस्तक्षेप की सराहना की और नागरिकों से ऐसे घोटालों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया भारत में डिजिटल गिरफ्तारी जैसी कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं है। पुलिस, न्यायपालिका, सीबीआई या ईडी सहित कोई भी एजेंसी कभी भी ऐसे बहाने से धन हस्तांतरण या जमा की मांग नहीं करती है। उन्होंने नागरिकों को डिजिटल निवेश घोटालों, अनधिकृत शेयर ट्रेडिंग और आरबीआई या सेबी द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं होने वाले नकली डीमैट खातों के प्रति भी आगाह किया।

गुरु कृपा से असंभव भी हो सकता है संभव: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्व-ावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि गुरु कृपा सुर तरु कल्पवृक्ष के समान होती है। गुरु कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है और गुरु कृपा से चमत्कार भी होते हैं। सभा में उपस्थित जयमल जैन श्रावक संघ सानडिया की भक्ति की प्रशंसा करते हुए साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि इस संघ की भक्ति के कारण इस छोटे से गांव में आचार्य के दो चातुर्मास संभव हुए। धर्म में भक्ति ऐसी होनी चाहिए कि रोम रोम से भक्ति का स्वर प्रस्फुटित हो।

अपने प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि हमने पर की पंचायत में रुचि ले कर अनंत भव भ्रमण कर लिए हैं। जिस दिन आत्म दर्शन होगा, वह दिन आत्मा के लिए मंगलमय होगा। भगवान महावीर ने मात्र स्वयं की खोज और शोध में साढ़े बारह वर्ष ध्यान में लगा दिए और बताया कि जो मिटने वाला है वो अपना परिचय नहीं है। दूसरों से तो हमने खूब परिचय बढ़ा लिया है किंतु अभी स्वयं से स्वयं की मुलाकात बाकी है। प्रवचन सभा में चेन्नई से आए जयमल जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष गौतमचंद पोकरणा का सम्मान अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने किया। शांतिलाल कांकरिया ने चातुर्मास पश्चात प्रथम विहार की विनती रख कर लाभ प्राप्त किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने उपस्थित जनों को कर्नाटक राज्योत्सव की बधाई देते हुए आचार्य श्री पार्श्वचन्द जी महाराज साहब के धर्म संदेश को साझा किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

महावीर गौशाला में दो वृद्ध गौमाताओं का उपचार

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। गौशाला के सेवकों और पशुचिकित्सक दल ने मिलकर वृद्ध गौमाताओं की स्वास्थ्य जांच की तथा आवश्यक दवाइयां और देखभाल प्रदान की। महावीर गौशाला हमेशा से बीमार, असहाय और वृद्ध गायों की सेवा में अग्रणी रही है, जहां उन्हें उचित भोजन, उपचार और स्नेहपूर्वक देखभाल दी जाती है। यह सेवा कार्य समाज में करुणा और दया की भावना को प्रकट करता है। गौशाला के सदस्य भरत भंसाली ने बताया की गौशाला में करीब 250 गौमाता हैं जिसमे काफी वृद्ध और बीमार हैं। जिनकी समय समय पर जांच और उपचार किया जाता है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कंगारू केयर महिला एवं शिशु अस्पताल विजयनगर में 70वां कर्नाटक राज्योत्सव हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं विशिष्ट अतिथि टोयोटा के मुख्य प्रबंधक अभिजीत गुहा ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके ध्वजारोहण किया। अस्पताल के चिकित्सा, स्वास्थ्य कर्मी एवं सेवा कर्मी उपस्थित थे। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा हमें यहां की संस्कृति एवं भाषा का सम्मान करना है एवं उसके संवर्धन का प्रयास करना है। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जोगपाल्यम अलसूर मित्र मंडल ने शनिवार को दसवीं स्ट्रीट चौराहे पर कर्नाटक राज्योत्सव के अंतर्गत ध्वज-ारोहण का आयोजन किया। अलसूर जैन संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने ध्वजारोहण कर वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर प्रवासी समाज के महावीर छाजेड़, दीपक सेठिया, प्रकाशचंद नाहटा, सुरी राजपुरोहित के अलावा सोमशेखर, मुत्थु, विश्वनाथ, शिवा आदि अनेक स्थानीय निवासी भी उपस्थित थे।*

श्री श्याम बाबा के जन्मोत्सव का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नेरघट्टा रोड़ नेशनल पार्क के सामने स्थित श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर श्री श्याम बाबा के जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सायं 4 बजे से मन्दिर प्रांगण में भजन संध्या हुई। जिसमें स्थानीय अनेक भजन गायकों ने बाबा श्याम को रिझाया। बाबा श्याम का मनमोहक फुलों से श्रृंगार किया गया। जन्मोत्सव पर मिल्क केक का प्रसाद चढ़ाया गया। दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ को देखते हुए मन्दिर कमेटी ने सभी व्यवस्थाओं में सहयोग बनाये रखने का आह्वान किया।

एलओसी पर कमांडो हमलों की तैयारी में जुटी पाक सेना

जम्मू, 01 नवंबर (ब्यूरो)। खुफिया रिपोर्ट बताती है कि पाक सेना एलओसी पर बैट हमलों में तेजी ला सकती है। इसकी खातिर उसने अपने कमांडो एलओसी के पार के कई सेक्टरों में तैनात किए हैं और उनका साथ देने को 300-400 आतंकियों को भी लगा दिया है। पाक सेना के इन्हीं इरादों को ध्यान में रखते हुए भारतीय सेना ने एलअओसी पर स्थित अपनी कई सीमा चौकियो पर अपने कमांडों की तैनाती की है। यह तैनाती उन सूचनाओं के बाद की गई है जिसमें कहा गया है कि पाक सेना एलओसी पर बैट के जरिए कमांडों कार्रवाईयों को

अंजाम देना चाहती है। इसके साथ-साथ वह सीजफायर के उल्लंघन को भी बढ़ा कर घुसपैठ को तेज कर सकती है।

पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम के कथित उल्लंघन में हुई हालिया बढ़ोतरी के कारण जम्मू कश्मीर में एलओसी से सटे इलाकों में बढ़े तनाव के बीच सेना ने आज बताया कि उन्हें प्राप्त सूचना के मुताबिक, पाकिस्तान एलओसी पर और अधिक कमांडो हमले की कोशिश कर रहा है। बैट अर्थात बार्डर रेडर्स के नाम से जाने जाने वाले यह कमांडों पाकिस्तान के विशेष बलों के कर्मियों और आतंकियों का एक मिलाजुला स्वरूप है। पिछले कुछ सालों में पाक बॉर्डर रेडर्स भारत के कई सैनिकों की नृशंस हत्या कर चुका है। वैसे एलओसी पर बॉर्डर रेडर्स के हमले कोई नए नहीं हैं। इन हमलों के पीछे का मकसद हमेशा ही भारतीय सीमा चौकियों पर कब्जा जमाना रहा है। पाकिस्तानी सेना की कोशिश कोई नई नहीं है। करगिल युद्ध की समाप्ति के बाद हार से बौखलाई पाकिस्तानी सेना ने बॉर्डर रेडर्स टीम का गठन कर एलओसी पर ऐसी अनेक कमांडो कार्रवाइयां करके भारतीय सेना को जबरदस्त क्षति सहन करने को मजबूर किया है।

पिछले 22 साल में कितनी बार पाक सेना के बार्डर रेडर्स ने भारतीय सीमा चौकिओं पर हमले किए कोई आधिकारिक आंकड़ा मौजूद नहीं है। बैट के हमले ज्यादातर एलओसी के इलाकों में ही हुए थे। इंटरनेशनल बार्डर पर पाक सेना ऐसी हिम्मत नहीं दिखा पाई थी। जबकि राजौरी और पुंछ के इलाके ही बॉर्डर रेडर्स के हमलों से सबसे अधिक त्रस्त इसलिए भी रहे थे क्योंकि एलओसी से सटे इन दोनों जिलों में कई फारवर्ड पोस्टों तक पहुंच पाना दिन के उजाले में संभव इसलिए नहीं होता था क्योंकि पाक सेना की बंदूकें आग बरसाती रहती थी।

कांग्रेस ने सहकारिता राज्य मंत्री मोहोल पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल पर एक बिल्डर को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार किया है और उन्हें पद से तत्काल हटाया जाना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोढ़े पाटिल ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में श्री मोहोल पर सीधा आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने भ्रष्टाचार किया है और इस भ्रष्टाचार के उनके पास ठोस प्रमाण हैं। उनका कहना था कि केंद्रीय मंत्री के भ्रष्टाचार की जांच होनी चाहिए और जांच का काम पूरा होने तक श्री मोहोल को पद से हटाया जाना चाहिए।

श्री पाटिल ने कहा पुणे से सांसद और सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने पुणे जैन हॉस्टल के सौदे में भूमिका निभाई है। उनका ताल्लुक हीराचंद नेमीचंद दिगंबर जैन हॉस्टल के जमीन की लेन-देन से है। हमारे पास इसकी पूरी क्रोनोलॉजी है। ये सीधा भ्रष्टाचार है और सत्ता का गलत इस्तेमाल है। इस तरह से भाजपा ने अडानी तैयार किया है और अब छोटे-छोटे अडानी तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि जैन हॉस्टल के भीतर एक मंदिर है और इस मंदिर का ट्रस्ट हीराचंद जी ने बनाया था। ट्रस्ट के नियम के अनुसार उसकी जमीन को किसी भी स्थिति में बेचा नहीं जा सकता है। ट्रस्ट की जमीन का इस्तेमाल शिक्षा, छात्रों की मदद और जैन मंदिर के लिए ही किया जा सकता है। अगर पैसे की कमी है, तो जमीन पर दुकान बनाने की अनुमति है और उससे प्राप्त किराए से धन जुटाया जा सकता है लेकिन जमीन किसी भी तरह से बेची नहीं जा सकती है। कांग्रेस प्रवक्ता के अनुसार श्री मोहोल कहते हैं कि हीराचंद नेमीचंद दिगंबर जैन हॉस्टल के ट्रस्ट से वह बाहर निकल चुके हैं। लेकिन सच यह है कि श्री मोहोल को गोखले बिल्डर्स के मुनाफे की चिंता सताती रहती है। वे अपने पद पर रहते हुए इसका गलत इस्तेमाल करते हैं।

देश के संविधान ने मंदिरों को संरक्षण दिया गया है, उसके लिए कानून हैं लेकिन भाजपा को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। साफ है कि भाजपा के लोगों का सिर्फ एक एजेंडा है-अपने 'दोस्तों' के लिए काम करो, उन्हें पैसा और मुनाफा दिलाओ, अमीर बनाओ। उन्होंने कहा कि श्री मुरलीधर मोहोल पद से इस्तीफा दें और इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई एक बिल्डर चैरिटेबल ट्रस्ट, रजिस्ट्री ऑफिस, कॉर्पोरेशन और किसी कॉपरेटिव बैंक को एक साथ प्रेशर देकर अपना काम निकलवा सकता है या सहकारिता मंत्री के दबाव के बिना ऐसा हो पाना संभव है।

सऊदी अरब से हैदराबाद आ रही इंडिगो के विमान को बम से उड़ाने की धमकी, फ्लाइट मुंबई डायवर्ट

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। जेद्दा (सऊदी अरब) से शनिवार को हैदराबाद आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 68 को सुरक्षा कारणों की वजह से मुंबई डायवर्ट कर दिया गया। विमान को बम से उड़ाने की धमकी के बाद ये कदम उठाया गया। यह फ्लाइट निर्धारित समय पर जेद्दा से रवाना हुई थी, लेकिन बीच सफर में सुरक्षा एजेंसियों को संभावित खतरे की जानकारी मिली, जिसके बाद विमान को तत्काल मुंबई हवाई अड्डे पर उतारने का फैसला किया गया। इस दौरान विमान के सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मुंबई एयरपोर्ट पर फ्लाइट के सुरक्षित लैंड करने के बाद तुरंत सुरक्षा एजेंसियों और संबंधित प्राधिकरणों को सूचित किया गया। अधिकारियों ने तय प्रोटोकॉल के तहत विमान की पूरी जांच की।

यात्रियों के सामान और विमान के हर हिस्से को बारीकी से खंगाला गया ताकि किसी भी तरह का जोखिम न रहे। इंडिगो ने जांच में पूरी तरह सहयोग किया और सभी जरूरी प्रक्रियाओं को गंभीरता से पूरा किया गया। इंडिगो प्रवक्ता ने इस घटना पर बयान जारी करते हुए कहा कि जेद्दा से हैदराबाद आ रही हमारी फ्लाइट 6ई 68 को खतरे की सूचना मिलने पर मुंबई की ओर डायवर्ट किया गया। हमने तुरंत सभी संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी और उनके साथ पूरी तरह सहयोग किया। यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए हमने उन्हें नियमित अपडेट्स दिए और रिफ्रेशमेंट्स की व्यवस्था की। यात्रियों, क्रू और विमान की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सूत्रों के अनुसार, शनिवार सुबह हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों को बम की धमकी वाला ईमेल मिला। ईमेल में खुद को 'लिट्टे-आईएसआईएस का सदस्य' बताने वाले व्यक्ति ने इंडिगो के विमान को बम से उड़ाने की धमकी दी।

संदेश में 1984 में चेन्नई हवाई अड्डे पर हुए बम विस्फोट जैसी वारदात दोहराने की चेतावनी दी गई थी। इसके बाद हवाई अड्डे पर सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया और इंडिगो के विमान को डायवर्ट कर दिया गया। अधिकारी पूरे मामले की जांच में जुटे हैं।

आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल देशों ने भारत की जमकर की सराहना

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 31 अक्टूबर को मलेशिया के कुआलालंपुर में दूसरी भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक के दौरान आसियान के रक्षा मंत्रियों के साथ मुलाकात की। बैठक के दौरान, मंत्रियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और क्षेत्रीय स्तर पर नई दिल्ली के साथ रक्षा सहयोग को गहरा करने की मांग की।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की दूसरी अनौपचारिक बैठक, आसियान के साथ भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी, विशेष रूप से 2026-2030 के लिए आसियान-भारत कार्य योजना के रक्षा और सुरक्षा घटकों को आगे बढ़ाने का एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करती है। रक्षा मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं पर आसियान-भारत पहल और आसियान-भारत रक्षा थिंक-टैंक संपर्क नाम के दो दूरदर्शी पहलों की घोषणा की।

मलेशियाई रक्षा मंत्री ने, एडीएमएम अध्यक्ष के रूप में, राजनाथ सिंह का स्वागत किया और भारत को एक महाशक्ति बताया। उन्होंने कहा कि एक समुदाय के रूप में, आसियान को साइबर और डिजिटल रक्षा के साथ-साथ रक्षा उद्योग एवं नवाचार के क्षेत्र में भारत के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने से लाभ होगा।

इसके साथ ही उन्होंने आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग और तकनीकी अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने की भारत की क्षमता की सराहना की, जिससे आसियान सदस्य देशों को लाभ हो सकता है।

वहीं, फिलीपींस के रक्षा मंत्री ने एक महाशक्ति होने के नाते अंतर्राष्ट्रीय कानून और बहुपक्षवाद के प्रति भारत के सम्मान की प्रशंसा की। समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के प्रति निष्ठा प्रदर्शित करके, भारत ने क्षेत्र के अन्य देशों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पहले प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में भारत की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने आगामी भारत-आसियान समुद्री अभ्यास के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया और फिलीपींस के आर्थिक क्षेत्र में आगामी संयुक्त सहकारी गतिविधि पर प्रकाश डाला।

ऐसे ही कंबोडिया के रक्षा मंत्री ने भी भारत के उदय की सराहना की और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों, एचएमए, और सैन्य चिकित्सा में प्रशिक्षण में इसके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

बुंदेलों ने काली पट्टी बांधकर काला दिवस मनाया

खून से खत लिखकर मांगा अलग बुंदेलखंड राज्य

महोबा, 01 नवंबर (एजेंसियां)। बुंदेलखंड विभाजन दिवस पर बुंदेलों ने खून से खत लिखकर अलग बुंदेलखंड राज्य की मांग की। बुंदेलों ने काली पट्टी बांधकर काला दिवस मनाया। शहर के अंबेडकर पार्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 49वीं बार खून से खत लिखकर बुंदेलों ने अलग बुंदेलखंड राज्य की मांग की। बुंदेली समाज के संयोजक ताराचंद पाटकर ने कहा कि अलग राज्य के बिना बुंदेलखंड का विकास संभव नहीं है।

बुंदेली समाज के संयोजक ताराचंद पाटकर ने कहा कि एक नवंबर की तारीख बुंदेलखंड के इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन है। आज के दिन ही तत्कालीन नेहरू सरकार ने 1956 में मध्य प्रदेश का गठन करते वक्त बुंदेलखंड के दो टुकड़े कर दिए और उसे भारत के नक्शे से मिटा दिया। आधा हिस्सा मध्यप्रदेश में और आधा हिस्सा उत्तर प्रदेश में शामिल कर दिया। कहा कि नेहरू सरकार में की गई इस ऐतिहासिक भूल को सुधारकर बुंदेलखंड राज्य बनाया जाए। बुंदेली समाज के महामंत्री डॉ. अजय बरसैंया ने बताया कि करीब 20 से अधिक लोगों ने खून से प्रधानमंत्री को 51 खत लिखकर अलग बुंदेलखंड राज्य की मांग की है। इस मौके पर दिलीप जैन, कैप्टन मोहन सिंह, गया प्रसाद, अमरचंद विश्वकर्मा, हरीओम निषाद, दीपू, सुधीर दुबे, विपिन, डॉ.. देवेंद्र, अन्नू पुरवार, मनीष जैदका आदि मौजूद थे।

ईपीएफओ देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, 01 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के 73वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि ईपीएफओ ने देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं आज ईपीएफओ के 73वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। पीएम मोदी के नेतृत्व में ईपीएफओ ने देश में सामाजिक सुरक्षा का दायरा महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है। कार्यक्रम में मैंने कहा कि सदस्यों की संतुष्टि ही ईपीएफओ की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए ईपीएफओ की देश के वर्कफोर्स की सामाजिक और वित्तीय कल्याण सुनिश्चित करने में ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की। उन्होंने संगठन से आग्रह किया कि वह नए उद्देश्य

और दूरदर्शिता के साथ नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण पर ध्यान दें।

उन्होंने कहा, ईपीएफओ केवल एक कोष नहीं है। यह सामाजिक सुरक्षा में देश के वर्कफोर्स के भरोसे का प्रतिनिधित्व करता है। इस स्थापना दिवस के अवसर पर यह सभी अधिकारियों को नई प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान करेगा और आने वाले वर्षों के लिए एक विजन तैयार करने के लिए प्रेरित करेगा। यह विजन ईपीएफओ की संकल्प से सिद्धि की यात्रा का मार्गदर्शन करेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ईपीएफओ को सेवा वितरण में निष्पक्षता, गति और संवेद-नशीलता सुनिश्चित करके नागरिकों का विश्वास मजबूत करना जारी रखना चाहिए। उन्होंने विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ते हुए सामाजिक सुरक्षा में वैश्विक मानक स्थापिक करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कर्मचारी नामांकन योजना 2025 भी लॉन्च की। 1 नवंबर 2025 से लागू होने वाली इस योजना का उद्देश्य नियोक्ताओं को पात्र कर्मचारियों की स्वेच्छा से घोषणा और नामांकन के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस कार्यक्रम में मौजूद श्रम एवं रोजगार सचिव वंदना गुरनानी ने ईपीएफओ के एक अनुपालन-आधारित निकाय से एक नागरिक-केंद्रित संस्था के रूप में विकसित होने की सराहना की।

उन्होंने कहा, हर फाइल के पीछे एक समर्पित कर्मचारी, एक परिवार और एक सपना छिपा होता है। प्रत्येक कर्मचारी के साथ पूर्ण सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए, क्योंकि सामाजिक सुरक्षा केवल व्यवस्थाओं से संबंधित नहीं है, बल्कि लोगों से भी जुडी. है।

दुर्गापुर रेप में पुलिस ने दाखिल की 861 पन्नों की चार्जशीट

नसीरुद्दीन-फिरदौस-वासिफ-अपू ने किया था बलात्कार

दुर्गापुर, 01 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा से किए गए सामूहिक बलात्कार के मामले में पुलिस ने नसीरुद्दीन शेख और 4 अन्य के खिलाफ दुर्गापुर उप जिला अदालत में 861 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट में कुल छह आरोपियों के नाम हैं, जिनमें पीड़िता का दोस्त और कॉलेज का छात्र वासिफ अली भी शामिल है।

छात्रा के दोस्त वासिफ पर रेप का आरोप है जबकि तीन स्थानीय लोगों नसीरुद्दीन शेख, फिरदौस शेख और अपू बाउरी पर गैंगरेप, डकैती और वसूली का मामला सामने आया है। दो अन्य स्थानीय निवासी, रियाजुद्दीन शेख और शफीक शेख पर छेड़छाड़, डकैती और वसूली के आरोप हैं। रियाजुद्दीन और शफीक शेख को सबसे पहले गिरफ्तार किया गया था और उन्होंने मजिस्ट्रेट के सामने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने बताया कि त्वरित जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की गई है। कोर्ट ने मामले में स्पीडी ट्रायल (त्वरित सुनवाई) का आदेश दिया है।

पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में 10 अक्टूबर 2025 की रात एक निजी मेडिकल कॉलेज की सेकंड ईयर की एमबीबीएस छात्रा से गैंगरेप की घटना सामने आई। पीड़िता ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और शोपापुर के पास स्थित आईक्यू सिटी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में पढ़ाई कर रही थी।

घटना वाली रात करीब 8:30 बजे वह अपने दोस्त वासिफ अली के साथ कॉलेज कैंपस से बाहर घूमने निकली थी। दोनों मोहन बागान एवेन्यू के सुनसान इलाके में टहल रहे थे, जो दुर्गापुर गवर्नमेंट कॉलेज के पास पड़ता है। इसी दौरान आरोपियों ने छात्रा का अपहरण कर उसे कॉलेज के पीछे जंगल वाले इलाके में ले जाकर बारी-बारी दुष्कर्म किया। जब यह घटना हुई, तब वासिफ अली वहां से भाग गया और बाद में वापस लौटा।

11 अक्टूबर 2025 को पीड़िता के पिता के दुर्गापुर पहुंचने के बाद एफआईआर दर्ज की गई। यह घटना सामने आते ही पूरे राज्य में भारी आक्रोश फैल गया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर महिला सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे, लेकिन इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटना की निंदा करने के बजाय कहा कि लड़कियों को अपनी सुरक्षा के लिए रात में कॉलेज कैंपस से बाहर नहीं जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद राज्य में और भी विरोध तेज हो गया। पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल में महिलाओं के साथ यौन हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिससे कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर बिवास चट्टोपाध्याय ने बताया कि पुलिस ने जांच पूरी कर ली है और अब दो महीने के भीतर मुकदमे की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है।

दुनिया की बड़ी ताकत होने का एहसास करा रहा भारत : योगी

गोरखपुर, 01 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट के दौर से गुजरने वाला भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में एहसास करा रहा है। यह बदलाव लीडरशिप (नेतृत्व) की कार्यपद्धति से आया है। समर्थ और प्रभावी नेतृत्व वही होता है जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता हो। विगत 11 वर्षों से देश में ऐसी ही लीडरशिप देखने को मिल रही है।

सीएम योगी शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में सैमसंग इनोवेशन कैंपस द्वारा आयोजित प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और अन्य प्रौद्योगिकी संस्थानों के करीब 1300 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के पहले का भारत पहचान के संकट के दौर से गुजर रहा था। भ्रष्टाचार व्यवस्था पर हावी था। वैश्विक स्तर पर देश का सम्मान समाप्त हो रहा था। युवा पहचान को मोहताज हो रहे थे। पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में विकास और जनहित के अनेक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत पहचान स्थापित करने में सफलता मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा पीएम स्टार्टअप, पीएम स्टैंडअप, डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने भारत को न केवल नई पहचान दी है बल्कि देश को दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनाने में भी भरपूर योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं हुआ बल्कि इसके लिए सरकार के स्तर पर अनेक प्रयास किए गए।

सीएम योगी अपने संबोधन में विद्यार्थियों के समक्ष एक अभिभावक और शिक्षक की भूमिका में नजर आए। उन्होंने कहा कि व्यवस्था या सिस्टम को कोसना हममें से अधिकतर लोगों की आदत बन गई है। ऐसे लोगों को हर कार्य में सिर्फ सरकार दोषी लगती है। ऐसे लोग किसी समस्या पर अपनी खामी दूर करने के बजाय सिर्फ दूसरों की खामियों को निकालने में लगे रहते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि समस्या असाध्य हो जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान का मार्ग ही सफलता दिलाता है। सफलता प्राप्त करने के दो ही मार्ग हैं, एक, समाधान के लिए पहल या फिर उससे पलायन। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए समस्या के समाधान पर चर्चा करनी होगी। कोसने से समस्या का समाधान नहीं हो पाएगा बल्कि हम पलायन कर जाएंगे।

1300 छात्रों को दिया गया सैमसंग इनोवेशन ट्रेनिंग का प्रमाणपत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सैमसंग इनोवेशन कैंपस को स्वावलंबन मार्ग के लिए एक प्लेटफार्म के रूप में इंगित किया। उन्होंने कहा कि इससे जुड़कर युवा अपना स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं। इसके लिए सरकार बड़े पैमाने पर सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं के स्वावलंबन के लिए यूपी सरकार ने 1000 करोड रुपये का फंड बनाया है। उन्होंने युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उद्योग और संस्थानों को मिलकर काम करने और उद्योगों में युवाओं को इंटर्नशिप का अवसर देने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यवहारिक ज्ञान होना अपरिहार्य है, क्योंकि ज्ञान का व्यावहारिक स्वरूप ही जीवन के उपयोग में आने वाला है। मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान किया कि वह इमर्जिंग टेक्नोलॉजी से खुद को जोड़ें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसे दौर में जब दुनिया में बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है, भारत सर्वाधिक युवाओं वाला देश है। भारत में भी सबसे बड़ी युवा शक्ति उत्तर प्रदेश में है। यूपी में 50 से 60 फीसदी वर्किंग फोर्स युवाओं की है। यह युवा अपटूडेट प्रशिक्षण से जुड़कर खुद को स्वावलंबी बना सकते हैं, अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को तकनीकी से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार ने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत 2 करोड़ युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन उपलब्ध कराने के कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया है।

सीएम योगी ने कहा कि दुनिया की बड़ी इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग कंपनी सैमसंग ने यूपी को अपने निर्माण के ब्रांड एंबेसडर के रूप में चुना है। नोएडा में सैमसंग में अपना सबसे बड़ा प्लांट लगाया हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक मोबाइल फोन और इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाला देश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में बनने वाले मोबाइल फोन में 55 फीसद की हिस्सेदारी अकेले यूपी की है। देश में बनने वाला 60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी उत्तर प्रदेश में ही बनता है। यहां युवाओं के लिए व्यापक अवसर है।

मुख्यमंत्री ने सैमसंग इनोवेशन कैंपस के माध्यम से देश में कुल 10000 युवाओं को प्रशिक्षित करने, उसमें से भी 5000 प्रदेश के युवाओं और 2000 गोरखपुर तथा आसपास के युवाओं को शामिल करने के लिए सैमसंग के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त चार युवाओं ने प्रशिक्षण से जुड़ा अपना अनुभव मुख्यमंत्री के समक्ष साझा किया। इस अवसर पर सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में हो रहे विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश वैश्विक नवाचार का अब बन रहा है। इसे देखते हुए सैमसंग ने अपना वर्ल्ड क्लास मैन्युफैक्चरिंग प्लांट यूपी में लगाया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए सैमसंग इनोवेशन कैंपस के जरिए इस साल प्रदेश के 5000 युवाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। श्री पार्क ने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा सकारात्मक परिवर्तन कर्ता बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैमसंग, उत्तर प्रदेश में युवाओं और समुदाय के लिए अपना निवेश जारी रखेगा।

देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा

भगवान राम और महात्मा बुद्ध के आदर्शों से ही बढ़ेगा देश

कौशांबी, 01 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि भगवान राम और महात्मा बुद्ध के आदर्शों पर चलकर ही देश और समाज आगे बढ़ सकता है। कौशाम्बी महात्मा बुद्ध की धरती है। पूरी दुनिया में विजय हासिल करने के बाद सम्राट अशोक ने युद्ध नहीं बुद्ध का मार्ग अपनाया था। जस्टिस गवई शनिवार को कौशाम्बी के आलमचंद में महेश्वरी प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के वार्षिकोत्सव समारोह में बतौर अतिथि संबोधित कर रहे थे।

सीजेआई गवई ने कहा कि कौशाम्बी की धरती महात्मा बुद्ध के कार्य के लिए पूरे विश्व में जानी जाती है। महात्मा बुद्ध ने पूरी दुनिया में सत्य और अहिंसा का संदेश दिया। कहा कि आदमी कितनी भी बड़ा हो जाए उसे अपनी संस्कृति और परंपरा को नहीं छोड़ना चाहिए। अपनी धरती से जुड़े रहना चाहिए। कहा कि उन्हें यहां आने के लिए कई साल पहले भी मौका मिला था लेकिन उन्होंने कहा था कि सीजेआई बनने के बाद ही यहां आऊंगा। आज संकल्प पूरा हो गया है।

जस्टिस गवई ने कहा कि वकालत के पेशे में अच्छी कमाई कर सकते थे, लेकिन सामाजिक और आर्थिक न्याय देने के लिए जज बनने का मौका मिला वह करोड़ों और अरबों से रुपए से ज्यादा महत्व रखता है। आज लोगों को न्याय देकर जो खुशी मिल रही है वह अमूल्य है। बच्चों से कहा कि आप ही देश के भविष्य हैं। कल का भारत कैसा रहेगा यह आपकी शिक्षा और संस्कार के ऊपर निर्भर करता है।

अच्छी शिक्षा ग्रहण करेंगे तो देश को आगे ले जाएंगे। विविधता में एकता भारत देश का मूल मंत्र है। बच्चों ने भी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की एकता और अखंडता के लिए प्रेरित किया जो कि काफी सराहनीय रहा। अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत में बच्चों के भाषण ने काफी प्रभावित किया।

सीजेआई ने कहा कि धरती माता के बारे ने लघु नाटिका के माध्यम से पर्यावरण का जो संदेश बच्चों ने दिया है उससे हम सबको सीख लेनी चाहिए। कहा कि विद्यालय की इमारत कितनी भी अच्छी हो यह मायने नहीं रखता है। विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता क्या है और यहां कैसी शिक्षा दी जा रही है यह विशेष महत्व रखता है। कहा कि कुछ ही दिन में सेवानिवृत्त होने वाला हूं। रिटायरमेंट के पहले यहां पहुंच गया बहुत अच्छा लगा। इसके लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जस्टिस विक्रम नाथ, इलाहाबाद विवि की कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव समेत अन्य लोगों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर इलाहाबाद हाईकोर्ट से मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली समेत तमाम न्यायाधीश और न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा सांसद रवि किशन को दी गई जान से मारने की धमकी

बिहार में होने वाली हार से बौखला गए हैं लोग: सांसद

गोरखपुर, 01 नवंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर के भाजपा सांसद एवं प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रवि किशन को जान से मारने की धमकी दी गई है। इस पर रवि किशन ने कहा, इस धमकी से साफ पता चलता है कि सनातन विरोधी ताकतें कितनी सक्रिय हो गई हैं। इसके पीछे जरूर कोई बड़ा हाथ होगा, हमने एफआईआर दर्ज करा दी है। मैं देख रहा हूं कि बिहार चुनाव प्रचार के बाद विपक्षी दल को अंदाजा हो गया है कि उनकी बहुत बुरी हार होने वाली है। इसी से बौखलाकर ऐसे धमकी भरे फोन आ रहे हैं कि अगर हम बिहार में उतरेंगे तो हमें मार दिया जाएगा। मैं अपनी जिंदगी में मस्त था, परिवार के साथ प्रसन्न था। कुछ सोचकर ही राजनीति में आया हूं।

रवि किशन ने कहा, राजनीति में राष्ट्र सर्वोपरि को छाती पर लगाकर आया हूं तो ऐसे कमजोर तो नहीं हूं कि इन धमकियों से डरकर या मारने या गोली चला भी देंगे तो हम रुक जाएंगे, मेरे जैसे अनगिनत रवि किशन हैं, जो जाग चुके हैं इस देश में। उन्होंने कहा, 2014 के बाद पूरी युवा पीढ़ी जाग चुकी है। जितने विरोधी हैं सभी को बता देना चाहता हूं कि एक रवि किशन को शांत करना चाह रहे हैं, ऐसा पॉसिबल नहीं है। ये आवाज देश के लिए उठी, सनातन के लिए उठी, विकास के लिए उठी। इसी से बौखलाकर ऐसे धमकी भरे फ़ोन आ रहे हैं कि अगर हम बिहार में उतरेंगे तो हमें मार दिया जाएगा। हमारी आवाज़ दबाई नहीं जा सकती, हम प्रधानमंत्री मोदी की सेना हैं।

सदर सांसद रवि किशन शुक्ला को जान से मारने की धमकी दीने वाला अजय कुमार यादव खुद को अभिनेता-नेता खेसारी लाल यादव का समर्थक बताता है। वह बिहार के आरा जिले के जवनिया गांव का रहने वाला है। आरोप है कि उसने सांसद के निजी सचिव शिवम द्विवेदी को कॉल कर धमकी दी है। शिवम की तहरीर पर रामगढ़ताल थाने में केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले को लेकर शिवम और पवन दूबे ने शुक्रवार को एसएसपी राजकरन नय्यर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि आरोपी अजय कुमार यादव ने कॉल पर न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया बल्कि धमकी दी कि रवि किशन एक जाति विशेष पर टिप्पणी करते हैं। इसलिए वह उन्हें गोली मार देगा। शिवम द्विवेदी का कहना है कि जब उन्होंने यह कहा कि सांसद ने कभी भी किसी जाति विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की है तो आरोपी, सांसद और उन्हें गालियां देने लगा। उसने कहा कि उसे सांसद की हर गतिविधि की जानकारी है, जब वह चार दिन बाद बिहार आएंगे तो उन्हें जान से मार देगा। आरोप है कि बातचीत के दौरान युवक ने धर्म विशेष पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की। उसने भोजपुरी कलाकार व छपरा से आरजेडी उम्मीदवार खेसारी लाल यादव के राम मंदिर की जगह अस्पताल बनाने वाले बयान का समर्थन किया। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने कहा कि पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। रामगढ़ताल थाने में तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। जिस मोबाइल नंबर से कॉल आई थी, उसको ट्रेस किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया गोरखपुर पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ

मोबाइल फोन की जगह अच्छी पुस्तकों में समय दें : योगी

गोरखपुर, 01 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। यह पुस्तक मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने बच्चों को पुस्तकें वितरित कीं और स्कूली विद्यार्थियों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति की सबसे सही मार्गदर्शक और सच्ची साथी अच्छी पुस्तकें होती हैं। उन्होंने भारत की श्रवण परंपरा और गुरु-शिष्य परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की अद्भुत परंपरा विकसित की।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक महोत्सव आने वाले 9 दिनों तक 200 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी रुचि की पुस्तकें खरीदने का शानदार अवसर प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी हमेशा कहते हैं 'वेन सिटिजन, कंट्री लीड' यानी जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर की भूमि इसलिए भी विशेष है क्योंकि पिछले 100 वर्षों से गीता प्रेस भारत और विश्व में सनातन धर्म की विचारधारा को अपनी पुस्तकों के माध्यम से पहुंचा रहा है। उन्होंने साहित्यकार फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद, प्रो. विश्वनाथ त्रिपाठी जैसे लेखकों का स्मरण किया और हाल ही में दिवंगत साहित्यकार श्री राम दरश मिश्र को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तकें हमेशा नई प्रेरणा देती हैं। हमें उनसे जुड़ना चाहिए। अगले 9 दिनों में यहां अनेक विमर्श, परिचर्चा, पुस्तकों के विमोचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ शहर की सभी संस्थाओं को इसमें भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्यभर में पुस्तकालयों का जाल बिछा रही है। प्रदेश की 57,600 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। 1.56 लाख से अधिक प्राथमिक विद्यालयों में से 1.36 लाख विद्यालयों का कायाकल्प किया गया है, जिनमें पुस्तकालय और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो सके।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर अनावश्यक समय व्यर्थ न करें और अपने समय का सदुपयोग पुस्तकों के अध्ययन में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक एग्जाम वॉरियर्स छात्रों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शक है। इसे हर विद्यार्थी को पढ़ना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छी पुस्तकें न केवल परीक्षा में मदद करती हैं बल्कि जीवन के कठिन समय में भी मार्गदर्शन देती हैं। धार्मिक, पर्यावरणीय, तकनीकी और एआई से जुड़ी पुस्तकों से हमें ज्ञान और प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हम सभी को स्मार्टफोन पर खर्च घटाकर पुस्तकों में निवेश करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी है, यह शुभ अवसर भगवान विष्णु की कृपा का प्रतीक है। इसी पावन दिन पर पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ हुआ है, यह पूरे प्रदेश के लिए शुभ संकेत है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आंगनबाड़ी दीदियों को सम्मानित किया। इसमें निशा, चिंता, प्रेमलता, पुष्पा, बिंद्रावती को मुख्यमंत्री ने पुस्तकें भेंटकर सम्मानित किया। वहीं एनबीटी और डीडीयू की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को सम्मानित किया गया। इसमें श्रीजा शरण, अभय वर्मा, रश्मिका दुबे, आदेश कुंवर सिंह, दिव्या विश्वकर्मा, शिवम कुमार गुप्ता, तोषिका चौहान, शिवांगी पांडेय, निलय कुमार, अभिषेक सिंह, देवानंद गुप्ता और आयुष किशोर को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद रवि किशन शुक्ला, विधायकगण विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ला, श्रीराम चौहान, श्रवण निषाद, विमलेश पासवान, महिला आयोग उपाध्यक्ष चारू चौधरी, डीडीयू की कुलपति प्रो पूनम टंडन, अवनीश अवस्थी, एनबीटी के चेयरमैन मिलंद सुधारक मराठे, युवराज मलिक, आचार्य पवन त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

जिज्ञासा

विश्व की सबसे छोटी इलेक्ट्रिक मोटर

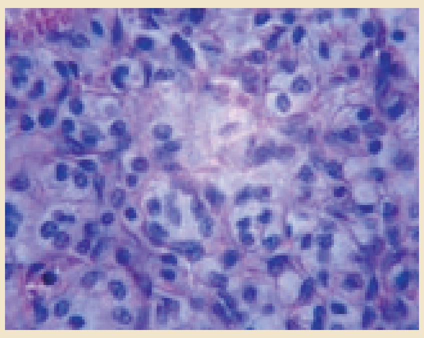

टफ्ट्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विश्व की सबसे छोटी इलेक्ट्रिक मोटर तैयार की है, जिसका आकार अणु के बराबर है।

छोटे आकार की मोटर के विकास से वैज्ञानिकों को मेडिसीन से इंजीनियरिंग तक के क्षेत्रों में नए स्तर पर उपकरण तैयार करने में मदद मिलेगी।

विश्व की सबसे छोटे आकार की इलेक्ट्रिक मोटर एक नैनोमीटर से भी कम है, जबकि मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 200 नैनोमीटर की मोटर के नाम है।

टफ्ट्स विश्वविद्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इस मोटर के छोटे आकार का इसी बात के अनुमान लगाया जा सकता है कि मनुष्य के एक बाल की चौड़ाई 60,000 नैनोमीटर के बराबर होती है।

टफ्ट्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ता चार्ल्स एच.स्काइस की टीम इस मोटर को एक 'लो टेम्प्रेचर स्कैनिंग टनेलिंग माइक्रोस्कोप' (एलटी-एसटीएम) के माध्यम से नियंत्रित करते हैं। एलटी-एसटीएम जैसे उपकरण अमेरिका में 100 के बराबर ही हैं।

दो सूर्य वाले ग्रह की खोज

खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसे ग्रह के खोजने का दावा किया है जो दो सूर्य की परिक्रमा करता है। यह ठीक उसी तरह का है जैसा फिल्म स्टार वार्स में काल्पनिक ग्रह टैटूइन को दिखाया गया है।

नासा के केप्लर अंतरिक्षयान से पता लगाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय दल ने कहा कि यह केप्लर-16बी ग्रह पृथ्वी से करीब 200 प्रकाश वर्ष दूर है और संभवत: जमे हुए पत्थर और गैस का बना हुआ है और इसका आकार शनि ग्रह के बराबर है।

यह दो तारों की परिक्रमा कर रहा है और ये तारे भी एक दूसरे की परिक्रमा कर रहे हैं। इनमें से एक का आकार हमारे सूर्य का तिहाई है, जबकि दूसरा सूर्य के पांचवें हिस्से के बराबर है। प्रत्येक तारे को एक चक्र पूरा करने में 229 दिन का समय लगता है और प्रत्येक तीन हफ्ते पर एक दूसरे के पर ग्रहण उत्पन्न करते हैं।

इस दल के सदस्य और वाशिंगटन डीसी के कारनेजी इंस्ट्यिूशन फोर साइंस में अनुसंधानकर्ता अलान बोस के हवाले से मीडिया में कहा गया है दोनों तारों के एक दूसरे के अत्यंत निकट होने की वजह से कभी भी लगातार सूर्य का प्रकाश प्राप्त नहीं होता है।

मीडिया के मुताबिक, वे दोनों प्रत्येक 20.5 दिन में एक दूसरे के निकट ग्रहण के तौर आते हैं और उसके बाद अलग हो जाते हैं। अलगाव में बढ़ोतरी होने से वे अलग-अलग अवधियों में डूबते हैं। दल ने केप्लर अंतरिक्ष यान द्वारा संग्रहित आंकड़ों में असमान्य सिंग्नलों को देखकर इस ग्रह की खोज की।

लोभी दरजी

(बाल-कहानी)

एक था दरजा, एक था दरजिन। दोनों लोभी थे। उनके घर कोई मेहमान आता, तो उन्हें लगता कि कोई आफत आ गई। एक बार उनके घर दो मेहमान आए। दरजी के मन में फिकर पैदा हो गई। उसने सोचा कि ऐसी कोई तरकीब चाहिए कि ये मेहमान यहां से चले जायें।

दरजी ने घर के अन्दर जाकर दरजिन से कहा, 'सुनो, जब मैं तुमको गालियां दूं, तो जवाब में तुम भी मुझे गालियां देना। और जब मैं अपना गज लेकर तुम्हें मारने दौडू़ तो तुम आटे वाली मटकी लेकर घर के बाहर निकल जाना। मैं तुम्हारे पीछे-पीछे दौडूंगा। मेहमान समझ जायेंगे कि इस घर में झगड़ा है, और वे वापस चले जायंगे।'

दरजिन बोली, 'अच्छी बात है।'

कुछ देर के बाद दरजी दुकान में बैठा-बैठा दरजिन को गालियां देने लगा। जवाब में दरजिन ने भी गालियां दीं। दरजी गज लेकर दौड़ा। दरजिन ने आटे वाली मटकी उठाई और भाग खड़ी हुई।

मेहमान सोचने लगे, 'लगता है यह दरजी लोभी है। यह हमको खिलाना नहीं चाहता, इसलिए यह सारा नाटक कर रहा है। लेकिन हम इसे छोड़ेंगे नहीं। चलो, हम पहली मंजिल पर चलें और वहां जाकर-सो जाएं। मेहमान ऊपर जाकर सो गए। यह मानकर कि मेहमान चले गए होंगे, कुछ देर के बाद दरजी और दरजिन दोनों घर लौटे। मेहमानों को घर में न देखकर दरजी बहुत खुश हुआ और बोला, 'अच्छा हुआ बला टली।'

फिर दरजी और दरजिन दोनों एक-दूसरे की तारीफ करने लगे।

दरजी बोला, 'मैं कितना होशियार हूं कि गज लेकर दौड़ा!'

दरजिन बोली, 'मैं कितनी फुरतीली हूं कि मटकी लेकर भागी।'

मेहमानों ने बात सुनी, तो वे ऊपर से ही बोले, 'और हम कितने चतुर हैं कि ऊपर आराम से सोए हैं।'

सुनकर दरजी-दरजिन दोनों खिसिया गए। उन्होंने मेहमानों को नीचे बुला लिया और अच्छी तरह खिला-पिलाकर बिदा किया।

मिल गयी दूसरी पृथ्वी?

यूरोपीय खगोलविदों ने एक अमेरिकी सम्मेलन में, हमारी सौर प्रणाली के बाहर 50 अन्य ग्रहों की खोज की घोषणा की है। इन ग्रहों में सर्वाधिक दिलचस्प वह ग्रह है, जिसे खगोलविदों ने रहने योग्य क्षेत्र या गोल्डीलॉक्स जोन बताया है।

अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि यह ग्रह न तो बहुत गर्म है और न ही इतना अधिक ठण्डा है कि वहाँ पानी मौजूद न रहे। किसी भी ग्रह मे पानी की मौजूदगी का मतलब है उस ग्रह पर पृथ्वी की तरह जीवन के लिए अनकूलता। पहले ऐसे गोल्डीलॉक्स ग्रहों की खोज में केवल एक ही ग्रह का पता चला था। यह खोज 2007 में हुई थी।

नए ग्रह के साथ एक तारामंडल का भी पता चला है। नए ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान की तुलना में 3.6 गुना अधिक है। इस ग्रह में अत्यधिक आर्द्रता के साथ तापमान 85 से 120 डिग्री (30 से 50 डिग्री सेल्सियस) हो सकता है। इस अध्ययन से जुड़ी, जर्मनी के मैक ?स प्लैंक इंस्टीटयूट की खगोलविद लीजा कैटनेजर ने कहा है कि यहां बहुत उमस होगी। हम यह नहीं कह रहे हैं कि यह आपके और मेरे रहने योग्य है, लेकिन हो सकता है कि यहाँ जीवन शायद छोटा हो या अन्य ग्रहों के प्राणी यहाँ हों। ये प्राणी शायद मानव की तुलना में भूमि के अधिक करीब हों क्योंकि पृथ्वी जैसे इस विशाल गृह में गुरूत्व हमारे ग्रह के गुरूत्व की तुलना में 1.4 गुना अधिक है।

खगोलविद मान रहे हैं कि यह ग्रह रहने योग्य है। इसका कम से कम 60 फीसदी भाग बादलों से ढ़का है। पृथ्वी का करीब 50 फीसदी भाग बादलों से ढ़का है। इसलिए 60 फीसदी असामान्य नहीं है। नए ग्रह का नाम एचडी-85512बी रखा गया है। यह उस तारे के वलयों के समीप है, जिसकी दूरी पृथ्वी में मौजूद तारामण्डल वेला से 35 प्रकाश वर्ष है। एक प्रकाश वर्ष का मतलब प्रकाश द्वारा एक वर्ष में चली गयी कुल दूरी होती है। यह लगभग 5.8 खरब मील होता है।

इस ग्रह में एक वर्ष में 60 दिन होते हैं। जीवन के लिए यह ग्रह अत्यधिक गर्म नहीं है और इसका कारण यह है कि इसका सूर्य हमारे सूर्य की तुलना में करीब 1800 डिग्री ठण्डा है। इन नए ग्रहों की खोज यूरोपियन सदर्न आब्जर्वेटरी से की गयी, जो चिली में है। इस खोज ने बृहस्पति जैसे ग्रहों की तुलना में पृथ्वी से अधिक मिलते-जुलते द्रव्यमान वाले ग्रहों की संख्या दोगुनी कर दी है।

नानी पड़ी हाथी पर भारी

लोक कथाए

एक घने जंगल में नदी किनारे छोटा-सा खरगोश रहता था। उस नदी का पानी मीठा व ताजा था। बहुत दिनों तक वर्षा न होने के कारण नदी-नाले सूखने लगे लेकिन वो नदी नहीं सूखी उस नदी में अभी बहुत जल था। घूमते-घूमते एक हाथी वहां आ पहुंचा। पानी देखते ही हाथी ने छलांग लगा दी और जी-भरकर स्नान किया और खरगोश से बोला-'देखो जी, यह नदी मेरी है।

यहां मैं और मेरा परिवार ही पानी पी सकते हैं। हाथी ने खरगोश को उस नदी की रखवाली के लिए नियुक्त किया। खरगोश इतने बड़े हाथी को देखकर पहले घबराया फिर विनय से बोला-'हाथी दादा, मेरी भी एक शर्त है?' 'वह क्या? हाथी ने मस्ती में पूछा।' 'मेरे भोजन का इंतजाम आप करेंगे, क्योंकि मैं तो पानी की रखवाली करूंगा।' हाथी खुशी-खुशी मान गया। अगले दिन हाथी परिवार के साथ वहां आ पहुंचा। वह खरगोश के लिए बहुत-सी गाजरें व हरी घास लाया था। बुद्धू हाथी इतना भी नहीं जानता था कि छोटा-सा खरगोश इतना सारा भोजन कैसे खा सकता है?

खैर, खरगोश भी कम चालाक न था। उसने सारा सामान भविष्य के लिए संभाल लिया। हाथी और उसके बच्चों ने खूब हुड़दंग मचाया और चले गए। शाम को कई छोटे-छोटे जीव पानी पीने आए किंतु खरगोश ने हाथी का डर दिखाकर उन्हें भगा दिया।

इसी तरह कई दिन तक वह भोजन इकट्ठा करता रहा और हाथी के पानी की रखवाली करता रहा। बेचारे छोटे-छोटे पशु-पक्षी प्यास से तड़पने लगे। एक दिन खरगोश की नानी आ पहुंची। वह प्यास के मारे बेदम थी। बहुत-सा पानी पीकर बोली, 'रास्ते में एक नदी पर पानी पीने रुकी तो एक बंदर ने रोक लिया और बोला कि यह ऊंट की नदी है। यहां तुम पानी नहीं पी सकतीं।'

खरगोश ने सुना तो उसने बंदर को खूब भला-बूरा कहा। नानी जानती थी कि उसका खरगोश भी हाथी की नदी की रखवाली करता है, जिसके कारण पशु-पक्षी परेशान हैं. वह खरगोश से बोली, 'जानते हो बेटा, यदि मुझे थोड़ा पानी न मिलता तो मैं मर जाती।' 'नहीं नानी, ऐसा मत कहो' छोटा खरगोश नानी से चिपक गया। नानी ने प्यार से समझाया-'बेटे, नदी के पानी पर सभी जीवों का बराबर का अधिकार है। यह पानी हमें भगवान ने दिया है ताकि उसे पीकर हम अपने प्राणों की रक्षा कर सकें. फिर भला हाथी, नदी का मालिक कैसे बन सकता है?' नानी ने खरगोश को एक तरकीब बता दी। अगली सुबह जब हाथी आया तो खरगोश फुदका-'हाथी दादा, ऊंट आया था। वह कहता है कि इस नदी का पानी भी उसका है। इसे कोई हाथ नहीं लगाएगा।' सुनते ही हाथी दादा आग-बबूला हो गए। वे सीधे ऊंट के पास पहुंचे और भिड़ गए। कुछ ही देर में दोनों शक्तिशाली जानवर घायल होकर विपरीत दिशाओं में भाग गए। दोनों नदियों का पानी सभी जीवों को मिलने लगा। फिर नानी ने छोटे खरगोश को गोद में बिठाकर प्यार किया और कहा- 'वह भोजन जो तुमने हाथी दादा से इकट्ठा किया था, वह सब खरगोशों में बांट दो। लालच में बटोरा गया भोजन हजम नहीं होता' उस शाम नदी के किनारे जंगल के सभी छोटे खरगोशों की दावत हुई। नानी ने सबको अच्छी-अच्छी बातें बताईं। छोटे खरगोश की कहानी से सबने सबक लिया कि वह कभी भी किसी बड़े जानवर से डरकर छोटे जीवों को कष्ट नहीं देंगे। लालच से भी बचकर रहेंगे

हास्य

संता को आए बुरे सपने

संता को हर रात बुरे सपने आ रहे थे। उसने डॉक्टर के पास जाने की सोची।

डॉक्टर ने पूछा, 'हां, तो आप सपने नें क्या देखते हैं?'

संता: मैं देखता हूं कि खून पीने वाले चमगादड़ मेरा पीछा कर रहे हैं। डॉक्टर को मन ही मन हंसी आ गई। उसने फिर पूछा, 'इस सपने का दृश्य कैसा था?'

संता: मैं हॉल में दौड़ रहा था और सभी चिमगादड़ मेरा पीछा कर रहे थे।

डॉक्टर: फिर क्या हुआ?

संता: यही तो अजीब बात थी! हर बार मैं एक ही चीज देखता हूं, मैं हर बार भाग कर दरवाजे तक जाता हूं पर दरवाजा नहीं खोल पाता। मैं दरवाजे पर धक्के मारता रहता हूं पर दरवाजा जरा भी नहीं खुलता!

डॉक्टर: क्या दरवाजे पर कुछ लिखा हुआ भी देखा था?

संता: अरे हां। लिखा था, 'दरवाजा अंदर की तरफ खींचें'।

क्या आप जानते हैं।

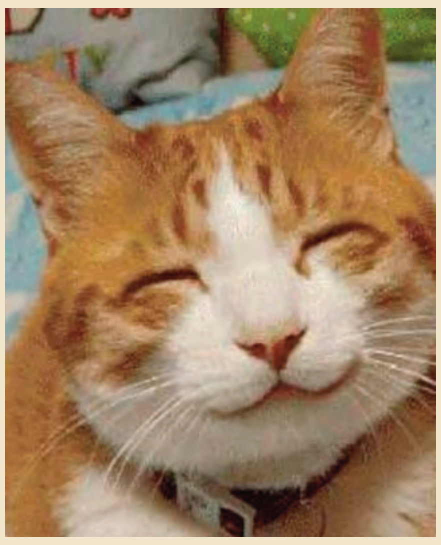

- किसी भी सामान्य आकार के कागज को 7 से अधिक बार दोहरा मोड़ा (folded in half) नहीं जा सकता।
- एक रानी मधुमक्खी प्रतिदिन 1500 अण्डे देती है।
- केवल हाथी ही 4 घुटनों वाला एक मात्र जानवर है।
- जब बिल्लियाँ खुश होती हैं तो वे अपनी आँखें बंद कर लेती हैं।
- हिन्दी वेबसाइटसमस्त विश्व में प्रतिवर्ष लगभग 500,000 पता लगाए जा सकने वाले भूकंप आते हैं जिनमें से लगभग 100,000 का अनुभव किया जा सकता है और लगभग 100 विनाशकारी होते हैं।
- शरीर में केवल जीभ ही एक ऐसी मांस पेशी (muscle) जो केवल एक ओर से जुड़ी होती है।
- मनुष्य अपने द्वारा देखे गए सपनों में से 90प्रतिशत को भूल जाता है।
- सोचते समय हम अपने दिमाग के लगभग 35प्रतिशत भाग का ही प्रयोग करते हैं।
- रंगीन टीवी आने के बाद से लोगों को आने वाले सपनों में श्वेत श्याम (black and white) सपनों की संख्या कम हो गई है।क्या आप जानते हैं।

'गुब्बारे' जैसे हवाई जहाज में होगी माल ढुलाई

लंदन। इस दशक के आखिर तक माल ढुलाई की प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव आ जाएगा और गुब्बारे जैसे विमानों (एयरशिप) से माल ढुलाई की जाने लगेगी।

अमेरिका का नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन हवाई जहाजों की नई पीढ़ी का विकास कर रहा है। अगले साल तक इसका प्रारम्भिक प्रारूप बन कर तैयार हो जाने की उम्मीद है। इसके विकास के बाद ट्रकों, ट्रेनों और पानी के जहाजों की जगह इन गुब्बारे जैसे विमानों से सैकड़ों टन माल की ढुलाई की जाने लगेगी।

परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ये जहाज 2020 तक बन कर तैयार हो जाएंगे।

इस प्रकार के जहाजों का उपयोग 1920 और 1930 के दशक में काफी होता था, लेकिन अनेक दुर्घटनाओं के बाद इनकी लोकप्रियता घट गई। न्यूजर्सी में 1937 में हिंडेनबर्ग दुर्घटना में 36 लोग मारे गए थे।

गुब्बारे जैसे इन विमानों का प्रारूप कैलीफोर्निया की कम्पनी एरोस में तैयार किया जा रहा है।

पिंक पैरट फ्लावर

हरे रंग का तोता तो आप सभी ने देखा ही होगा, लेकिन क्या आपने कभी गुलाबी रंग का तोता देखा है? अगर नहीं, तो आज हम आपको इस गुलाबी तोते के बारे में बता रहे हैं। दरअसल, यह एक फूल है, जो देखने में बिलकुल ऐसा लगता है जैसे कोई तोता उड़ रहा हो। इसी कारण इसे 'पैरट फ्लावर' कहते हैं।

पैरट फ्लावर कुदरत की कई खूबसूरत रचनाओं में से एक है। यह तोते और फूल का सुंदर व दुर्लभ संयोजन है। पौधे पर लटकते हुए नाजुक पैरट फ्लावर को आप किसी भी कोण (एंगल) से देखें, आपको वे गुलाबी तोते जैसे ही दिखाई देंगे। यह फूल छह फुट तक ऊंचा हो सकता है। थाईलैंड के किसी फोटोग्राफर द्वारा इसकी तस्वीरें नेट पर डालने से पहले अधिकतर लोग यही मानते थे कि वास्तव में ऐसा कोई फूल नहीं हो सकता। इस प्लांट की बोटैनिकल वर्ल्ड से पहचान 1901 में बोटैनिस्ट ईडी हूकर ने करवाई थी। हूकर ने सबसे पहले यह प्लांट भारत के एक पूर्वी राज्य में देखा था। जहां से वह इसके बीजों को लंदन के रॉयल बोटैनिक गार्डन क्यू ले गए, लेकिन पहले साल के बाद इन बीजों ने पुर्नउत्पादन नहीं किया।

पैरट फ्लावर का वैज्ञानिक नाम 'इम्पेशंस पिस्ताचिना' है। पिस्ताचिना शब्द का अर्थ है- तोते जैसा। यह बहुत दुर्लभ प्लांट है, जो सिर्फ बर्मा के कुछ इलाकों और उत्तरी थाईलैंड के छोटे से हिस्से (चियांग माई के पास) और भारत के एक पूर्वी राज्य में ही पाया जाता है। पैरट फ्लावर की खेती करने वालों का कहना है कि इसे उगाना बहुत मुश्किल है। इसके लिए मिट्टी भी खास किस्म की जरूरी होती है। यह अक्तूबर और नवंबर के महीने में खिलता है। यह ऊष्णकटिबंधीय, आद्र और नम वातावरण में होता है। यदि आप सोच रहे हैं कि आप भी अपने घरों में इस फूल को लगाएंगे, तो आप जान लीजिए, ऐसा संभव नहीं है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति इसे खरीद नहीं सकता। चूंकि ये बहुत दुर्लभ फूल हैं, इसलिए थाईलैंड में इसे सुरक्षित फूल का दर्जा दिया गया है। यही कारण है कि फूल या इसके बीजों का निर्यात थाईलैंड में संघीय अपराध माना जाता है।

हम बताएं, आप बनाएं

न्यूयार्क के टाइम 100 कार्यक्रम में भारत की आवाज बनीं स्मृति ईरानी

न्यूयार्क, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

कभी छोटे पर्दे की बहू के रूप में पहचानी जाने वाली स्मृति ईरानी आज उस मुकाम पर हैं, जहां उनकी आवाज पूरी दुनिया में गूंजती है। अभिनय से लेकर राजनीति तक का उनका सफर एक मिसाल बन चुका है। एक समय की साधारण अभिनेत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री अब भारत की सशक्त आवाज बन चुकी हैं। हाल ही में अभिनेत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक बार फिर देश का नाम रोशन किया है।

न्यूयॉर्क में आयोजित टाइम 100 समिट में स्मृति ईरानी ने भारत का प्रतिनिधित्व किया, और अपने शब्दों व विज़न से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। स्मृति ने इस मंच से अपनी नई पहल 'स्पार्क द 100के कलेक्टिव' की घोषणा की, जो भारत में महिला उद्यमिता को नई दिशा देने की कोशिश है। इस अभियान का लक्ष्य है, भारत के 300 शहरों में 01 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना।

उन्होंने कहा, 'पहचान बदलने में सिर्फ नाम नहीं, इरादा बदलता है।' यह सिर्फ एक सामाजिक परियोजना नहीं, बल्कि महिलाओं की शक्ति और संभावनाओं का उत्सव है। महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं स्मृति स्मृति ने इंस्टाग्राम पर इस इवेंट की झलकियां साझा करते हुए लिखा, 'जब महिलाएं एक-दूसरी को ऊपर उठाती हैं, तो वो बदलाव की चिंगारी जला सकती हैं।' उन्होंने इस मंच को खुशी, उम्मीद, साहस और आकांक्षाओं का उत्सव बताया और कहा कि इस मिशन की शुरुआत भारत के 300 शहरों से होकर 10 लाख महिलाओं तक पहुंचने का सपना है।

स्मृति अपने संबोधन के दौरान भावुक हो गईं। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता दिल्ली की गलियों में पुरानी टाइम मैगज़ीन बेचकर घर चलाते थे, और उनकी बेटी उसी पत्रिका के मंच पर भारत की आवाज़ बनकर खड़ी है। जिंदगी का यह एक पूरा चक्र है, जो मेरे लिए पूरा हुआ है।' उनकी बात पर पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। 'क्योंकि 2.0' में दिखे थे बिल गेट्स हाल ही में स्मृति अपने शो 'क्योंकि 2.0' में बिल गेट्स को आमंत्रित कर चर्चा में रही थीं। उन्होंने इसे अपने जीवन का गौरवशाली पल बताया।

न्यूज ब्रीफ

नाइजीरिया में खतरे में है ईसाई धर्म- ट्रंप का बड़ा दावा, विशेष निगरानी का आदेश

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि नाइजीरिया में ईसाई समुदाय के लोग अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं।उन्होंने इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों पर ईसाइयों के नरसंहार का आरोप लगाते हुए नाइजीरिया की विशेष निगरानी करने को कहा है।ट्रंप ने कहा कि जब ईसाई समुदाय से जुड़े लोग ऐसे संकट का सामना कर रहे हैं तो अमेरेका चुप नहीं बैठा रह सकता। उन्होंने कहा कि हम दुनिया भर में ईसाई आबादी को बचाने के लिए तैयार, इच्छुक और सक्षम हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट साझा कर कहा है कि नाइजीरिया में ईसाई धर्म अस्तित्व के खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि हजारों की संख्या में ईसाई मारे जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों को जिम्मेदार ठहराते हुए नाइजीरिया की विशेष निगरानी का आदेश दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कांग्रेस सांसद रिले मूर, अध्यक्ष टॉम कोल सिनेट कमेटी के साथ मिलकर इस मामले की जाँच कर रिपोर्ट देने का अनुरोध किया। अमेरिका विशेष निगरानी की श्रेणी में उन देशों को रखता है जो उसके मुताबिक धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघन में संलिप्त हैं।

नेपाल के स्टार्ट अप उद्यमियों को भारत से मिलेगा सहयोग

काठमांडू। भारत ने नेपाल के स्टार्ट अप्स स्थापित करने वाले युवा उद्यमियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक दक्षता के लिए प्रशिक्षण एवं सहायता के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू किया है। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक 'आईएन-स्पैन' नामक प्लेटफ़ॉर्म ने नेपाली स्टार्ट अप उद्यमियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। दूतावास के तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य रूपांतरणकारी (ट्रांसफ़ॉर्मेटिव) विचार रखने वाले नेपाली उद्यमियों को सीमापार (क्रॉस-बॉर्डर) कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान करना है। इसमें नेपाल और भारत के स्टार्टअप्स को आपस में जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। भारत-नेपाल स्टार्टअप पहलों की पिछली सफलताओं को आगे बढ़ाते हुए, आईएन-स्पैन नेपाली स्टार्टअप्स को भारत के शीर्ष इनोवेशन केंद्रों में से एक में परामर्श, प्रशिक्षण और उद्योग से जुड़ा अनुभव (इंडस्ट्री एक्सपोज़र) प्राप्त करने का अवसर दे रहा है। भारतीय दूतावास के तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक आईआईटी मद्रास में 8 सप्ताह का पूर्ण वित्तपोषित प्रशिक्षण और नवान्वेषण कार्यक्रम संचालित करेगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले उद्यमियों को विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, प्रायोगिक सीखने का अनुभव, और इंटर्नशिप के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्रम के लिए आवेदन 1-15 नवंबर 2025 तक खुले रहेंगे। इच्छुक उद्यमी ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

नेपाल में भारी हिमपात के बीच पांच दिनों से फंसे 11 विदेशी पर्यटकों को 9 घंटे की मशक्कत के बाद बचाया गया

काठमांडू। भारी हिमपात और लगातार वर्षा के कारण पाँच दिनों से मनांग स्थित तिलिचो बेस कैंप में फँसे 11 विदेशी पर्यटकों को सशस्त्र पुलिस बल ने 9 घंटे के प्रयास के बाद सफलतापूर्वक बचाया है। सशस्त्र पुलिस बल के प्रवक्ता डीएसपी शैलेन्द्र थापा के अनुसार, सशस्त्र पुलिस बल के माउंटेन रेस्क्यू ट्रेनिंग स्कूल (एमआरटीएस) से भेजी गई माउंटेन रेस्क्यू टीम ने इन सभी को सुरक्षित रूप से बचाया। बचाए गए पर्यटकों में एक व्यक्ति के पैर में चोट लगी है। इनमें 9 वर्षीय बालक और एक बीमार महिला है। बाकी सभी सामान्य स्थिति में हैं। थापा ने बताया कि सभी की ऑक्सीजन लेवल कम है। इन विदेशी पर्यटकों का बचाव अभियान प्रतिकूल परिस्थितियों, संकीर्ण, ढलानदार और दो फीट बर्फ जमी कठिन रास्ते से होकर 9 घंटे के प्रयास के बाद सफल हुआ। पर्वतीय बचाव प्रशिक्षण संस्थान से एसपी टोपबहादुर डाँगी के नेतृत्व में मेडिकल और माउंटेन रेस्क्यू टीम ने विशेष पर्वतीय बचाव उपकरणों का उपयोग कर इस जोखिमपूर्ण कार्य को पूरा किया।

तंजानिया में भड़की भीड़ ने सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन, हिंसा में 700 लोगों की मौत

दोदोमा, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

दुनिया के कई देश ऐसे है जहां सरकार के खिलाफ भारी आक्रोष है। नेपाल का हिंसात्मक आंदोलन लोग ठीक से भूलते इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी देश तंजानिया में सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन होने लगे है।देश के मुख्य विपक्षी दल ने दावा किया है कि आम चुनावों के बाद हो रहे इन प्रदर्शनों में अभी तक 700 लोगों की जान चली गई है।

एक सिक्योरिटी सूत्र ने बताया कि इस पूरी हिंसा में अभी तक 500 लोगों की मौत हो गई है। पूरे देश में शायद 700 से 800 लोग मारे जा चुके हैं। इस मामले पर संयुक्त राष्ट्र ने भी प्रतिक्रिया दी है। एक जारी किए गए बयान में विश्वसनीय सूत्रों का हवाला देते हए कहा कि पहली जानकारी में 10 लोगों के मारे जाने का संकेत दिया गया है, जबकि एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा कि उसके पास कम से कम 100 लोगों के मारे जाने की जानकारी है।

हिंसा को दबाने के लिए सरकार ने इंटरनेट को पूरी तरह से बंद कर दिया है, लेकिन अभी भी हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर मौजूद हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन ने आम चुनावों में उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वियों को या तो जेल में डाल दिया गया या उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया गया। इसकी वजह से मतदान के दौरान देश में अराजकता फैल गई। भीड़ दार-ए-सलाम और अन्य शहरों की सड़कों पर उतर आई, उनके पोस्टर फाड़ दिए और पुलिस तथा मतदान केंद्रों पर हमला कर दिया, जिसके कारण इंटरनेट बंद कर दिया गया और कर्फ्यू लगा दिया गया।

इसके बाद भी राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन को बुधवार को विजयी घोषित कर दिया गया था। अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए उन्होंने पार्टी के मुख्य आलोचकों को भी चुप कराने की कोशिश करते हुए उन्हें जेल में डाल दिया। चुनाव के दौरान विदेशी पत्रकारों को भी कवरेज करने से प्रतिबंधित कर दिया गया, जिसकी वजह से जमीनी स्तर की सही जानकारी मिलना मुश्किल हो गया। हालांकि, अपने कार्यकर्ताओं के हवाले से मुख्य विपक्षी नेता चाडेमा ने शुक्रवार को कहा कि कई व्यापारिक केंद्रों और सड़कों पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें जारी रहीं। चाडेमा के प्रवक्ता जॉन किटोका ने देश के हालात की जानकारी दी।

आसमान में दिखी अजीबोगरीब लाइट्स और यूएपी रिपोर्ट्स को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

वाशिंगटन। दुनिया जब परमाणु ताकत के नशे में चूर थी। तब आसमान शायद डर से चमक रहा था। 1940 और 1950 के दशक में आसमान में दिखी अजीबोगरीब लाइट्स और यूएपी रिपोर्ट्स को अब वैज्ञानिकों ने एक सनसनीखेज लिंक से जोडा है। रिसर्च के मुताबिक न्यूक्लियर टेस्ट के आसपास वाले दिनों में आसमान में ट्रांसिएंट्स यानी अचानक दिख कर गायब होने वाली लाइट्स कई गुना ज्यादा दिखीं। अमेरिका, सोवियत और ब्रिटेन के बम टेस्ट के दौर में यह पैटर्न बार-बार दिखाई दिया। मतलब परमाणु विस्फोट ने सिर्फ जमीन नहीं हिलाई बल्कि आसमान पर भी अपने असर दिखाया। वैज्ञानिकों का दावा है कि ये न कैमरा प्लेट की गलती थी और न ही आंखों का भ्रम। यह पूरी मिस्ट्री बताती है कि यूएपी फेनोमिना शायद हमारी सोच से कहीं ज्यादा रियल है। माउंट विल्सन और पालोमर वेधशाला ने 1949 से 1958 के बीच नॉर्दर्न स्काई की फोटोग्राफी की थी। बाद की तस्वीरों में कई अजीब पॉइंट्स गायब मिले। उस जमाने में इन लाइट्स को प्लेट खराबी माना गया था। लेकिन कुछ साइंटिस्ट्स ने इस बात को कभी स्वीकार नहीं किया। प्रोजेक्ट की टीम ने पुराने रिकॉर्ड्स दोबारा जांचे और पाया कि कई ट्रांसिएंट्स का कोई आसान साइंटिफिक जवाब नहीं है। इन्हें इसतरह फर्जी कहकर छोड़ा नहीं जा सकता। रिसर्चर्स ने 2718 दिनों का डेटा बनाया। फिर न्यूक्लियर टेस्ट की डेट्स और यूपीए रिपोर्ट्स के साथ मैच किया। जिसमें चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। न्यूक्लियर टेस्ट वाले दिन से एक दिन पहले और बाद में 45 प्रतिशत ज्यादा ट्रांसिएंट्स दिखे टेस्ट के अगले दिन यह आंकड़ा 68 प्रतिशत ज्यादा हो गया। न्यूक्लियर टेस्ट की खिडकी में यूपीए रिपोर्ट्स भी हल्की सी बढोतरी दिखी। यह पहली बार है जब साइंटिफिक स्टडी ने ऐसा डायरेक्ट लिंक दिखाया। साइंटिस्ट्स के मुताबिक अगर यह सिर्फ प्लेट डिफेक्ट होता, तब यह खास दिनों में क्लस्टर नहीं होता। न्यूक्लियर टेस्ट की डेट्स जनता को पता नहीं होती थीं। और ट्रांसिएंट्स के बारे में उस जमाने के आस्ट्रोनोमर्स को कोई आइडिया ही नहीं। इसलिए ऑब्जर्वेशन बायस की भी गुंजाइश नहीं।

यूएस सांसदों की ट्रंप को दो टूक कहा- एआई के लिए भारतीयों की जरूरत, वीजा पर प्रतिबंध हटाएं

वाशिंगटन, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में एआई के लिए बड़ी संख्या में भारतीयों की जरुरत है। यदि एच-1बी वीजा का लगा प्रतिबंध नहीं हटाया गया है तो अमेरिका में तमाम काम प्रभावित हो सकते हैं। इस तरह की आशंका यूएस के सांसदों ने व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कहा है तत्काल एच-1बी वीजा पर लगा प्रतिबंध हटाएं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा सदस्य जिमी पनेटा के साथ ही कांग्रेस सदस्यों अमी बेरा, सालुद कार्बाजल और जूली जॉनसन ने ट्रंप को पत्र लिखा।

सांसदों ने एच1-बी वीज़ा कार्यक्रम को लेकर ट्रंप की कुछ गैर-प्रवासी कामगारों के प्रवेश पर पाबंदी संबंधी घोषणा पर चिंता जतायी, जिसके तहत अन्य पाबंदियों के अलावा नये आवेदनों पर 100,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाया गया है। उन्होंने ट्रंप से आग्रह किया कि वे इस निर्णय पर अमेरिका-भारत संबंधों पर संभावित नकारात्मक प्रभावों के मद्देनजर पुनर्विचार करें। अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हाल ही में जारी किए गए एच-1बी वीजा से जुड़े आदेश को वापस लेने की अपील की है। सांसदों का कहना है कि वीजा आवेदन पर लगाए गए नए 1 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) फीस और अन्य प्रतिबंध अमेरिका की तकनीकी नेतृत्व क्षमता को नुकसान पहुंचा सकते हैं और साथ ही भारत के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी को भी कमजोर करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में होगा। उन्होंने कहा, 'हाल ही में भारत गए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के रूप में, हम न केवल अमेरिकी अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए, बल्कि भारत के साथ हमारे संबंधों और हमारे द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले भारतीय-अमेरिकी समुदायों के लिए भी एच-1बी कार्यक्रम के महत्व को समझते हैं। सांसदों ने पत्र में कहा, हम आपसे सम्मानपूर्वक अनुरोध करते हैं कि आप 19 सितंबर की घोषणा को स्थगित करें और ऐसी किसी भी नीति पर पुनर्विचार करें जो एच-1बी कार्यक्रम तक उचित पहुंच को कमतर करती हो। सांसदों ने कहा कि एच-1बी कार्यक्रम विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्रों में अमेरिका की प्रतिस्पर्धा की आधारशिला है।

मृतक की उंगली से फोन अनलॉक करना असंभव नहीं: विशेषज्ञ

वाशिंगटन। क्या किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी उंगली से फोन अनलॉक किया जा सकता है विशेषज्ञों की माने तो तकनीकी रूप से यह असंभव नहीं है। फिंगरप्रिंट सेंसर बायोमेट्रिक तकनीक पर काम करते हैं। ये उंगली की अनोखी रिज-पैटर्न (लकीरों और उभारों) को स्कैन कर सुरक्षित डेटाबेस में रखे टेम्पलेट से मिलाते हैं और सही मैच मिलने पर डिवाइस खोल देते हैं। मोबाइल फिंगरप्रिंट सेंसर मुख्यत: तीन प्रकार के होते हैं ऑप्टिकल, कैपेसिटिव और अल्ट्रासोनिक और इनका लाइवनेस डिटेक्शन अलग-अलग स्तर पर काम करता है। ऑप्टिकल सेंसर प्रकाश के जरिए सतह की इमेज बनाते हैं, कैपेसिटिव सेंसर विद्युत क्षेत्र की मदद से उँगली की रिज ऊँचाई और कुंडलियों को पढ़ते हैं, जबकि अल्ट्रासोनिक सेंसर ध्वनि तरंगों का उपयोग कर 3 डी तस्वीरें बनाकर त्वचा के नीचे के तंत्र और रक्त वाहिकाओं तक की जानकारी लेते हैं। आधुनिक सिस्टम लाइवनेस चेक के माध्यम से पसीना, रक्त प्रवाह, त्वचा का तापमान और सतह की लचीलापन जैसी बुनियादी संकेतों से यह तय करते हैं कि उंगली जीवित है या नहीं। यही वजह है कि कई मामलों में मृत उंगली से सुरक्षा भंग करना कठिन होता है।

मुनीर की सेना पर भड़के पाकिस्तानी मौलाना बोले- एक और युद्ध नहीं झेल सकता पाक

इस्लामाबाद, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

भले ही पाकिस्तान भारत को कितनी ही गीदड़ भभकी देता रहे लेकिन सच ये हैं पाकिस्तान भीतर से खोखला है। वो अब एक और युद्ध भारत से नहीं कर सकता। पाकिस्तान के जमीयत-उलेमा-ए-इस्लाम प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने आसिम मुनीर की पाकिस्तानी सेना को जमकर कोसा है। बांग्लादेश और कारगिल युद्ध याद दिलाते हुए कहा कि हम एक और युद्ध नहीं झेल सकते।

बता दें कि पाकिस्तान और उसके पड़ोसी देश अफगानिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। पिछले दिनों युद्ध जैसे हालात हो गए थे और पाकिस्तान ने तालिबान की धरती पर जमकर हवाई हमले किए। लेकिन अब पाकिस्तान के ही लोग इस युद्ध के खिलाफ आ गए हैं। सूत्रों के हवाले से बताया है कि अफगानिस्तान को लेकर पाकिस्तानी मिलिट्री के रवैये के बारे में बात करते हुए मौलाना ने कहा, पाकिस्तान एक और खुद से किया गया युद्ध नहीं झेल सकता। उसने पाकिस्तानी आर्मी को 1971 का बांग्लादेश युद्ध और 1999 का कारगिल युद्ध की याद दिलाते हुए कहा कि वह परवेज मुशर्रफ और अन्य के लापरवाही वाले कारनामों की वजह से हुआ। इसकी वजह से दुनियाभर में पाकिस्तान की साख खराब हुई। सूत्रों की मानें तो मौलाना का कहना है

कि पाकिस्तानी आर्मी को बॉर्डर पर लड़ने के बजाए खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवाद, आर्थिक गिरावट और गवर्नेंस की कमी को दूर करना चाहिए। मौलाना ने मुनीर की सेना की जमकर आलोचना की। उसने कहा कि इस्लाम को किसी मुस्लिम पड़ोसी के खिलाफ गलत हमला पसंद नहीं है। वहीं, पाकिस्तान ने बताया कि उसकी अफगानिस्तान के साथ अगले दौर की वार्ता छह नवंबर को होगी और इस वार्ता से 'सकारात्मक परिणाम'की उम्मीद जताई। अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान पड़ोसी देश के साथ तनाव नहीं बढ़ाना चाहता। कहा, पाकिस्तान मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल रहेगा और छह नवंबर की वार्ता के सकारात्मक परिणाम की उम्मीद करता है।

चीन ने रिकॉर्ड स्पीड के स्पेस में भेजे अंतरिक्ष यात्री, साथ में 4 चूहे भी भेजे गए

बीजिंग, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान ने शुक्रवार देर रात स्थानीय समयानुसार 11:44 बजे चीन के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित जिउक्वान प्रक्षेपण केंद्र से उड़ान भरी। सफल प्रक्षेपण के बाद यह अंतरिक्ष यान सीधे तियानहे कोर मॉड्यूल की ओर बढ़ा और सफलतापूर्वक उससे जुड़ गया। मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री 27 वैज्ञानिक और अनुप्रयुक्त प्रयोगों पर काम करेंगे, जिनमें जैव प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस मेडिसिन और मटेरियल साइंस शामिल हैं। इस बार चीन पहली बार अपने अंतरिक्ष स्टेशन पर चूहे भी भेज रहा है। कुल चार चूहे (दो नर और दो मादा) भेजे गए हैं ताकि शून्य गुरुत्वाकर्षण और सीमित वातावरण में उनके व्यवहारिक बदलावों का अध्ययन किया जा सके।

चीनी विज्ञान अकादमी की इंजीनियर हान पेई ने बताया कि यह प्रयोग हमें अंतरिक्ष में छोटे स्तनधारियों के प्रजनन और निगरानी तकनीकें विकसित करने में मदद करेगा और यह समझने में

सहायता करेगा कि वे आपात स्थितियों और अंतरिक्ष वातावरण में कैसे अनुकूलन करते हैं। इन अंतरिक्ष चूहों को 300 उम्मीदवारों में से चुना गया और उन्हें 60 दिनों के गहन प्रशिक्षण के बाद अंतरिक्ष में भेजा गया। रिपोर्ट के अनुसार, ये चूहे अंतरिक्ष स्टेशन पर 5 से 7 दिन रहेंगे और शेनझोउ-20 के जरिए पृथ्वी पर लौट आएंगे। चीन ने शनिवार को घोषणा करते हुए बताया कि उसका शेनझोउ-2 अंतरिक्ष यान अपने तीन सदस्यीय दल के साथ देश के अंतरिक्ष स्टेशन तियानगोंग से रिकॉर्ड समय में जुड़ गया है। चीन के मानव अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, यह डॉकिंग प्रक्रिया केवल 3.5 घंटे में पूरी हुई- जो पिछले मिशनों की तुलना में करीब तीन घंटे तेज है।इस मिशन के दल की कमान पायलट और मिशन कमांडर झांग लू के हाथों में है, जो दो वर्ष पहले शेनझोउ-15 मिशन का भी हिस्सा रह चुके हैं। उनके साथ दो नए अंतरिक्ष यात्री हैं- 32 वर्षीय इंजीनियर वू फेई जो अब तक चीन के इतिहास में सबसे युवा अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। इसके अलावा, पेलोड विशेषज्ञ झांग होंगझांग भी हैं जो पहले नई ऊर्जा और नई सामग्री पर शोध करने वाले वैज्ञानिक थे।झांग लू ने प्रक्षेपण से पहले कहा कि दल तियानगोंग स्टेशन को एक यूटोपिया में बदल देगा- जहां वे ताई-ची, बागवानी और कविता-पाठ जैसी गतिविधियां करेंगे। दल के सदस्य लगभग छह महीने तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहेंगे।

पूरी तरह चीनी तकनीक से निर्मित तियानगोंग अंतरिक्ष स्टेशन ने चीन को अंतरिक्ष अनुसंधान में वैश्विक ताकत के रूप में स्थापित कर दिया है। अमेरिका की सुरक्षा चिंताओं के कारण चीन को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर रखा गया था, जिसके बाद उसने अपना स्वतंत्र स्पेस स्टेशन तैयार किया। शेनझोउ-21 मिशन चीन के अंतरिक्ष सफर में एक और मील का पत्थर साबित हुआ है- जो न केवल उसकी तकनीकी दक्षता बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान में तेजी से बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है।

पंजाब एफसी ने नाइजीरियाई स्ट्राइकर एनसुंगुसी एफिओंग के साथ किया करार

गोवा, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

पंजाब एफसी ने नाइजीरियाई सेंटर-फॉरवर्ड एनसुंगुसी जूनियर एफिओंग के साथ करार किया है। 25 वर्षीय एफिओंग रोमानिया के क्लब एफसी यूटीए अराड से आने के बाद सीधे गोवा में एआईएफएफ सुपर कप 2025 के लिए टीम में शामिल हो गए हैं। उन्होंने पंजाब एफसी के साथ एक साल का अनुबंध किया है।

6 फीट 4 इंच लंबे इस स्ट्राइकर के आने से टीम के आक्रमण को ताकत और अनुभव मिलेगा, क्योंकि पंजाब एफसी इस सीजन में और सफलता हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। एफिओंग भारत में यूरोपीय और मध्य एशियाई फुटबॉल का विविध अनुभव लेकर आए हैं।

एफिओंग ने अपना करियर घाना के क्लब इंटरनेशनल एलाइज से शुरू किया था, जिसके बाद वे यूरोप चले गए। उन्होंने डेनमार्क के क्लब एचबी कोगे के साथ तीन सीजन बिताए, जहां उन्होंने लोन पर खेलते हुए 58 मैचों में 11 गोल दागे। इसके बाद उन्होंने मध्य एशियाई लीगों में अनुभव हासिल किया। उन्होंने 2023 सीजन में कजाकिस्तान प्रीमियर लीग के एफसी अतिराउ के लिए लोन पर खेला, जहां उन्होंने 25 मैचों में सात गोल किए। हाल ही में वे उज्बेकिस्तान सुपर लीग के क्लब नेफची फर्गानाके लिए खेले, जहां 2024-25 सीजन में उन्होंने 24 मैचों में सात गोल किए।

एफिओंग ने पंजाब एफसी के लिए खेलने को लेकर उत्साह जताया और एक बयान में कहा, 'पंजाब एफसी से जुड़ना जीतने और प्रभाव छोड़ने के बारे में है। मैं यहां एक नए स्तर का आक्रामक खेल लाने आया हूं। मुझे दबाव में खेलना पसंद है और मैं उन प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्सुक हूं जो पूरी मेहनत की उम्मीद करते हैं। तैयार हो जाइए गोल देखने के लिए — मैं इस टीम की किस्मत बदलने आया हूं।' पंजाब एफसी के टेक्निकल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलियाटिस ने नए साइनिंग पर कहा, 'एफिओंग में हमने वह खिलाड़ी पाया है जो हमारी सभी आवश्यकताओं पर खरा उतरता है। यह कोई जल्दबाजी में लिया गया फैसला नहीं था, बल्कि एक योजनाबद्ध कदम था ताकि हम एक ऐसे गोल स्कोरर को जोड़ सकें जिसके पास बेहतरीन अनुभव हो। वह हमारे आक्रमण को वास्तविक गुणवत्ता देगा और हमें विश्वास है कि वह तुरंत हमारे प्रदर्शन स्तर को ऊंचा उठाएगा और टीम को बेहतर संतुलन दिलाएगा।'

25 वर्षीय यह फॉरवर्ड अब सीधे गोवा में टीम से जुड़ चुके हैं। अब सभी की निगाहें इस नाइजीरियाई स्ट्राइकर पर होंगी कि वह कितनी जल्दी टीम में घुलमिलकर अपने वादे को हकीकत में बदल पाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

यशस्वी जायसवाल की शानदार वापसी राजस्थान के खिलाफ ठोंके 67 रन

जयपुर। मुंबई के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने रणजी ट्रॉफी के तीसरे दौर में राजस्थान के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 67 रनों की बेहतरीन पारी खेली। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में जायसवाल ने 97 गेंदों का सामना करते हुए आठ चौके और एक छक्का जड़ा। उन्हें अनिकेत चौधरी ने विकेटकीपर के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा। जायसवाल ने अपने साथी ओपनर मुशीर खान के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 100 रनों की अहम साझेदारी की, जिससे मुंबई ने मजबूत शुरुआत हासिल की। जायसवाल की पारी में वही पुराना आत्मविश्वास और लय देखने को मिली, जो उन्हें घरेलू क्रिकेट में विशेष बनाती है। इस साल की शुरुआत में जायसवाल ने घरेलू क्रिकेट में गोवा के लिए खेलने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में उन्होंने अपना फैसला बदलते हुए मुंबई के साथ बने रहने का निर्णय लिया। समाचार लिखे जाने तक मुंबई ने अपनी पहली पारी में 34 ओवर में 1 विकेट पर 107 रन बना लिए थे। क्रीज पर मुशीर खान 32 रन और कप्तान अजिंक्य रहाणे 3 रन बनाकर खेल रहे थे।

पेरिस मास्टर्स : नंबर-1 की दौड़ में आगे बढ़े सिनर, सेमीफाइनल में ज्वेरेव से भिड़ंत

पेरिस। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने पेरिस मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को सीधे सेटों में हराकर विश्व नंबर-1 रैंकिंग की ओर एक और कदम बढ़ाया। सिनर ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की और अब सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन एलेक्ज़ेंडर ज्वेरेव से भिड़ेंगे। सिनर का यह लगातार 24वां इनडोर हार्ड कोर्ट मैच जीत है। अगर वे पेरिस में खिताब जीतते हैं, तो वे स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ को पीछे छोड़कर फिर से विश्व नंबर-1 बन जाएंगे। अल्काराज को दूसरे दौर में कैमरन नॉरी ने चौंकाया था। सिनर ने मैच के बाद कहा, 'इस समय मैं रैंकिंग के बारे में नहीं सोच रहा हूं। हर दिन एक नई चुनौती होती है, और मैं बस अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।

श्रेयस अय्यर अस्पताल से डिस्चार्ज रिकवरी के लिए सिडनी में ही रहेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मध्यक्रम बल्लेबाज़ श्रेयस अय्यर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया कि अय्यर अब सिडनी में मेडिकल सुपरविजन के तहत रिकवरी जारी रखेंगे और पूरी तरह फिट होने के बाद ही भारत लौटेंगे। श्रेयस अय्यर को 25 अक्टूबर 2025 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते समय पेट में गंभीर चोट लगी थी। जांच में पाया गया कि उनके प्लीहा में कट लगने के कारण आंतरिक रक्तस्राव हुआ था। डॉक्टरों ने तुरंत इलाज करते हुए ब्लीडिंग को नियंत्रित किया और एक मामूली प्रक्रिया के बाद उनकी हालत स्थिर हो गई। बीसीसीआई के चिकित्सा प्रमुख डॉ. अभिजीत सैकिया ने बयान में कहा, 'श्रेयस अय्यर अब स्थिर हैं और अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। सिडनी और भारत के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी रिकवरी से संतुष्ट है।' बोर्ड ने सिडनी के डॉ. कौरूश हघीगी और उनकी टीम, साथ ही मुंबई के डॉ. दिनशॉ पारदीवाला को धन्यवाद दिया, जिन्होंने अय्यर को बेहतरीन इलाज उपलब्ध कराया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अय्यर ने दो वनडे में 72 रन बनाए थे, जिसमें एडिलेड वनडे में 61 रनों की जुझारू पारी शामिल थी। इस पारी में उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा के साथ शतकीय साझेदारी भी की थी। इस साल अय्यर ने 11 मैचों में 496 रन बनाए हैं, औसत 49.60 और स्ट्राइक रेट 89.53 रहा है। उन्होंने पांच अर्धशतक लगाए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 79 रन है। इसके अलावा उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 243 रन बनाए थे और भारत के शीर्ष रन-स्कोरर रहे थे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर साइक्लिंग अभियानों ने बढ़ाया एकता और फिटनेस का जोश

नई दिल्ली,01 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर देशभर में एकजुटता और पर्यावरण संरक्षण की भावना से ओतप्रोत 'इंडिया साइक्लिंग टूगेदर' थीम के तहत तीन प्रमुख साइक्लिंग अभियानों का आयोजन किया गया। इन अभियानों पैडल टू प्लांट, कश्मीर टू कन्याकुमारी (केटूके) - राइड फॉर यूनिटी और सरदार वल्लभभाई पटेल राइड को फिट इंडिया मूवमेंट के सहयोग से आयोजित किया गया, जो 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' और 'चेंज बिफोर क्लाइमेट चेंज' के संदेश को समर्पित हैं।

पैडल टू प्लांट मिशन का अरुणाचल प्रदेश चरण पांगसाऊ पास और जयरामपुर (भारत-म्यांमार सीमा के निकट) पर एक प्रेरक फ्लैग-ऑफ समारोह से शुरू हुआ। इस अवसर पर विधायक लैसाम सिमाई, ब्रिगेडियर सरबजीत सिंह (कमांडर, 25 सेक्टर, असम राइफल्स), कर्नल अतुल पराशर (कमांडेंट, 10 असम राइफल्स) सहित स्थानीय नागरिक और सुरक्षा बलों के जवान मौजूद रहे।

असम राइफल्स के 10 सैनिकों, जिनमें तीन राइफलवुमन भी शामिल थीं, ने इस साइक्लिंग यात्रा में भाग लिया। फिटनेस, राष्ट्रीय एकता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जयरामपुर बटालियन द्वारा वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया, जिसमें 60 पौधे लगाए गए।

एवरेस्ट विजेता और पैरा-साइक्लिस्ट निशा कुमारी, कोच नीलेश बारोट और निशा बारोट के नेतृत्व में इस दल का देशभर में 60 दिनों की यात्रा के दौरान 1 लाख पेड़ लगाने और स्कूलों व कॉलेजों में पर्यावरण और फिटनेस जागरूकता सत्र आयोजित करने का लक्ष्य है। यह अभियान अरुणाचल से गुजरात तक 4,000 किलोमीटर की दूरी तय करेगा, जिसमें असम, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात शामिल हैं। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए कश्मीर टू कन्याकुमारी राइड फॉर यूनिटी भी श्रीनगर से शुरू हुई। यह 17 दिनों की, 4,480 किलोमीटर लंबी साइक्लिंग यात्रा 16 नवंबर को कन्याकुमारी में समाप्त होगी, जो देश के उत्तर और दक्षिण के अटूट बंधन का प्रतीक है। इस यात्रा को जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल की सचिव नुज़हत गुल ने फ्लैग-ऑफ किया। इस आयोजन में 130 से अधिक राइडर्स शामिल हुए, जिनमें छह महिला साइक्लिस्ट और एक पैरा-साइक्लिस्ट तमीम अंसारी भी थे। सबसे कम उम्र का प्रतिभागी 19 वर्ष का था, जबकि सबसे वरिष्ठ में 70 वर्षीय महिला और 65 वर्षीय पुरुष शामिल रहे। फिट इंडिया समर्थित यह अभियान सरदार पटेल के 150 वर्ष का प्रतीक है, जिसमें 150 राइडर्स हिस्सा ले रहे हैं। डेयरटूगियर टीम के नेतृत्व में यह दल पहले भी 3.4 लाख किमी से अधिक की यात्रा कर स्वास्थ्य और स्थायित्व का संदेश फैला चुका है। राइडर्स अपनी यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में फिटनेस रैलियों और स्कूल कार्यक्रमों के माध्यम से लाखों लोगों को साइक्लिंग अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अभियान का एक पर्यावरणीय उद्देश्य 1,00,800 किलोग्राम उत्सर्जन में कमी लाना है, ताकि दिखाया जा सके कि फिटनेस और स्थायित्व साथ-साथ चल सकते हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 से सम्मानित 12 वर्षीय आरव भारद्वाज ने दिल्ली से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (गुजरात) तक 1,250 किलोमीटर की प्रेरणादायक 'यूनिटी मार्च' पूरी की। साई रीजनल सेंटर, गांधीनगर के सहयोग से आरव की यह यात्रा हरियाणा, राजस्थान और गुजरात से होकर गुज़री।

रोहन बोपन्ना ने प्रोफेशनल टेनिस से लिया संन्यास, दो दशकों के शानदार करियर का हुआ अंत

नई दिल्ली,01 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने शनिवार को प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास की घोषणा कर दी है। उनका आखिरी मैच पेरिस मास्टर्स 1000 में हुआ, जहां उन्होंने अलेक्जेंडर बब्लिक के साथ जोड़ी बनाई।

बोपन्ना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'किसी ऐसी चीज़ को अलविदा कैसे कहूं जिसने मेरे जीवन को अर्थ दिया? 20 अविश्वसनीय वर्षों के बाद अब वक्त आ गया है... मैं अपने रैकेट को आधिकारिक रूप से टांग रहा हूं। कूर्ग में लकड़ी काटने से लेकर सर्व मजबूत करने से करने और दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों की रोशनी के नीचे खड़े होने तक यह सफर अविश्वसनीय रहा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है।'

बोपन्ना ने 43 वर्ष की आयु में पिछले साल इतिहास रचा था, जब वे पहली बार पुरुष युगल विश्व नंबर-1 बने और ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 में मैथ्यू एब्डन के साथ युगल खिताब जीतकर ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज पुरुष खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम किया। यह उनका दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब था। पहला उन्होंने 2017 फ्रेंच ओपन मिक्स्ड डबल्स में जीता था।

बोपन्ना पहले ही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ग्रैंड स्लैम और एटीपी मास्टर्स 1000 दोनों खिताब सबसे अधिक उम्र में जीते। उन्होंने हाल ही में जापान ओपन 2025 के फाइनल में पहुंचे और ओपन एरा में दूसरे सबसे उम्रदराज पुरुष युगल फाइनलिस्ट बनकर इतिहास रच दिया। तीन बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले बोपन्ना रियो 2016 में सानिया मिर्जा के साथ मिक्स्ड डबल्स में चौथे स्थान पर रहे थे। वे दो दशकों तक भारत की डेविस कप टीम के भरोसेमंद स्तंभ बने रहे। टेनिस जगत में बोपन्ना का यह सफर समर्पण, निरंतरता और भारतीय खेल भावना का अद्भुत प्रतीक रहा।

हाइलो ओपन 2025

नई दिल्ली। जर्मनी में चल रहे सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट हाइलो ओपन 2025 में भारत की युवा शटलर उन्नति हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। 18 वर्षीय उन्नति ने चीनी ताइपे की चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लिन हिसयांग ति को सीधे गेम में 22-20, 21-13 से हराया। यह मुकाबला 47 मिनट तक चला। दूसरी ओर, महिला एकल वर्ग में ही भारत की रक्षिता श्री संतोष रामराज को डेनमार्क की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लाइन क्रिस्टोफर्सन से 7-21, 19-21 की हार झेलनी पड़ी। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने पहले गेम में हार के बाद वापसी की कोशिश की, लेकिन अंततः इंडोनेशिया के खिलाड़ी से 17-21, 21-14, 15-21 से हार गए। यह मैच एक घंटे 14 मिनट तक चला। वहीं, आयुष शेट्टी ने फिनलैंड के काले कोलजोनन के खिलाफ रोमांचक तीन गेमों के मुकाबले में 21-19, 12-21, 20-22 से हार का सामना किया। इस बीच, किरण जॉर्ज भी दूसरे वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई खिलाड़ी जोनेतन क्रिस्टी से 10-21, 16-21 से हार गए। इसके साथ ही भारत का पुरुष एकल अभियान समाप्त हो गया है।

न्यूजीलैंड ने तीसरे वनडे में इंग्लैंड को 2 विकेट से हराया, सीरीज 3-0 से जीती

वेलिंगटन, 01 नवंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में रोमांचक दो विकेट की जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। जैक फॉल्क्स और ब्लेयर टिकनर ने आख़िरी क्षणों में जबरदस्त धैर्य दिखाते हुए बेहतरीन बल्लेबाजी कर टीम को जीत की मंज़िल तक पहुंचाया।

इंग्लैंड की टीम एक बार फिर बल्लेबाज़ी में नाकाम रही और 40.2 ओवर में सिर्फ 222 रन पर सिमट गई। यह लगातार तीसरा मौका था, जब इंग्लैंड की टीम अपनी 50 ओवरों की पारी पूरी नहीं खेल पाई। न्यूज़ीलैंड के तेज़ गेंदबाज़ ब्लेयर टिकनर ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 10 ओवर में 4 विकेट पर 64 रन दिए और सीरीज में कुल आठ विकेट लेकर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बने।

223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूज़ीलैंड की शुरुआत मज़बूत रही। डेवोन कॉनवे (34) और रचिन रविंद्र (46) ने पहले विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी की। हालांकि इसके बाद लगातार विकेट गिरते गए — विल यंग (1), टॉम लैथम (10, रन आउट) और माइकल ब्रेसवेल (13) जल्दी आउट हो गए। कप्तान मिशेल सैंटनर (27) ने कुछ देर टिकने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड लगातार प्रहार करता रहा।

डैरिल मिशेल (44 रन, 68 गेंद) ने संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही न्यूज़ीलैंड का स्कोर 196/8 (38.3 ओवर) हो गया और मुकाबला इंग्लैंड की ओर झुकता नज़र आया। हालांकि, इसके बाद फॉल्क्स (नाबाद 17) और टिकनर (नाबाद 12) ने संयमित बल्लेबाज़ी करते हुए 30 रनों की अविजित साझेदारी की और टीम को 44.4 ओवर में जीत दिला दी।

इंग्लैंड की ओर से जेमी ओवरटन ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 10 ओवर में 2/32, जबकि सैम करन ने 2/46 झटके। आदिल राशिद (1/32) और ब्राइडन कार्स (1/60) ने भी योगदान दिया, लेकिन कमजोर बल्लेबाज़ी एक बार फिर इंग्लैंड के हार का कारण बनी।

पहले बल्लेबाज़ी करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही — 4.2 ओवर में 17/3 के स्कोर पर जेमी स्मिथ, जो रूट, और बेन डकेट पवेलियन लौट गए। कप्तान हैरी ब्रूक (6) भी टिक नहीं पाए।

जोस बटलर (38 रन, 56 गेंद) ने कुछ समय तक पारी को संभाला, लेकिन विकेटों की गिरती झड़ी नहीं रुकी। निचले क्रम में जेमी ओवरटन (68 रन, 62 गेंद) और ब्राइडन कार्स (36 रन, 30 गेंद) ने 58 रनों की साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

न्यूज़ीलैंड की ओर से टिकनर के अलावा जेकब डफी ने 3/56, जैक फॉल्क्स ने 2/27 और मिशेल सैंटनर ने 1/34 झटके। इस जीत के साथ न्यूज़ीलैंड ने न केवल सीरीज 3-0 से अपने नाम की, बल्कि इंग्लैंड की कमजोर बल्लेबाज़ी पर अपनी गेंदबाज़ी की गहराई से मुहर लगा दी।

महिला विश्व कप: भारत-दक्षिण अफ्रीका में खिताबी जंग आज, दुनिया को मिलेगा नया चैंपियन

नई दिल्ली,01 नवंबर (एजेंसियां)।

महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका आमने-सामने होंगे। यह पहला मौका है, जब न तो ऑस्ट्रेलिया और न इंग्लैंड फाइनल में पहुंचे हैं। इस मुकाबले के साथ महिला क्रिकेट को नया विश्व चैंपियन मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका ने 29 अक्टूबर को अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। अगले दिन भारत ने सेमीफाइनल में 339 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच दिया था। दोनों टीमें अब खिताब से एक कदम दूर हैं।

भारत का सफर कठिन, दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन स्थिर – भारत ने लीग चरण में लगातार तीन हार झेली थीं, लेकिन बाद में न्यूजीलैंड को हराकर वापसी की और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यादगार रन-चेज़ किया। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका ने पांच जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया, हालांकि इंग्लैंड (69 पर ऑलआउट) और ऑस्ट्रेलिया (97 पर ऑलआउट) के खिलाफ उनका बल्लेबाजी क्रम ढह गया था।

ओपनिंग जोड़ी की ताकत – भारत की स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने इस साल 1557 रन जोड़े हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट और टैजमिन ब्रिट्स ने 1120 रन बनाए। प्रतिका के चोटिल होने के बाद मंधाना के साथ अब शैफाली वर्मा की जोड़ी उतरेगी। हालांकि शैफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं चल सकीं थीं लेकिन अब उम्मीद होगी की वो फाइनल में बेहतर करें कप्प के नेतृत्व में घातक तेज़ आक्रमण – दक्षिण अफ्रीका की मारिजने

कप्प इस टूर्नामेंट की सबसे किफायती गेंदबाजों में हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन गेंदबाजी करके, इंग्लिश पारी की कमर तोड़ दी थी, नई गेंद से उन्होंने 3.81 की इकोनॉमी रेट से गेंदबाजी की है। कप्प का भारत की चार सबसे अनुभवी बल्लेबाज़ों के खिलाफ रिकॉर्ड काफ़ी प्रभावशाली रहा है। स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को उन्होंने अक्सर दबाव में रखा है, जबकि हरमनप्रीत कौर को वह अब तक चार बार पवेलियन भेज चुकी हैं। हालांकि, मंधाना की हालिया शानदार फॉर्म इन आंकड़ों को बेअसर कर सकती है, जैसा कि उन्होंने हाल ही में एश्ले गार्डनर के खिलाफ दिखाया था। इसके अलावा आयाबोंगा खाका के खिलाफ मंधाना का दबदबा (158 गेंदों में 156 रन, सिर्फ दो बार आउट, स्ट्राइक रेट 98.73) भी उनके पक्ष में जाता है। इसलिए अगर कप्प अपनी लय जल्दी पा भी लें, तो मंधाना का आत्मविश्वास और फॉर्म दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज़ों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है।

वोल्वार्ट बनाम भारतीय स्पिनर्स – अगर भारत दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट को उनकी पारी की शुरुआत में ही आउट करने में नाकाम रहता है, तो टीम की रणनीति होगी कि स्पिनरों के ज़रिए उनके रन प्रवाह को रोका जाए। लीग मुकाबले में अपनी 111 गेंदों की पारी के दौरान वोल्वार्ट ने तेज़ गेंदबाज़ों के खिलाफ 74.28 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे, जबकि स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट केवल 57.89 रहा था। इतिहास भी भारतीय स्पिनरों के पक्ष में है, क्योंकि वोल्वार्ट को दीप्ति शर्मा, राधा यादव और चारनी ने हमेशा काबू में रखा है। इन तीनों के खिलाफ उन्होंने अब तक 267 गेंदों में सिर्फ 10 चौके लगाए हैं। ऐसे में अगर भारतीय स्पिन अटैक सही दिशा में गेंदबाज़ी करता है, तो वोल्वार्ट को खुलकर खेलने का मौका मिलना मुश्किल हो सकता है।

फील्डिंग बना सकती है अंतर – भारत ने 2024 से अब तक 35 वनडे में 78 कैच छोड़े हैं, जो सबसे खराब प्रदर्शन है। टूर्नामेंट में अब तक भारत ने 18 कैच गिराए और तीन स्टंपिंग मौके गंवाए हैं।

रविवार,02 नवंबर, 2025
बेंगलूरू
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली,01 नवंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में एक बार फिर तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कारोबार में सोना 1,670 रुपये से लेकर 1,820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है।

सोने की कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,23,290 रुपये से लेकर 1,23,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,13,010 रुपये से लेकर 1,13,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,23,440 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,23,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,23,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,13,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,23,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,13,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,23,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,23,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,13,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,23,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,13,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,23,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,13,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,23,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,13,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

विमान ईंधन महंगा, दिल्ली में अब 94,543 प्रति किलोलीटर

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतें बढ़ा दी हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में कीमत 777 रुपये बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जबकि अक्टूबर में इसे 3 फीसदी से अधिक बढ़ाया गया था। कोलकाता में कीमत 97,549.18 रुपये प्रति किलोलीटर, मुंबई में 88,447.87 रुपये और चेन्नई में 98,089.68 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इस वृद्धि से एयरलाइन कंपनियों की लागत बढ़ेगी और संभावना है कि हवाई टिकटों की कीमतों में भी असर पड़े। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और सरकारी नीतियों के अनुसार यह रुझान आगे भी जारी रह सकता है।

वोक्सवैगन को 1.2 अरब डॉलर का तिमाही घाटा, अमेरिकी टैरिफ और पोर्शे बनी मुश्किलें की वजह

जर्मनी। यूरोप की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी वोक्सवैगन को जुलाई से सितंबर 2025 तिमाही में 1.07 अरब यूरो (लगभग 1.24 अरब डॉलर) का घाटा हुआ है। यह कंपनी का पांच वर्षों में पहला तिमाही नुकसान है। 2020 की दूसरी तिमाही में कोरोना महामारी के दौरान वोक्सवैगन को आखिरी बार नुकसान हुआ था। पांच साल में कंपनी का पहला बड़ा घाटा, 35,000 नौकरियाँ घटाने की योजना, जर्मन ऑटो उद्योग पर भी संकट के बादल है। कंपनी ने बताया कि यह घाटा मुख्य रूप से अमेरिकी टैरिफ, पोर्शे ब्रांड में समायोजन और मूल्य ह्रास के कारण हुआ है। वित्त प्रमुख आर्नो एंटलिट्ज़ ने कहा कि 'पिछले साल की समान अवधि की तुलना में नतीजे काफी कमजोर हैं। ऊँचे टैरिफ, पोर्शे की उत्पाद रणनीति में बदलाव और उसके मूल्य में कटौती से लगभग 7.5 अरब यूरो का असर पड़ा है।' वोक्सवैगन के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए नए टैरिफों के कारण कंपनी को सालाना लगभग 5 अरब यूरो का नुकसान हो रहा है। जुलाई में घोषित ईयू-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अब यूरोपीय कारों पर 15 टैरिफ है, जो पहले 2.5 था। पोर्शे बनी सिरदर्द कभी वोक्सवैगन की 'मुकुटमणि' मानी जाने वाली पोर्शे अब कंपनी के लिए चिंता का कारण बन गई है। चीन में स्थानीय कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और इलेक्ट्रिक कारों की कमजोर मांग ने इसके मुनाफे को गहरा झटका दिया है। सितंबर में पोर्शे ने अपने मुनाफे के लक्ष्य घटा दिए, जिसके बाद वोक्सवैगन को 5.1 अरब यूरो का अतिरिक्त नुकसान झेलना पड़ा। कंपनी ने पोर्शे के शेयरों का मूल्य घटाया और पेट्रोल वाहनों की बिक्री को पहले की तुलना में अधिक समय तक जारी रखने का निर्णय लिया। अमेरिका में वोक्सवैगन को अपने टेनेसी संयंत्र के अलावा बाहर से आने वाले ऑटो पार्ट्स पर भी भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि कंपनी का कुल राजस्व 2.3 बढ़कर 80.3 अरब यूरो तक पहुँचा है, लेकिन यह बढ़त घाटे की भरपाई नहीं कर सकी।

दुबई से भारत का चावल महंगे दाम में खरीद रहा बांग्लादेश, राजनीतिक तनाव के चलते ट्रेड मार्ग बदला

ढाका। मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत और ढाका के बीच संबंधों में खटास आई। इसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश ने भारत से सीधे चावल आयात को कम कर दिया। सरकार का कहना है कि यह कदम भारत के साथ ट्रेड डेफिसिट को बढ़ने से रोकने के लिए लिया गया। बांग्लादेश फूड मिनिस्ट्री की योजना के अनुसार 100,000 टन चावल आयात किया जाएगा। इसमें 50,000 टन पारबॉयल्ड चावल म्यांमार से और 50,000 टन नॉन-बासमती पारबॉयल्ड चावल दुबई से खरीदा जाएगा। दुबई से खरीद का मूल्य यूएसडी 355.99 प्रति टन है, जबकि म्यांमार से यूएसडी 376.50 प्रति टन। कुल लागत लगभग 323 करोड़ रुपये होगी। विशेषज्ञों के अनुसार दुबई अपना अधिकांश चावल भारत से इम्पोर्ट करता है। बांग्लादेश को भारत से सीधे खरीदने का विकल्प मौजूद होने के बावजूद उसे एक इंटरमीडियरी कंपनी के जरिए दुबई से लेना पड़ रहा है। यह कदम अतिरिक्त खर्च पैदा कर रहा है और जनता के पैसों की बर्बादी माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वंदन के बजाय...

महागठबंधन में 30 महिला उम्मीदवार हैं। बसपा ने 130 उम्मीदवारों में 26 महिलाओं को मैदान में उतारा है, जबकि जनसुराज ने 25 महिलाओं को टिकट दिया है। संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण अनिवार्य करने वाला 2023 नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है, लेकिन महिलाओं को इसके क्रियान्वयन का अभी और इंतजार करना पड़ेगा। जब यह नियम लागू होगा (अगर हुआ) तो 243 निर्वाचन क्षेत्रों में से कम से कम 80 सीटों पर केवल महिला उम्मीदवार ही चुनाव लड़ेंगी।

यह मानते हुए कि चुनाव मैदान में उतरी सभी महिलाएं किसी न किसी राजनीतिक दल से जीतेंगी, पार्टियों को कम से कम 80 महिलाओं के नाम की ज़रूरत थी। जाहिर है, कोई भी पक्ष इसके आधे हिस्से को भी नहीं छू रहा है। हालांकि पार्टियां ज्यादा महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं हैं, लेकिन कम संख्या दर्शाती है कि महिलाओं के ज़्यादा प्रतिनिधित्व की मांग सिर्फ़ दिखावटी है, जो राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को दर्शाती है। बिहार के 7.45 करोड़ मतदाताओं में से लगभग आधी यानी 3.51 करोड़ महिला मतदाता हैं। पहले चरण में 1.98 करोड़ पुरुष और 1.77 करोड़ महिला मतदाता हैं, यानी कुल मतदाताओं में महिलाओं की संख्या 47 प्रतिशत है। दूसरे चरण में 1.95 करोड़ पुरुष और 1.74 करोड़ महिलाएं मतदान के पात्र हैं। कुल मतदाताओं में महिलाओं की संख्या भी 47 प्रतिशत है। यदि पार्टियों ने महिलाओं को उनकी मतदाता संख्या के अनुपात में मैदान में उतारा होता तो 258 के बजाय 1,200 से अधिक महिला उम्मीदवार होतीं।

पिछले कुछ चुनावों के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि 2005 से 2020 के बीच स्थिति में बहुत कम सुधार हुआ है। पिछली बार राज्य में पुरुष मतदाताओं की संख्या 2005 में ज्यादा थी। पुरुषों ने 47 प्रतिशत मतदान किया था, जबकि महिलाओं ने 45 प्रतिशत मतदान किया था। 2010 में, पुरुष एवं महिला मतदाताओं के बीच मतदान में सुधार हुआ, लेकिन महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया। महिलाओं का मतदान प्रतिशत 55 प्रतिशत रहा, जबकि पुरुषों का 51 प्रतिशत। इसका मतलब है कि पंजीकृत प्रत्येक 100 महिलाओं में से 55 महिलाएं मतदान केंद्र पर पहुंचीं। पुरुषों के लिए, यह प्रतिशत 100 में से 51 था। 2015 में पुरुषों का मतदान प्रतिशत 53 प्रतिशत था, जबकि महिलाओं का 60 प्रतिशत से ज्यादा था। 2020 में, महिलाओं ने 60 प्रतिशत मतदान के साथ, पुरुषों के 55 प्रतिशत के मुकाबले, किंगमेकर की भूमिका जारी रखी।

2005 में 138 महिलाओं ने चुनाव लड़ा और 25 सदन में पहुंचीं, जबकि 86 की जमानत जब्त हो गई। कुल 2,135 उम्मीदवार मैदान में थे। 2010 में 3,523 उम्मीदवारों में से 307 महिलाएं थीं और 34 सदन में पहुंचीं, जबकि 242 की जमानत जब्त हो गई। 2015 में, उम्मीदवारों और सदन में महिलाओं की हिस्सेदारी घट गई। 3,450 उम्मीदवारों में से 273 महिलाएं थीं, जिनमें से 28 सदन में पहुंच पाईं, जबकि 221 की जमानत जब्त हो गई। 2020 में, 3,733 उम्मीदवारों में से केवल 370 महिलाओं को चुनाव लड़ने का मौका मिला और 26 निर्वाचित हुईं। कुल 302 महिलाओं की जमानत जब्त हो गई। 3,362 पुरुष उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें से 217 सदन में पहुंच पाए। इस प्रकार, कुल उम्मीदवारों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 2005 में 16 में से 1 से बढ़कर 2010 में 12 में से एक और 2015 में 13 में से एक हो गया, तथा 2020 में यह बढ़कर 10 में से एक हो गया।

सदन में कुल सदस्यों की बात करें तो 2005 में हर 10 विधायकों में एक महिला थी, जो 2010 में बढ़कर सात में से एक हो गई, लेकिन अगले दो चुनावों में यह फिर से नौ में से एक हो गई। 2010 से 2020 के बीच, बिहार विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या में लगातार गिरावट आई है- 34 से घटकर 28 और फिर 26। 2005 से 2020 के बीच पिछले चार चुनावों में बिहार विधानसभा के लिए कुल 113 महिलाएं चुनी गईं, जो सदन की कुल संख्या का आधा भी नहीं है। बिहार में राबड़ी देवी बिहार की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री थीं। चारा घोटाले के आरोपों के बाद जब उनके पति लालू प्रसाद यादव को इस्तीफा देना पड़ा, तो उन्होंने उनकी जगह ली। इसलिए, जबकि महिलाओं ने मतदाता मतदान में अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाया है और राज्य की राजनीति में निर्णायक कारक रही हैं, वे वास्तव में सिंहासन पर बैठने में विफल रही हैं। 14 नवंबर को होने वाले 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे चाहे जो भी हों, राज्य में किसी महिला मुख्यमंत्री की उम्मीद कम ही है। बस एक ही चीज है जो कुछ बदलाव ला सकती है, वह है सदन में चुनी जाने वाली महिलाओं की कुल संख्या।

राज्य का विकास...

आयोजित रजत जयंती महोत्सव कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपए से अधिक की विकासात्मक और परिवर्तनकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवा रायपुर अटल नगर में शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा का भी अनावरण किया और शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन और अवलोकन किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह संग्रहालय राज्य के जनजातीय समुदायों के साहस, बलिदान और देशभक्ति की विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करेगा। प्रधानमंत्री नवा रायपुर स्थित सत्य साईं हॉस्पिटल गए और उन्होंने जन्मजात हृदय रोगों का सफल उपचार करा चुके 2500 बच्चों से मुलाकात की, जिनकी हार्ट सर्जरी इसी अस्पताल में हुई थी। बच्चों से आत्मीय बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने एक बच्चे को गले भी लगाया। इसके पश्चात्, पीएम मोदी ब्रह्मकुमारी संस्थान के शांति शिखर ध्यान केंद्र गए, जिसका उन्होंने उद्घाटन किया। इस केंद्र पर ब्रह्मकुमारी बहनों ने उन्हें पारंपरिक खुमड़ी पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध हस्तियों पद्म विभूषण तीजन बाई और लेखक पद्म भूषण विनोद कुमार शुक्ल से भी मिलकर उनका हालचाल जाना।

पूर्ण राज्य नहीं ...

सभी ने राज्य के दर्जे के नाम पर वोट मांगे। एलजी पर सीधा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, ये लोग राज्य के दर्जे से इतना क्यों डरते हैं? वे सत्ता क्यों नहीं छोड़ना चाहते? पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा, हमारे 26 मेहमान मारे गए और हमें काम करने की सलाह दी गई है। हम काम करना जानते हैं। आप अपना काम करें, हम अपना करेंगे।

सीएम उमर ने कहा, बताइए हमें कब तक इंतजार करना चाहिए? हमें बताया गया है कि इसे उचित समय पर बहाल कर दिया जाएगा। ठीक है, में इंतजार करूंगा, लेकिन मुझे बताइए कि सही समय का आकलन करने का पैमाना क्या है। हम उचित समय का आकलन कैसे करें? बहाली के नियम और शर्तें स्पष्ट होनी चाहिए ताकि हमारी सरकार को पता चले कि हमें इसके लिए क्या करना चाहिए। एक मुख्यमंत्री के रूप में मुझे पता होना चाहिए कि यही वह मील का पत्थर या लक्ष्य है जिसे हमें प्राप्त करना है। सीएम उमर के पिता फारूक अब्दुल्ला ने कहा, एलजी झूठ बोलते हैं। वह कभी सच नहीं बोलते हैं। आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के जरिए उन्होंने पूरा नियंत्रण कर रखा है। एक भी फाइल पास नहीं करते हैं।

भगदड़ में...

ऊपर गिरते चले गए। पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि हादसे के लिए मंदिर प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार माना जा रहा है। इस सिलसिले में मंदिर प्रशासक हरिमुकुंद पांडा के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या (आईपीसी धारा 304) के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही, राज्य सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया है। नायडू ने कहा, वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ की घटना से गहरा सदमा पहुंचा है। इस दुखद घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु अत्यंत हृदय विदारक है। मैंने अधिकारियों को घायलों को शीघ्र और उचित उपचार प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। राज्य के कृषि मंत्री केअत्चन्नायडू तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटना की जानकारी जुटाने के लिए मंदिर के अधिकारियों से बात की। उन्हें बताया गया कि वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ का दबाव बढ़ गया, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में कई लोगों की जान जाना अत्यंत दुखद है। राष्ट्रपति ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने इस हादसे पर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना जताते हुए घायलों के बेहतर इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह अत्यंत दुखद और हृदयविदारक घटना है, जिसे लेकर पूरे राज्य को गहरा आघात पहुंचा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस दर्दनाक हादसे पर शोक जताते हुए कहा, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं की मृत्यु से मैं गहरा दुखी हूं। मैं उन सभी परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि घायल श्रद्धालु शीघ्र स्वस्थ हों।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने श्रीकाकुलम जिले स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में एकादशी के मौके पर हुई भगदड़ की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए उमड़ी भारी भीड़ के कारण हुई इस भगदड़ में नौ श्रद्धालुओं की जान जाना अत्यंत दुखद है। इसमें बच्चों की मौत ने हम सभी को गहराई से झकझोर दिया है। पवन कल्याण ने कहा कि सरकार घायलों के उपचार के लिए सभी संभव कदम उठाएगी ताकि उन्हें बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके और वे जल्द स्वस्थ हों। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार हर प्रकार की सहायता प्रदान करेगी। उपमुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों से अपील की कि राज्य के सभी मंदिरों में धार्मिक अवसरों के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। तिरुपति में वैकुंठ एकादशी के दौरान छह श्रद्धालुओं की मौत हुई थी और सिंहाचलम मंदिर में सात लोगों की जान गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार हो रही इन त्रासदियों के बावजूद सरकार ने उचित सावधानियां नहीं बरत रही और चंद्रबाबू नायडू प्रशासन की घोर लापरवाही उजागर हुई है। जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि निर्दोष लोगों की बार-बार हो रही मौतें सरकार की अक्षमता को दर्शाती हैं और ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

यह चुनाव विधायक...

लखीसराय में उन्होंने डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के लिए लोगों से वोट की अपील की थी। मुंगेर में उन्होंने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के लिए वोट मांगे थे। इस दौरान शाह ने कहा, मुंगेर वालों यहां से भाजपा प्रत्याशी सम्राट चौधरी को जिताइए। मोदी जी इन्हें बहुत बड़ा आदमी बनाएंगे।

वहीं, नालंदा में अमित शाह ने कहा कि ये चुनाव किसी को विधायक या मंत्री बनाने के लिए नहीं हैं। ये चुनाव उस जंगलराज को रोकने के लिए हैं, जो अपना वेष बदलकर आएगा। लालू-राबड़ी के शासन में 38 नरसंहार हुए। नालंदा के कई लोग मौत के घाट उतरे गए थे। किडनैपिंग, हत्या, लूट जैसे गैरकानूनी काम होते थे। लेकिन नीतीश ने इस धंधे पर रोक लगा दिया और लालू के आतंक को समाप्त कर दिया।

बिहार चुनाव में ...

कि उनके ऊपर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें से 354 (27 प्रतिशत) पर तो गंभीर अपराधों के केस हैं, जैसे हत्या, हत्या का प्रयास, महिलाओं पर अत्याचार और बलात्कार के।

तथ्यों और आंकड़ों के मुताबिक 33 उम्मीदवारों पर हत्या से जुड़े केस यानि आईपीसी की धारा 302-303 और बीएनएस की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज हैं। 86 उम्मीदवारों पर हत्या प्रयास के केस अर्थात आईपीसी की धारा 307 और बीएनएस की धारा 109 के तहत केस दर्ज हैं। 42 उम्मीदवारों पर महिलाओं पर अत्याचार के केस, जिसमें दो प्रत्याशियों पर बलाकार (आईपीसी की धारा 376) के भी केस दर्ज हैं। इसके अलावा कई पर भ्रष्टाचार, चुनावी अपराध, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने और हत्या-बलात्कार जैसे संगीन अपराधों के केस हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि बिहार की राजनीति में अपराधीकरण कितना गहरा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद, जहां पार्टियों को दागी उम्मीदवारों को टिकट देने पर सफाई देनी पड़ती है, पार्टियां बेझिझक ऐसे लोगों को मैदान में उतार रही हैं। रिपोर्ट में ये भी जिक्र है कि चुनाव आयोग ने पार्टियों को वेबसाइट पर दागी उम्मीदवारों की जानकारी डालने का आदेश दिया है, लेकिन कई पार्टियां इसका पालन नहीं कर रही हैं।पार्टियों के हिसाब से बात करें तो राजद, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों वाला विपक्षी गठबंधन दागी उम्मीदवारों को टिकट देने में सबसे आगे है। वहीं, एनडीए की पार्टियों (भाजपा और जदयू) ने अपेक्षाकृत कम दागी उम्मीदवार उतारे हैं। सीपीआई (एमएल) (एल) के 14 उम्मीदवारों में से 13 (93 प्रतिशत) पर क्रिमिनल केस हैं। इनमें से 9 (64 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। ये वामपंथी पार्टी हमेशा गरीबों और मजदूरों की बात करती है, लेकिन उसके उम्मीदवारों पर हत्या, दंगा और सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के केस भरे पड़े हैं। सीपीआई (एम) के 3 में से 3 (100 प्रतिशत) उम्मीदवार पर गंभीर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। पहले चरण में सीपीआई-(एम) ने सिर्फ 3 उम्मीदवार उतारे हैं, लेकिन 100 प्रतिशत रेट के साथ सभी दागी हैं। सीपीआई के 5 में से 5 (100 प्रतिशत) पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें से 4 प्रत्याशियों (80 प्रतिशत) पर गंभीर अपराध के केस हैं।

पार्टी वाइज़ दागी प्रत्याशियों की संख्या देखें तो राजद के 70 उम्मीदवारों में से 53 (76 प्रतिशत) पर क्रिमिनल केस हैं। उनमें भी 42 (60 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। राजद सबसे ज्यादा दागी प्रत्याशियों को टिकट देने वाली पार्टी है। खुद चारा घोटाले में सजायाफ्ता लालू प्रसाद यादव की पार्टी को अब भी दागी नेताओं पर ही भरोसा है। कांग्रेस पार्टी के कुल 23 उम्मीदवारों में से 15 (65 प्रतिशत) पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इन 15 में से भी 12 (52 प्रतिशत) पर गंभीर केस दर्ज हैं। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के 114 उम्मीदवारों में से 50 (44 प्रतिशत) उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। उनमें भी 49 (43 प्रतिशत) पर गंभीर केस दर्ज हैं। यह पार्टी भले ही नई है, लेकिन उम्मीदवार पुराने दागी हैं। इसे नई बोतल में पुरानी शराब भी कह सकते हैं।

चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (रामविलास) भी दागी लिस्ट में है। चिराग की पार्टी के 13 में से 7 (54 प्रतिशत) उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं, जिसमें से (38 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी बिहार में नई है, लेकिन उसके उम्मीदवारों में भी दागी शामिल हैं। आप के 44 में से 12 (27 प्रतिशत) उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस हैं, जिसमें से 9 (20 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। बहुजन समाज पार्टी ने पहले चरण में 89 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, जिसमें से 18 (20 प्रतिशत) पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इन 16 (18 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। भाजपा के 48 में से 31 (65 प्रतिशत) पर क्रिमिनल केस हैं, जिसमें 27 (56 प्रतिशत) पर गंभीर केस हैं। भाजपा एनडीए की मुख्य पार्टी है, हालांकि दागी उम्मीदवारों के मामले में वो मुख्य विपक्षी पार्टियों से पीछे नजर आती है। जदयू के 57 में से सिर्फ 22 (39 प्रतिशत) उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस हैं। इनमें से 15 (26 प्रतिशत) पर गंभीर केस दर्ज हैं। आंकड़ों को देखेंगे तो दागियों के मामले में इंडी गठबंधन की पार्टियों की तुलना में नीतीश कुमार की पार्टी इस लिस्ट में सबसे पीछे है। ये आंकड़े बताते हैं कि जदयू अपर-ाधी छवि वालों से दूर रहने की नीति पर चल रही है।राजद पर सबसे ज्यादा सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि उसके 76 प्रतिशत उम्मीदवार दागी हैं। लालू प्रसाद यादव खुद चारा घोटाले में सजा काट चुके हैं और उनकी पार्टी अब भी ऐसे लोगों को टिकट दे रही है। राघोपुर से राजद के प्रत्याशी पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के ऊपर आईआरसीटीसी घोटाले में सीबीआई जांच चल रही है। इसके अलावा चुनावी हिंसा और सम्पत्ति से जुड़े कई केस दर्ज हैं। तेजस्वी हमेशा दावे करते हैं कि यह राजनीतिक साजिश है, लेकिन कोर्ट से लेकर तमाम चार्जशीट जो दाखिल हैं, उनमें कहीं बेगुनाही की बात नहीं कही गई है। एडीआर द्वारा जारी आंकड़ों में वही जानकारियां हैं, जो उन्होंने अपने शपथ पत्र में दी हैं। तेजस्वी यादव पर कुल 22 केस दर्ज हैं, इसमें आईपीसी के तहत 13 और बीएनएस की तहत 4 धाराओं में केस दर्ज हैं। गंभीर मामलों की संख्या 17 है। वैशाली की महनार विधानसभा सीट से उतरे राजद के वरिष्ठ नेता रवींद्र प्रसाद यादव पर 26 धाराओं में केस हैं। उनके ऊपर हत्या का प्रयास (आईपीसी 307) से लेकर महिला विरोधी अपराध तक के केस हैं।

रिपोर्ट कहती है कि राजद के 60 प्रतिशत उम्मीदवारों पर गंभीर केस हैं, जो हत्या, बलात्कार और भ्रष्टाचार से जुड़े हैं। पार्टी के मुखिया लालू हमेशा कहते हैं कि ये केंद्र की साजिश है, लेकिन वोटर अब सोच रहे हैं कि क्या राजद सच में बदलाव ला सकती है? क्योंकि जब ये सरकार यानी एनडीए की सरकार नहीं थी, तब भी तो लालू यादव के खिलाफ केस चल रहे थे। ये रिपोर्ट बिहार चुनाव को नई दिशा दे सकती है। विपक्ष दागी उम्मीदवारों से भरा है, जबकि एनडीए कम दागी टिकट देकर विश्वास जीत सकता है। बहरहाल, ये तो अब बिहार के मतदाताओं को सोचना है कि क्या दागी नेता उनके जीवन में बदलाव ला पाएंगे या फिर उन्हें चाहिए साफ-सुथरी इमेज वाली सरकार। अब 6 नवंबर को पहले चरण का मतदान होना है, जिसमें बिहार के मतदाता अपनी पसंद-नापसंद ईवीएम के जरिए चुन ही लेंगे। और फिर नतीजे 14 नवंबर 2025 को सामने आ जाएंगे कि बिहार के लोगों ने क्या चुना।

तुलसी विवाह की सम्पूर्ण विधि

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी के अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर तुलसी विवाह किया जाता है। इस खास अवसर पर तुलसी माता और विष्णुजी के स्वरूप शालिग्राम भगवान का विवाह होता है। साथ ही, तुलसी विवाह के दिन से ही शादी जैसे शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाती है। ऐसी मान्यता है कि तुलसी विवाह कराने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है और जातक के जीवन ने सभी दुख दूर हो सकते हैं। तुलसी विवाह को विधि-विधान से कराना बेहद जरूरी होता और साथ ही, पूजा के लिए सभी सामग्री होना भी आवश्यक है।

तुलसी विवाह पूजन सामग्री

शालिग्रामजी, तुलसी का पौधा, पूजा के लिए लकड़ी की चौकी, कलश, लाल रंग का वस्त्र, पानी वाला नारियल, फल और सब्जियां जैसे- सिंघाड़ा, अमरूद, अनार, आंवला, सीताफल आदि, कपूर, आम की लकड़ियां, चंदन, धूप, हल्दी की गांठ, सोलह श्रृंगार की सामग्री जैसे- बिछिया, पायल, सिंदूर, मेहंदी, चूड़ियां आदि।

तुलसी विवाह सम्पूर्ण विधि

जो लोग तुलसी विवाह करते हैं उन्हें कन्यादान करने के लिए व्रत जरूर रखना चाहिए। इस दिन शालिग्रामजी की ओर से पुरुष वर्ग और तुलसी माता की ओर से महिला वर्ग एक साथ इकट्ठे होते हैं।

तुलसी विवाह के दिन शाम के समय स्त्री और पुरुषों का वर्ग अच्छी तरह तैयार होकर विवाह के लिए इकट्ठा होते हैं। इसके लिए तैयारियां भी करनी होती हैं।

सबसे पहले अपने घर के आंगन में एक सुंदर सी रंगोली बना लें। इसके बाद, उस पर चौकी स्थापित करनी चाहिए। साथ ही, इस दिन आंगन में चौक को सजाया जाता है।

चौकी स्थापित करने के बाद तुलसी के पौधे को बीच में रखें और उन्हें अच्छी तरह तैयार कर लें। इसके लिए सोलह श्रृंगार की सामग्री और लाल रंग की चुनरी या साड़ी पहनानी चाहिए।

तुलसी माता को तैयार करने के बाद गन्ने का मंडप बनाएं और

अष्टदल कमल बनाकर चौकी पर शालिग्रामजी को स्थापित कर दें। उनका भी अच्छी तरह श्रृंगार करें।

अब कलश स्थापना के लिए पहले उसमें पानी भरें और कुछ बूंदें गंगाजल की भी मिलाएं। इसके बाद, आम के 5 पत्तों को रखकर उसके ऊपर नारियल रखें। लेकिन इससे पहले नारियल को लाल रंग के वस्त्र में जरूर लपेट लें।

कलश स्थापित करने के बाद एक चौकी पर शालिग्राम को तुलसी माता के दाहिनी ओर रखें। इसके बाद, घी का दीपक जलाएं और 'ओम श्री तुलस्यै नमः' मंत्र का जाप करें।

शालिग्राम और तुलसी के पौधे पर गंगाजल छिड़कें और फिर, शालिग्राम पर दूध और चंदन मिलाकर तिलक लगाएं। इसके बाद, तुलसी के पौधे पर रोली से तिलक लगाएं।

तिलक करने के पश्चात फल, फूल, सब्जी आदि सामग्री शालिग्राम और तुलसी माता को अर्पित करें। अब पुरुष शालिग्राम को अपनी गोद में उठाएं और महिला तुलसीजी को उठाएं।

अब तुलसी का 7 बार परिक्रमा करें और इस दौरान सभी लोग मंगल गीत गाएं। साथ ही, कुछ लोगों को विवाह के मंत्रों का उच्चारण करना चाहिए। इस दौरान ख्याल रखें कि मंत्र बोलते समय कोई गलती न हो।

परिक्रमा के बाद तुलसी माता और शालिग्राम जी को खीर व पूड़ी का भोग लगाएं। अब अंत में विधि-विधान से आरती करें और फिर, सभी लोगों को प्रसाद बांट दें।

तुलसी विवाह पूजन विधि और नियम

पद्म पुराण में कार्तिक शुक्ल नवमी को तुलसी विवाह का उल्लेख किया गया है। लेकिन अन्य ग्रन्थों के अनुसार प्रबोधिनी से पूर्णिमा पर्यन्त के पांच दिन अधिक फल देते हैं। व्रती को चाहिए कि विवाह के तीन मास पूर्व तुलसी के पेड़ को सिंचन और पूजन से पोषित करे। प्रबोधिनी या भीष्मपंचक अथवा ज्योति शास्त्रोक्त विवाह मुहूर्त में तोरण-मण्डपादि की रचना करके चार ब्राह्मणों को साथ लेकर गणपति-मातृकाओं का पूजन, नान्दीश्राद्ध और पुण्याहवाचन करके मन्दिर की साक्षात मूर्ति के साथ सुवर्ण के लक्ष्मीनारायण और पोषित तुलसी के साथ सोने और चांदी की तुलसी को शुभासन पर पूर्वाभिमुख विराजमान करे और सपत्नीक यजमान उत्तराभिमुख बैठकर 'तुलसी विवाह-विधि' के अनुसार गोधूलीय समय में 'वर' (भगवान) का पूजन, 'कन्या' (तुलसी) का दान, कुशकण्डी हवन और अग्नि-परिक्रमा आदि करके वस्त्राभूषणादि दे और यथाशक्ति ब्राह्मण भोजन कराकर स्वयं भोजन करे।

इस कथा का पाठ करने से ही पूर्ण होगा तुलसी विवाह

एक बार भगवान शिव ने अपना तेज समुद्र में फेंक दिया था। जिससे एक बालक का जन्म हुआ जिसका नाम जालंधर था। जालंधर महातेजस्वी था वह आगे चलकर एक पराक्रमी दैत्य राजा बना। लेकिन, जालंधर बेहद ही राक्षस प्रवृत्ती का था। जालंधर का विवाह दैत्यराज कालनेमि की पुत्री वृंदा से हुआ था। एक बार जालंधर के मन में पाप आया और उसने माता लक्ष्मी को पाने की कामना की। माता लक्ष्मी को पानी की इच्छा से उसने देवताओं को साथ युद्ध आरंभ कर दिया। जालंधर समुद्र से उत्पन्न हुआ था तो ऐसे में माता लक्ष्मी ने उसे अपना भाई मान लिया। इधर जालंधर पराजित हो चुका था। लेकिन, उसके मन का पाप यहीं नहीं ठहरा। इसके बाद वह देवी पार्वती को पाने की लालसा से कैलाश पर्वत पर पहुंच गया।

माता पार्वती को छल से पाने के लिए जालंधर भगवान शिव का रूप धारण कर माता पार्वती के पास कैलाश पर्वत पहुंचा। हालांकि, माता पार्वती ने अपने योग बल से उसे तुरंत ही पहचान लिया और माता अपनी शक्ति से वहां से तुरंत ही अंतर्ध्यान हो गईं। जालंधर बहुत क्रोधित हो गया और वह भगवान शंकर के साथ युद्ध करने लगा। देवा पार्वती तुरंत ही भगवान विष्णु के पास पहुंची। जालंधर की पत्नी वृंदा अत्यन्त पतिव्रता स्त्री थी। उसी के पतिव्रत धर्म की शक्ति से जालंधर न तो मारा जाता था और न ही पराजित होता था। जालंधर का वध करने के लिए वृंदा का सतीत्व का टूटना जरूरी था। इसके बाद भगवान विष्णु एक ऋषि का रूप धारण करके वन में पहुंचे। जहां वृंदा भ्रमण कर रही थी। भगवान विष्णु के साथ दो राक्षस भी वहां पहुंचे। जिन्हें देखकर वृंदा भयभीत हो गई। फिर भगवान विष्णु जो ऋषि के रूप में थे उन्होंने वृंदा के सामने पल में दोनों को भस्म कर दिया। इसके बाद ऋषि से वृंदा ने कैलाश पर्वत पर महादेव के साथ युद्ध कर रहे अपने पति जालंधर के बारे में पूछा।

ऋषि ने अपने माया जाल से दो वानर प्रकट किए। एक वानर के हाथ में जालंधर का सिर था तथा दूसरे के हाथ में धड़। अपने पति की यह दशा देखकर वृंदा मूर्छित हो कर गिर पड़ीं। जब वृंदा को होश आया तो उसने अपने पति को जीवित करने की विनती की। इसके बाद भगवान ने अपनी माया से जालंधर का सिर धड़ से जोड़ दिया लेकिन, खुद भी वह इसी शरीर में प्रवेश कर गए। भगवान विष्णु के इस माया जाल के बारे में वृंदा नहीं जानती थी कि उसके पति के शरीर में कोई ओर प्रवेश कर गया है। जालंधर बने भगवान के साथ वृंदा पतिव्रता का व्यवहार करने लगी, जिससे उसका सतीत्व भंग हो गया। ऐसा होते ही उधर कैलाश पर्वत पर वृंदा का पति जालंधर युद्ध में हार गया।

जब वृंदा को सारी बात विस्तार से पता चली तो तो उसने क्रोध में आकर भगवान विष्णु को हृदयहीन शिला होने का श्राप दे दिया। अपने भक्त के श्राप को भगवान विष्णु ने स्वीकार किया और शालिग्राम पत्थर बन गए। सृष्टि के पालनकर्ता के पत्थर बन जाने से ब्रह्मांड में असंतुलन की स्थिति हो गई। यह देखकर सभी देवी देवताओं ने वृंदा से प्रार्थना की वह भगवान विष्णु को श्राप मुक्त कर दें। वरना सारी सृष्टि का सर्वनाश हो जाएगा। देवताओं की प्रार्थना सुनने के बाद वृंदा ने भगवान विष्णु को श्राप से मुक्त तो कर दिया लेकिन, स्वयं आत्मदाह कर लिया। जहां वृंदा भस्म हुईं, वहां तुलसी का पौधा उगा। भगवान विष्णु ने वृंदा से कहा: हे वृंदा। तुम अपने सतीत्व के कारण मुझे लक्ष्मी से भी अधिक प्रिय हो गई हो। अब तुम तुलसी के रूप में सदा मेरे साथ रहोगी। तब से हर साल कार्तिक महीने की देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह के रूप में मनाया जाता है। भगवान विष्णु ने वरदान दिया कि जो मनुष्य भी मेरे शालिग्राम रूप के साथ तुलसी का विवाह करेगा उसे इस लोक और परलोक में विपुल यश प्राप्त होगा।

इसके अलावा तुलसी को वरदान प्राप्त है कि जिस घर में तुलसी रहेगी, वहां यम के दूत भी असमय नहीं जा सकते। मृत्यु के समय जिसके प्राण मंजरी रहित तुलसी और गंगा जल मुख में रखकर निकल जाते हैं, वह पापों से मुक्त होकर बैकुंठ धाम को प्राप्त होता है।

3 दिसंबर तक अपनी उच्च राशि कर्क में रहेंगे गुरु

गुरु ग्रह कर्क राशि में आ गया है और ये ग्रह 3 दिसंबर तक इसी राशि में रहेगा, इसके बाद वक्री रहते हुए मिथुन राशि में प्रवेश करेगा। अभी गुरु मार्गी है यानी आगे की ओर बढ़ रहा है। 12 नवंबर को ये वक्री हो जाएगा यानी पीछे की ओर चलने लगेगा। कर्क गुरु की उच्च राशि है। गुरु की अब अपनी ही राशि मीन में स्थित शनि पर नजर रहेगी, जो कि शुभ है। ये स्थिति कर्क, मकर, वृश्चिक और मीन राशि के लिए विशेष रूप से लाभकारी रहेगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि देवगुरु बृहस्पति बीते 19 अक्टूबर को दोपहर 12:57 मिनट पर कर्क राशि में प्रवेश कर चुके हैं। कर्क राशि के स्वामी ग्रह चंद्रदेव होते हैं और गुरु की चंद्रदेव के साथ मित्रता का भाव होता है। इसके अलावा गुरु कर्क राशि में उच्च के होते हैं। गुरु 3 दिसंबर तक इसी राशि में रहेंगे, फिर इसके बाद वक्री अवस्था में मिथुन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। आपको बता दें कि गुरु साल 2025 में दो बार गोचर करेंगे, दरअसल देवगुरु बृहस्पति के अतिचारी होने के कारण साल में दो बार राशि बदलेंगे। अतिचारी का मतलब गुरु अपनी सामान्य गति से तेज चलने के कारण दो बार राशि परिवर्तन करेंगे। आपको बता दें गुरु अभी मार्गी होकर संचरण कर रहे हैं और ये 12 नवंबर को वक्री हो जाएंगे। गुरु के राशि परिवर्तन के चलते इसका प्रभाव सभी राशियों के जातकों के ऊपर देखने को मिलेगा। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु बृहस्पति को शुभ और बहुत ही लाभकारी ग्रह माना जाता है। यह लगभग 13 महीनों के अंतराल पर राशि परिवर्तन करते हैं, जिसके बाद एक राशि से निकलकर दूसरी राशि में गोचर करते हैं।

साल 2025 में गुरु का गोचर बहुत ही खास रहने वाला है। देवगुरु बृहस्पति करीब किसी एक राशि में करीब 13 महीनों तक रहते हैं। इस वर्ष गुरु तीन बार अपनी राशि बदलेंगे, जिसके कारण गुरु अतिचारी होंगे। इस तरह का योग कई वर्षों बाद बनता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार देवगुरु बृहस्पति करीब 13 महीनों के बाद ही राशि परिवर्तन करते हैं। लेकिन इस वर्ष गुरु अतिचारी होकर दो बार राशि परिवर्तन करेंगे और दो बार इनकी चाल में बदलाव आएगा। गुरु के दो बार गोचर होने पर यह अतिचारी होकर सभी राशियों पर प्रभाव डालेंगे। नौ ग्रहों में शुभ फल देने वाले देवगुरु बृहस्पति साल 2025 में दो बार राशि बदलेंगे।

गुरु ग्रह 19 अक्तूबर को कर्क राशि में आ गया है। साल 2025 में गुरु कर्क राशि में रहते हुए अपनी

उच्च अवस्था में होंगे। ऐसे में कुछ राशि वालों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। 12 नवंबर 2025 को गुरु ग्रह कर्क राशि में रहते हुए वक्री हो जाएंगे। फिर इसी अवस्था में रहते हुए 03 दिसंबर 2025 को फिर से मिथुन राशि में गोचर हो जाएंगे। गुरु ग्रह कर्क राशि से निकलकर वक्री होकर मिथुन राशि में गोचर करेंगे

गुरु का गोचर

गुरु ग्रह शनिदेव के बाद दूसरे ऐसे ग्रह हैं जो सबसे धीमी चाल से चलते हैं। गुरु ग्रह हर एक राशि में करीब 13 महीनों तक रहते हैं, फिर इसके बाद दूसरी राशि में गोचर करते हैं। देवगुरु बृहस्पति कर्क राशि में उच्च के जबकि मकर राशि में नीच के माने जाते हैं। गुरु ग्रह 19 अक्तूबर को कर्क राशि में आ गया है। साल 2025 में गुरु कर्क राशि में रहते हुए अपनी उच्च अवस्था में होंगे। ऐसे में कुछ राशि वालों को इसका विशेष लाभ मिलेगा। 12 नवंबर 2025 को गुरु ग्रह कर्क राशि में रहते हुए वक्री हो जाएंगे। फिर इसी अवस्था में रहते हुए 03 दिसंबर 2025 को फिर से मिथुन राशि में गोचर हो जाएंगे।

असर

व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। दुनियाभर के कई देशों में सत्ता पक्ष के खिलाफ जनाक्रोश तीव्र हो सकता है। लोगों का धैर्य टूटने लगेगा, और सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन, जन आंदोलन और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिल सकती है। कुछ राष्ट्रों में यह आंदोलन इतने उग्र रूप ले सकते हैं कि वहां सत्ता

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

परिवर्तन, तख्तापलट, या सेना द्वारा सत्ता ग्रहण जैसी स्थितियां बन सकती हैं। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। हवाई जहाज़, ट्रेनों, और जहाजों में तकनीकी खराबी या मानवीय भूलों के कारण गंभीर घटनाएं होंगी। इसके अलावा, आगजनी, विस्फोट, गैस लीक, और फैक्ट्रियों में हादसे बढ़ सकते हैं। रक्षा उपकरणों और बिजली संयंत्रों में भी छोटी लापरवाहियां भारी तबाही का कारण बन सकती हैं।

भारत पर प्रभाव

स्वतंत्रता कुंडली के अनुसार बृहस्पति अष्टम और लाभ भाव के स्वामी हैं। कर्क राशि में प्रवेश के दौरान वे देश के तीसरे भाव में गोचर करेंगे, जो बहुत अनुकूल स्थिति नहीं मानी जाती। हालांकि लाभ भाव के स्वामी का उच्च राशि में होना कई मामलों में फायदा दिला सकता है। चंद्र राशि के अनुसार देखें तो बृहस्पति द्वादश भाव में रहेंगे, जिससे आर्थिक उतार-चढ़ाव की संभावना बनती है। ब्याज दरों में बढ़ोतरी या कर-नीतियों में बदलाव देखने को मिल सकता है। सकारात्मक पक्ष यह है कि विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सुधार होगा, जिससे अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे मज़बूत हो सकती है। कुल मिलाकर बृहस्पति का यह गोचर भारत के लिए मिले-जुले परिणाम देने वाला रहेगा।

तकनीकी क्रांति

बृहस्पति का यह गोचर ड्रोन, रक्षा तकनीक, और अंतरिक्ष अनुसंधान में आश्चर्यजनक सफलताएं मिल सकती हैं। चंद्रमा, मंगल, और अन्य ग्रहों पर मानव मिशनों की गति तेज़ होने की संभावना है। वैज्ञानिक शोध, औषधि निर्माण, और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों में भी नयी खोजें होंगी। इसके अलावा ए आई और क्वांटम कम्प्यूटिंग में क्रांतिकारी विकास संभव है।

उपाय- भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि देवगुरु बृहस्पति को प्रसन्न करने के लिए प्रतिदिन ॐ भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का एक माला जाप करें। साथ ही भगवान विष्णु को संभव हो तो पीले रंग के फल का भोग लगाकर प्रसाद के रूप में बांटें। देवगुरु को प्रसन्न करने के लिए बृहस्पतिवार के दिन दाल, हल्दी, पीले वस्त्र, बेसन के लड्डू आदि किसी योग्य ब्राह्मण को दान करें और केले के वृक्ष पर जल चढ़ाएं। जिन जातकों को रोग, शत्रु, आदि से परेशानी के साथ-साथ अपने कामकाज में अचानक से तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हो, वे नियमित रुप से राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें। देवगुरु बृहस्पति का यह उपाय परम कल्याणकारी सिद्ध होगा। प्रतिदिन भगवान श्री विष्णु की आराधना के बाद हल्दी और चंदन का तिलक करें। हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

गुरु के कर्क राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर कैसा असर दिखेगा

मेष – गुरु धन की आवक को कमजोर कर सकता है। धार्मिकता में कमी आएगी। व्यापार के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। बचत घटेगी एवं जमा पूंजी से खर्च करना पड़ सकता है।

वृषभ – गुरु बेहतर रहेगा। समय में सुधार होगा और प्रमोशन के मौके मिलेंगे। कई रुके कार्यों में गति आएगी, समय पर लक्ष्य पूरा करने में सफल होंगे।

मिथुन – गुरु पिछले समय की अपेक्षा कम लाभ देगा, लेकिन स्थिति संतोषजनक रहेगी। काम करने का मन नहीं बनेगा और आलस की अधिकता रह सकती है।

कर्क – धन की आवक में वृद्धि होगी। कर्ज की स्थितियों में सुधार होगा। धर्म के कार्यों में रुचि होगी। मनमाफिक कार्य होंगे।

सिंह – गुरु आय को प्रभावित कर सकता है। संभलकर रहना होगा। हर कार्य को सोच-समझकर करें। आय को सुरक्षित रखें। सरकारी लोगों से उलझने का प्रयास न करें, सभी दस्तावेज अपडेट रखें।

कन्या – गुरु विशेष आर्थिक लाभ की स्थिति बनाएगा। सफलता का दौर रहेगा। लक्ष्य प्राप्त करने में सफल होंगे। मनचाही कामनाएं भी पूर्ण होंगी। पारिवारिक मामलों में भी सुधार होगा।

तुला – गुरु आय में कमी नहीं आने देगा। अब समय सुधार का होगा। पिछले दिनों से आ रही परेशानियों का अंत होगा। स्वास्थ्य में सुधार संभव है।

वृश्चिक – गुरु पिछले सभी घाटों को पूरा करेगा। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। शत्रुओं का नाश होगा, अच्छी खबरों की प्राप्ति होगी। सरकार से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु – गुरु आर्थिक स्वतंत्रता नहीं देगा। बचत को महत्व देना होगा और संभलकर रहना होगा। ज्यादा दिखावे से बचें। धन का सदुपयोग करें। आवश्यक चीजों में ही व्यय करें।

मकर – गुरु स्थिति सामान्य बनाए रखेगा। छोटे-मोटे कार्य होते रहेंगे, धन की आवक सामान्य रहेगी। परिवार की स्थिति संतोषजनक रहेगी।

कुंभ – गुरु बेहतर रहेगा और बेरोजगारों को रोजगार की प्राप्ति होगी। नवीन वस्त्राभूषणों की प्राप्ति होगी। अन्य भौतिक सुखों में भी वृद्धि होगी। दिसंबर में किसी बड़े कार्य के होने की संभावना है।

मीन – गुरु मुनाफा बढ़ाएगा। व्यापार की तरक्की के साथ नौकरी करने वालों को भी प्रमोशन, धन का लाभ कराएगा। पद में वृद्धि होगी तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। गुरु राशि का स्वामी भी है, अतः यह समय हर दृष्टि से फायदेमंद रहेगा।

विनोद मेहरा का जीवन रहा बेरंग

70 के दशक के चॉकलेटी बॉय कहे जाने वाले दिग्गज अभिनेता विनोद मेहरा कम उम्र में ही दुनिया को छोड़कर चले गए। अभिनेता का निधन 30 अक्टूबर 1990 में हुआ था। उस वक्त वो अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'गुरुदेव' बना रहे थे। लेकिन, फिल्म को बिना पूरा किए ही दुनिया को अलविदा कह दिया। बाद में उनकी फिल्म को राज सिप्पी ने निर्देशित किया और 1993 में रिलीज किया। विनोद मेहरा ने हिंदी सिनेमा में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम किया था। इसके बाद 26 साल की उम्र में 1971 में आई फिल्म 'एक थी रीता' से डेब्यू किया। एक्टर इतने ज्यादा हैंडसम थे कि लड़कियों के बीच उनकी फैन-फॉलोइंग सबसे ज्यादा थी। भले ही पर्दे पर हीरोइनों के साथ उनकी लव स्टोरी धमाकेदार रहती थी, लेकिन असल जिंदगी में विनोद मेहरा की कई शादी टूटी।

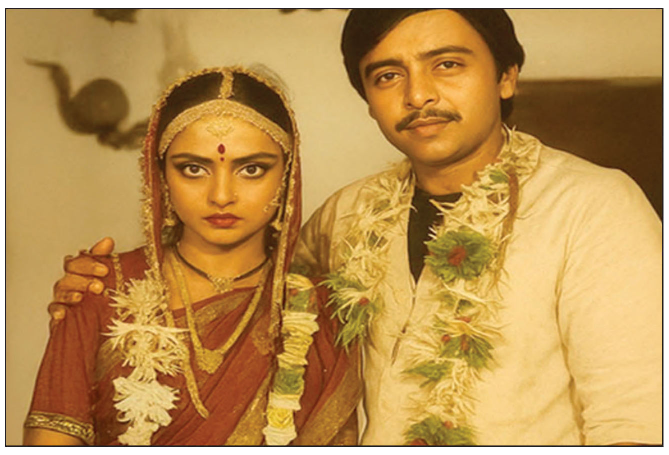

कहा गया कि विनोद मेहरा ने एक्ट्रेस रेखा के साथ भी शादी की थी, लेकिन ये शादी सिर्फ राज बनकर रह गई क्योंकि रेखा ने साल 2004 में सिमी ग्रेवाल के शो में विनोद मेहरा से शादी की बात को नकार दिया था। उन्होंने विनोद मेहरा को अपना अच्छा दोस्त और वेल-विशर बताया था। वहीं, किताब 'रेखा: एन अनटोल्ड स्टोरी' में इस बात का जिक्र किया गया कि दोनों फिल्मों के दौरान एक-दूसरे के प्यार में पड़े और कुछ समय तक डेट करने के बाद शादी कर ली। किताब के मुताबिक, रेखा और विनोद मेहरा ने गुपचुप तरीके से कोलकाता में शादी की थी, और शादी के बाद विनोद रेखा को अपनी मां का आशीर्वाद दिलाने के लिए अपने घर लेकर गए थे, लेकिन एक्टर की मां को ये बात रास नहीं आई और उन्होंने दोनों की शादी को स्वीकार नहीं किया।

बताया जाता है कि विनोद मेहरा की मां रेखा से नाराज हुई थीं, लेकिन विनोद ने मामला संभाल लिया। इस झगड़े के बाद विनोद ने रेखा को वापस घर लौट जाने के लिए कह दिया था।विनोद मेहरा ने मीडिया के सामने भी अपनी और रेखा की शादी का खुलासा किया था। उन्होंने 1990 में एक इंटरव्यू में कहा था कि उनकी और रेखा की शादी हुई थी।

30 अक्टूबर 1990 को विनोद मेहरा को दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। एक्टर पहले ही दिल संबंधी रोगों से जूझ रहे थे।

फिल्म 'इक्कीस' का ट्रेलर देख सनी देओल ने की धर्मेंद्र और अगस्त्य नंदा की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने अपने पिता और अभिनेता धर्मेंद्र की आने वाली फिल्म 'इक्कीस' का ट्रेलर देखा। इसे देखने के बाद वह धर्मेंद्र और फिल्म के एक्टर अगस्त्य नंदा की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। फिल्म के ट्रेलर पर प्रतिक्रिया देते हुए सनी देओल ने धर्मेंद्र के दमदार अभिनय की प्रशंसा की और कहा कि इस फिल्म के जरिए वह फिर से बड़े पर्दे पर धूम मचाने को तैयार हैं। गुरुवार को सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, पापा फिर से धमाल मचाने वाले हैं। आप बहुत अच्छे लग रहे हैं, पापा। मैं आपसे प्यार करता हूं। प्यारे अगस्त्य, ढेर सारी शुभकामनाएं, आप भी धमाल मचाएंगे। वो इक्कीस का था, इक्कीस का ही रहेगा। दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स पेश कर रहे हैं परमवीर चक्र विजेता सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की एक अनकही सच्ची कहानी, जिसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। 29 अक्टूबर को मेकर्स ने 'इक्कीस' का ट्रेलर रिलीज किया था। इसके ट्रेलर में परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल के साहस, सम्मान और बलिदान की झलक दिखाई गई। इस फिल्म से अगस्त्य नंदा बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं, जो एक बहादुर सैनिक की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें अभिनेता धर्मेंद्र, अरुण के पिता एमएल. खेत्रपाल की भूमिका निभा रहे हैं।

यह फिल्म एक पिता की भावनात्मक यात्रा को दर्शाती है, जब वह यह समझने की कोशिश करते हैं कि 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान उसके बेटे ने किस वजह से देश के लिए बलिदान दिया था। श्रीराम राघवन की फिल्म में अगस्त्य नंदा लीड रोल प्ले कर रहे हैं। यह फिल्म इसी साल दिसंबर में रिलीज होगी, मगर अभी इसकी रिलीज डेट फाइनल नहीं हुई है।फिल्म में अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी हैं। वह इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

मैंने अभी सब कुछ हासिल नहीं किया लोकप्रियता को लेकर सोनम बाजवा ने जाहिर की अपनी राय

पंजाबी और हिंदी दोनों फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी अभिनेत्री सोनम बाजवा अपने करियर को लेकर हमेशा जमीन से जुड़ी नजर आती हैं। भले ही सोनम आज अपनी लोकप्रियता के चरम पर हों, लेकिन वह खुद इसे पूर्ण सफलता नहीं मानती। वह हमेशा अपनी उपलब्धियों के लिए ईश्वर का धन्यवाद करती हैं। सोनम बाजवा ने अपनी फिल्मी यात्रा और अपने अनुभवों के बारे में आईएएनएस से खुलकर बातचीत की। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने अभी सब कुछ हासिल नहीं किया है। उनके लिए हर दिन मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी होगी। अगर मैं पंजाब की बात करूं, तो मैंने वहां बहुत सारी फिल्में की हैं। लेकिन हर फिल्म से पहले, मैं उतनी ही उत्साहित होती हूं जितनी साथ ही साथ नर्वस भी होती हूँ।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अभी मुझे बहुत मेहनत करनी होगी। अगर मैं पंजाबी इंडस्ट्री की बात करूं, तो मैंने बहुत सारी फिल्मों में काम किया है, लेकिन हर नई फिल्म से पहले मेरा उतना ही उत्साह होता है जितना मैं नर्वस महसूस करती हूं। उत्साह और नर्वसनेस दोनों ही मेरे काम का हिस्सा हैं और यह मुझे अपने काम को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है।''

सोनम ने बताया कि वह हमेशा सोचती रहती हैं कि कैसे वह अपने काम को और अच्छा बना सकती हैं, कैसे किसी फिल्म को और सफल बना सकती हैं।

उन्होंने कहा, ''मेरे लिए हर फिल्म एक नई चुनौती होती है और इसे सफल बनाने की कोशिश मेरे काम का अभिन्न हिस्सा है। केवल लोकप्रियता या प्रशंसा से सफलता का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। असली सफलता तब है जब मैं खुद अपने काम से संतुष्ट हूं और लगातार खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करती रहूं।''

सोनम बाजवा ने आगे कहा, ''मुझे नहीं पता कि लोग मुझे कैसे देखते हैं, लेकिन मैं अपने काम में काफी आत्मविश्वासी हूं। फिर भी, हमेशा लगता है कि मैं और बेहतर कर सकती थी। हर नई भूमिका मेरे लिए एक चुनौती होती है और मैं इसे पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाती हूं। नर्वसनेस और उत्साह मुझे लगातार प्रेरित करते हैं। इसी वजह से मैं कभी भी नहीं मानती कि मैंने पूर्ण सफलता हासिल कर ली है।'' अपने करियर को लेकर सोनम का मानना है कि उन्हें जो कुछ भी मिला है, वह उनकी मेहनत के साथ-साथ ईश्वर की कृपा का भी परिणाम है। अभिनेत्री कहती हैं कि वह हर कदम पर शुक्रगुजार रहती हैं और अपने काम को और बेहतर बनाने की कोशिश करती रहती

शाहरुख का जन्मदिन आज

बड़े पर्दे पर दिखेंगी 'किंग खान' की यादगार फिल्में

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान की फिल्मों ने दशकों से दर्शकों के दिलों पर राज किया है। उनके अभिनय का जादू और स्क्रीन पर मौजूद उनके करिश्माई अंदाज ने उन्हें न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में एक बड़ी पहचान दी है। शाहरुख खान की फिल्मों ने हमें कई बार प्यार, दर्द, हिम्मत और दोस्ती की कहानियों से रूबरू कराया है। उनके करियर में रोमांस, एक्शन, कॉमेडी और ड्रामा, हर तरह की कहानियां शामिल हैं, जो लोगों के दिलों को छू जाती हैं। अब, शाहरुख खान अपने 60वें जन्मदिन की ओर बढ़ते हुए फैंस के लिए एक खास तोहफा लेकर आए हैं। उन्होंने अपने सिनेमा सफर को यादगार बनाने के लिए एक खास फिल्म फेस्टिवल का ऐलान किया है। इस फेस्टिवल का उद्देश्य शाहरुख खान के करियर की सबसे यादगार फिल्मों को बड़े पर्दे पर फिर से पेश करना है। जिस अदाकारी और किरदार ने लोगों के दिलों पर छाप छोड़ी, अब दर्शकों को उन्हें फिर से थिएटर्स में देखने का मौका मिलेगा। शुक्रवार को शाहरुख ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए फेस्टिवल की घोषणा की और कहा कि उनके लिए यह जरूरी नहीं है कि लोग उन्हें कौन मानते हैं या कौन नहीं, बल्कि यह मायने रखता है कि सिनेमा की रोशनी, कैमरा और थोड़ी सी मोहब्बत अभी भी चल रही है। उन्होंने अपने फैंस को इस फेस्टिवल में आने के लिए आमंत्रित किया।

वीडियो को पोस्ट करते हुए शाहरुख ने कैप्शन में लिखा, मैं कौन हूं, कौन नहीं... कोई फर्क नहीं पड़ता, जब तक लाइट्स, कैमरा और थोड़ा सा प्यार बरकरार है। आज से पीवीआर आईनॉक्स के सहयोग से देश भर के चुनिंदा सिनेमाघरों में 'शाहरुख खान फिल्म फेस्टिवल' शुरू हो रहा है।

फेस्टिवल में शाहरुख की कई हिट फिल्मों को शामिल किया गया है। इनमें 'कभी हां कभी ना', 'दिल से', 'देवदास', 'मैं हूं ना', 'ओम शांति ओम', 'चेन्नई एक्सप्रेस', और उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जवान' शामिल हैं। ये फिल्में भारत में चुनिंदा पीवीआर और आईनॉक्स सिनेमाघरों के साथ-साथ सिनेपोलिस के कुछ स्क्रीन पर दिखाई जाएंगी। इसके अलावा, वाईआरएफ इंटरनेशनल के माध्यम से यह फेस्टिवल मध्य पूर्व, अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी प्रदर्शित होगा।शाहरुख खान 2 नवंबर को अपना 60वां जन्मदिन मना रहे हैं, और इस अवसर पर उनके करियर की झलक दिखाने के लिए दो हफ्तों का बड़ा फेस्टिवल आयोजित किया गया है। भारत में यह आयोजन 30 से अधिक शहरों के 75 से ज्यादा सिनेमाघरों में पीवीआर और आईनॉक्स के जरिए किया जाएगा।

बॉलीवुड के बैड बॉयज का रियूनियन रजा मुराद ने शेयर की रंजीत किरण कुमार और गुलशन ग्रोवर संग तस्वीर

हिंदी सिनेमा में खलनायकों का भी एक दौर था, जिनकी झलक से भी दर्शकों की सांसें थम जाती थीं। इन्ही में से थे रंजीत, रजा मुराद, किरण कुमार और गुलशन ग्रोवर। भले ही ये अब सिल्वर स्क्रीन पर कम नजर आते हैं, लेकिन एक समय था, जब सिल्वर स्क्रीन पर इनका खूब बोल-बाला था। इसी बीच दर्शकों को पुराने दौर के विलेन की याद दिलाने के लिए अभिनेता रजा मुराद ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट की। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर पोस्ट की, उसमें रजा मुराद के साथ किरण कुमार और गुलशन ग्रोवर भी नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने पोस्ट कर मजाकिया अंदाज में कैप्शन लिखा, भारत के चार सबसे शरीफ, सीधे-सादे मासूम भोले-भाले महापुरुष। बता दें कि हिंदी सिनेमा में एक खलनायकी का दौर था, जब कुछ चुनिंदा चेहरे विलेन का दमदार रोल निभाते थे। इन्हीं में से थे रजा मुराद, किरण कुमार और गुलशन ग्रोवर। इन्होंने खलनायक बनकर काफी नाम कमाया। जहां रंजीत खतरनाक विलेन के तौर पर जाने जाते थे, तो रजा मुराद की दमदार आवाज ही दर्शकों को चुप करा देती थी। ऐसे ही किरण कुमार की उपस्थिति ही काफी होती थी और गुलशन ग्रोवर एक 'बैड मैन' थे, जिन्होंने विलेन के किरदार इतनी शिद्दत से निभाए कि अपनी खलनायक की छवि को नहीं तोड़ पाए। उनकी 'बैडमैन' इमेज अपने आप में एक ब्रांड भी बन गई।

हालांकि, चारों को एक साथ किसी भी फिल्म में साथ में नहीं देखा गया है, लेकिन रजा, गुलशन और रंजीत साल 1997 की एक्शन फिल्म 'शपथ' में साथ नजर आ चुके हैं। फिल्म का निर्देशन राजीव बब्बर ने किया था, जिसमें मिथुन चक्रवर्ती, जैकी श्रॉफ, रम्या कृष्णा और शक्ति कपूर मुख्य भूमिका में थे। 12 दिसंबर 1997 को रिलीज हुई 'शपथ' बॉक्स ऑफिस पर सेमी-हिट साबित हुई। इसमें खलनायकों ने शानदार काम किया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। आज आपकी कल-त्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत पर ग़ौर करने की ज़रूरत है। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। पुराने परिचितों से मिलने-जु-लने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है । एक अहम प्रोजेक्ट- जिसपर आप काफ़ी अरसे से काम कर रहे थे- टल हो सकता है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस-पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। सेमिनार आदि में भागीदारी आपके व्यावसायिक सम्पर्कों में सुधार लाएगी। शादिशुदा ज़िन्दगी के तमाम मुश्किल दिनों के बाद आप और आपका हमदम फिर प्यार को महसूस कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी- लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस-पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ख़ुशनसीब हैं कि आपके ऐसे सगे-संबंधी हैं। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम-काज और रुपये-पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। एक बार आप अपने हमक़दम को हासिल कर लें, तो ज़िन्दगी में किसी और की ज़रूरत नहीं होती। इस बात को आज आप गहराई से महसूस करेंगे। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी भावनाओं पर, ख़ास तौर पर गुस्से पर, क़ाबू रखें। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। अगर थोड़ी-सी कोशिश करेंगे तो जीवनसाथी के मतभेद दूर होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वयं को शांत बनाए रखें , ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 02 नवंबर 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी प्रातः 07:33 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद सायं 05:04 तक
योग : व्याघात रात्रि 11:10 तक
करण : विष्टि प्रातः 07:33 तक
चन्द्रराशि : कुंभ प्रातः 11:27 तक
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव उठनी एकादशी व्रत , तुलसी विवाह , चातुर्मास व्रत समाप्त , भीष्म पंचक व्रत आरंभ , पंचक चालू है , भद्रा प्रातः 07:33 तक , मन्वादि तिथि, कार्तिक मासे दीप-दानम् विशेषः

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बैंक ग्राहक हित को सर्वोपरि रखें : संजय मल्होत्रा

उदयपुर, 01 नवम्बर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गर्वनर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि ग्राहकों से ही बैंक का अस्तित्व है, इसलिए बैंककर्मियों को चाहिए कि वे ग्राहक हित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें और अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक वित्तीय समावेशन का लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाते हुए विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में योगदान दें।श्री मल्होत्रा ने शनिवार को भुवाना स्थित सॉलिटेयर गार्डन एंड बैंक्वेट में आरबीआई की ओर से वित्तीय क्षेत्र में अदावाकृत संपत्ति के निपटान के लिए 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' अभियान के तहत आयोजित विशेष शिविर को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरबीआई की ओर से जो भी नियम-कायदे बनाये जाते हैं, वे ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखकर होते हैं। बैकों को चाहिए कि वे उन नियमों की सही व्याख्या करते हुए यथासंभव ग्राहकों को राहत उपलब्ध करायें।श्री मल्होत्रा ने बताया कि बैंकिंग अब सुविधा नहीं आवश्यकता का रूप ले चुकी है। आज से 30 वर्ष पहले तक हम साक्षरता की बात करते थे।

ग्यारह वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर सभी के लिए बैंक खाता खुलवाने की जनधन खाता मुहिम चली और अब हम डिजिटल साक्षरता पर बात कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजस्थान में 100 प्रतिशत लोग नेट बैंकिंग, मोबाइल एप अथवा युपीआई के माध्यम से डिजिटल साक्षरता से जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही हमें डिजिटल धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों से भी सावधान रहने की आवश्यकता है।श्री मल्होत्रा ने 'आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान' के बारे में कहा कि देश भर में करोड़ों बैंक खाते ऐसे हैं, जिनमें करोडों रुपये की राशि पड़ी है, जिस पर किसी प्रकार का दावा नहीं हो रहा है। इनमें सरकारी खातों के अलावा आमजन के खाते अधिक हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व में कई लोग बैंक खाता खुलवाकर उसमें रकम जमा कराते थे, लेकिन बाद में उनकी मृत्यु होने और परिजनों को इसकी जानकारी नहीं होने से वह राशि खातों में ही रह जाती है। आरबीआई के माध्यम से इसी राशि को संधित हकदार तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में विभिन्न स्थलों पर शिविर आयोजित कर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किये जा रहे हैं।उन्होंने आमजनों से खातों के प्रति जागरूक रहकर अपनी अदावाकृत संपत्ति को प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने बैंकिंग सेवाओं की पहुंच दूरदराज तक सुनिश्चित करने के लिए बैंक बीसी की संख्या बढ़ाने तथा स्वयंसहायता समूह की महिलाओं को बैंक सखी के रूप में जोड़ने का भी आह्वान किया।भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य महाप्रंधक मेरी सगस्या डी ने इस मौके पर बताया कि इस अभियान के तहत राज्यभर में 31 दिसंबर तक चरणबद्ध रूप से प्रत्येक जिले में जागरूकता एवं सहायता शिविर आयोजित किये जायेंगे, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस जनकल्याणकारी पहल का लाभ उठा सकें।

स्टील फैक्ट्रियों से निकल रही जहरीली गैस बनी खतरा

जोधपुर,01 नवम्बर (एजेंसियां)। बासनी औद्योगिक क्षेत्र की स्टील फैक्ट्रियों से निकलने वाले तेज़ाबी एवं रासायनिक मिश्रित पानी को सांगरिया स्थित CEPT प्लांट तक पहुंचाने के लिए सालावास रोड पर पीवीसी पाइप लाइन बिछाई गई है। इस पाइपलाइन के जरिए फैक्ट्रियों का हानिकारक रसायन युक्त पानी ट्रीटमेंट प्लांट में भेजा जाता है। लेकिन स्थानीय लोगों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय वह पाइप है जिसे जहरीली गैस की निकासी के लिए बाहर की ओर निकाला गया है। इस पाइप से लगातार जहरीली गैस निकल रही है, जो सालावास रोड स्थित 220 जीएस बिजलीघर के निकट रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस गैस के कारण इलाके में अस्थमा, टीबी, फेफड़ों में जलन, लगातार खांसी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। कई लोग सांस लेने में कठिनाई और सीने में जलन जैसी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि हालात इतने खराब हैं कि बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं, जिससे सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों का भी मानना है कि खुले में इस प्रकार जहरीली गैस का उत्सर्जन सुरक्षा मानकों के खिलाफ है और यह सीधे तौर पर मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक है।

भीलवाड़ा न्यास की लॉटरी को लेकर जोधपुर उच्च न्यायालय मे लगी रीट याचिका

भीलवाड़ा,01 नवम्बर (एजेंसियां)। नगर विकास न्यास भीलवाड़ा द्वारा विगत दिनो स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक अशोक कोठारी, जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू एवं नगर विकास न्यास सचिव ललित गोयल सहित अन्य जनप्रतिनिधियो एवं आलाअधिकारियो की मोजूदगी मे निकाली गई 3081 भूखण्डो की लॉटरी को स्थगित (स्टे) करने की मांग को लेकर जोधपुर उच्च न्यायालय मे शहर के नवीन शर्मा, रतन लाल गुर्जर, मैना देवी जैन, जयदीप सिंह राठौड़, योगेन्द्र सिंह राठोड़ व किशन सोनी ने अपने अधिवक्ता रवि पंवार के माध्यम से 28 अक्टूबर को याचिका पेश की है। याचिका मे राज्य सरकार, रजिस्ट्रार, जिला कलक्टर एवं नगर विकास न्यास को पार्टी बनाया गया है। याचिका मे मांग की गई है कि न्यास द्वारा संविधान की धारा 226 के तहत मौलिक अधिकारो का हनन किया गया है। वही याचिकाकर्ता के वकील रवि पंवार द्वारा 30 अक्टूबर को लॉटरी पर स्टे देने के लिए लिखित मे आरग्युमेन्ट पेश किये है। याचिका पर अग्रिम दिनांक न्यायालय द्वारा अभी नही दी गई है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह की बड़ी सफलता

प्रतापगढ़ पुलिस ने जब्त की 5 करोड़ की एमडी ड्रग, एक तस्कर गिरफ्तार

प्रतापगढ़,01 नवम्बर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के विशेष निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत प्रतापगढ़ पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। डीएसटी और थाना हथुनिया की संयुक्त टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब ₹5 करोड़ कीमत की 2 किलो 227 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग जब्त की है। एसपी आदित्य ने बताया कि शुक्रवार 31 अक्टूबर को पुलिस उप अधीक्षक वृत्त प्रतापगढ़ गजेन्द्र सिंह राव के मार्गदर्शन में डीएसटी और थानाधिकारी हथुनिया इन्द्रजीत परमार मय जाप्ते के साथ बागलिया से बरोठा जाने वाले रोड पर गहन नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान एक बिना नंबरी अपाचे मोटरसाइकिल बागलिया की तरफ से आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने जब चालक को रुकने का इशारा किया, तो उसने नाकाबंदी की साइड से भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने त्वरित घेराबंदी कर मोटरसाइकिल चालक को धर दबोचा।

पकड़े गए मोटरसाइकिल चालक ने अपना नाम अकबर पठान पुत्र डेरान खान (40) निवासी कोटडी बताया। भागने का संतोषजनक कारण न बताने पर पुलिस टीम ने उसकी और मोटरसाइकिल की तलाशी ली। तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल के बैग से कुल 02 किलो 227 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद हुई। पूछताछ में अकबर खान ने खुलासा किया कि वह यह एमडी बदरू उर्फ पीर मोहम्मद निवासी बागलिया से लाया था और इसे नयुम पुत्र नमरोज खान पठान निवासी कोटडी को देने जा रहा था।पुलिस ने बिना किसी अनुज्ञापत्र के अवैध मादक पदार्थ के परिवहन पर अकबर खान को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। अवैध एमडी और परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबरी मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया। थाना हथुनिया पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है, जिसका अनुसंधान थानाधिकारी अरनोद हजारीलाल के जिम्मे सौंपा गया है।

स्कूल वैन और एसयूवी की टक्कर में दो बच्चों की मौत

कोटा,01 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले में शनिवार सुबह स्कूल वैन और एसयूवी की आमने-सामने की टक्कर में दो स्कूली बच्चों की मौत हो गई और 10 से ज्यादा घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इटावा थाना क्षेत्र में 132 केवी ग्रिड स्टेशन के पास यह दुर्घटना तब हुई, जब स्कूल वैन का एक टायर अचानक फट गया, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा। वैन विपरीत लेन में जा घुसी और सामने से आ रही एक एसयूवी से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन पलट गए और एसयूवी सड़क से लगभग 20 फीट दूर जा गिरी। वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और स्कूल बैग व किताबें सड़क किनारे बिखर गईं। तेज टक्कर और बच्चों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का काम करेगी लाड़ो लक्ष्मी योजना : डा.पूनिया

चंडीगढ़,01 नवम्बर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। डा. पूनिया ने हरियाणा के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी हरियाणवासियों को शुभकामनाएं देते हुए हरियाणा की खुशहाली और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डा. पूनिया ने दीनदयाल लाड़ो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के खातों में पहली किस्त 2100 रुपये जारी करने पर नायब सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि लाड़ो लक्ष्मी योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का काम करेगी। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा ने हर क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों के अथक परिश्रम और मेहनत से हरियाणा नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान, जवान और पहलवान समृद्ध एवं सशक्त भारत की पहचान हैं। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से भाजपा सरकार हरियाणा में बिना भेदभाव किए तेजी से विकास के कार्य करा रही है। हरियाणा की महिलाओं को दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना की पहली किस्त जारी करने पर भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि लाडो लक्ष्मी योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में नायब सरकार का यह बड़ा कदम है।

डा. पूनिया ने कहा कि भाजपा जो संकल्प लेती है उसे पूरा करती है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जो संकल्प लिए हैं उन्हें नायब सरकार लगातार पूरा कर रही है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार ने पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली की शुरुआत कर पारदर्शी कार्यशैली का प्रमाण दिया है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार जनहित में निर्णय लेकर लोगों की सेवा कर रही है। अपने हर वादे को पूरा कर रही रही है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों का विकास ही भाजपा सरकार का लक्ष्य है। बिहार विधानसभा चुनाव पर डा. सतीश पूनिया ने कहा कि लोगों की पसंद एनडीए सरकार है। बिहार की जनता बिहार के विकास और तरक्की के लिए एनडीए की सरकार बनाने जा रही है।उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को पीएम मोदी और सीएम नीतिश कुमार पर भरोसा है। लोगों को इस बात पर भी भरोसा है कि भाजपा जो कहती है वह करके दिखाती है। डा. पूनिया ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी।

हरियाणा की प्रगति प्रदेशवासियों की कड़ी मेहनत का परिणाम: राज्यपाल घोष

पंचकूला,01 नवम्बर (एजेंसियां)। हरियाणा के 60वें स्थापना दिवस के अवसर पर पंचकूला में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान, राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने प्रदेशवासियों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा की प्रगति उन्हीं की दृढ़ता का परिणाम है। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा की संस्कृति एवं विरासत का भविष्य सुनहरा है।

राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से हरियाणा ने स्वास्थ्य, शिक्षा, औद्योगिक विकास, निवेश प्रोत्साहन और कानून-व्यवस्था सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के सिद्धांत पर कार्य कर रही है, जो 'विकसित भारत व विकसित हरियाणा' के विजन को साकार करने का रोडमैप है। राज्यपाल ने कहा कि 1 नवंबर, 1966 को गठन के बाद से, हरियाणा निरंतर विकास और समृद्धि के पथ पर अग्रसर है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि हरियाणा ने अपने गठन के बाद से गरीबी से समृद्धि तक कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं : हरियाणा देश के क्षेत्रफल का केवल 1.34% और जनसंख्या का 2.09% होने के बावजूद देश के सकल घरेलू उत्पाद में 3.6% का योगदान दे रहा है।

हर गांव, हर नागरिक तक विकास की रोशनी पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य : बडौली

सोनीपत,01 नवम्बर (एजेंसियां)। हरियाणा का 60वां स्थापना दिवस शनिवार को प्रदेश सरकार और भाजपा संगठन की ओर से पूरे उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ प्रदेश भर में मनाया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली भाजपा कार्यालय सोनीपत में आयोजित हरियाणा स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर कार्यालय में कलाकारों ने हरियाणवीं लोक कलाओं पर आधारित शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश की। प्रदेश अध्यक्ष ने लोक कलाकारों की जमकर प्रशंसा भी की। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने प्रदेशवासियों को हरियाणा दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि म्हारे किसान, जवान और पहलवान समृद्ध एवं सशक्त भारत की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा आज सुशासन एवं जनकल्याण के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनसुविधाओं का विस्तार हो रहा है तथा नायब सरकार विकसित हरियाणा बनाने में जुटी है।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज हम सब गौरवशाली राज्य हरियाणा के स्थापना दिवस को उत्सव मना रहे हैं। हरियाणा की यह वह धरती है जिसने देश को अनगिनत वीर योद्धा, विश्व स्तरीय खिलाड़ी और मेहनतकश किसान और मजदूर दिए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान शौर्य, परिश्रम और संस्कार है। यह प्रदेश न केवल खेतों में स्वर्ण उपजाता है, बल्कि देश के विकास में भी स्वर्णिम अध्याय लिखता है।

बड़ौली ने कहा कि भाजपा की सरकार ने हरियाणा को नई दिशा और नई ऊर्जा दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर सुशासन, विकास और जनकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। हरियाणा की नायब सरकार हर वर्ग के उत्थान, युवाओं के सशक्तिकरण और किसानों की समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

बड़ौली ने कहा कि हरियाणा को आत्मनिर्भर, सशक्त और समर्थ बनाने के लिए हरियाण की नायब सरकार दृद्ध संकल्पित है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हर जिला, हर गांव, हर नागरिक तक विकास की रोशनी पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने हरियाणा दिवस पर हर हरियाणवीं का आह्वान करते हुए कहा कि हर नागरिक यह संकल्प लें कि हम सब एकजुट होकर हरियाणा एक, हरियाणवीं एक के मंत्र को आत्मसात करते हुए अपने हरियाणा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के खातों में 2100 रुपये डालने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वह संकल्प के साथ पूरा करती है। बड़ौली ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जो वादे किए थे उन वादों को नायब सरकार संकल्पित होकर पूरा कर रही है।

कर्नाटक राज्योत्सव पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

अगली कैबिनेट बैठक में सरकारी कार्यालयों में अनिवार्य रूप से कन्नड़ झंडा फहराने का निर्णय: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कहा कि नवंबर के पूरे महीने के दौरान निजी और सरकारी कार्यालयों में कन्नड़ ध्वज फहराना अनिवार्य करने के बारे में अगली कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया जाएगा।

कर्नाटक राज्योत्सव के मौके पर शहर के कांतिरवा स्टेडियम में आयोजित स्कूली बच्चों के जुलूस में उन्होंने सलामी ली और इससे पहले उन्होंने विधान सौधा की भुवनेश्वरी प्रतिमा के पास मीडिया से बात की। कर्नाटक सिर्फ एक राज्य नहीं है, यह संस्कृति का स्थान है। कन्नड़ सिर्फ एक भाषा नहीं है, यह हमारी अंतरतम भाषा है। कन्नड़ जीवन जीने का एक तरीका है। उन्होंने छात्रों से कहा कि हम सभी को कन्नड़ को अंग्रेजी और हिंदी भाषा के हमलों से बचाना चाहिए। कन्नड़ का इतिहास लगभग दो हजार वर्ष पुराना है। इस धरती में कुछ खास छिपा है। जो लोग यहां आते हैं वे किसी भी कारण से वापस नहीं जाते हैं। हमारा समावेशी कर्नाटक शांतिपूर्ण है। बाहर से आये लोगों को भोजन और आवास भी मिला। यह हमारी कन्नड़ माता है। यहां का सबसे अच्छा मौसम पूरे देश में कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और जल-जमीन में सभी को आकर्षित करने का गुण है। सभी कन्नडिगाओं को एकजुट होना चाहिए। हमें कन्नडिगाओं के त्याग, बलिदान और कड़ी मेहनत को नहीं भूलना चाहिए। इस भाषा, भूमि, जल और ध्वज का सम्मान कई बुजुर्गों ने कायम रखा है। देश के किसी भी राज्य का कोई ध्वज या राष्ट्रगान नहीं है। लेकिन हमारे पास दोनों हैं। विधान सौधा के परिसर में मां भुवनेश्वरी की प्रतिमा स्थापित की गई है। यह वर्ष समृद्धि से भरा है। उन्होंने कहा कि एक साल में तीन बार केआरएस बांध भर गया। जैसा कि कुवेम्पु ने कहा, कर्नाटक शांति का उद्यान है। हम सभी को जाति और धर्म छोड़कर सह-अस्तित्व में कर्नाटक की समृद्धि के लिए काम करना चाहिए। बेंगलूरु विश्व स्तर पर चमक रहा है। दुनिया के लोग हमें देख रहे हैं। हम सभी को कन्नड़ और कर्नाटक को वैश्विक स्तर पर ले जाना है। स्कूली बच्चों की हलचल देखकर मुझे भी अपने बचपन के दिन याद आ जाते हैं। मैंने भी वर्दी पहनी और अनुशासन के साथ चला। मैंने एक बास ड्रम वादक के रूप में शुरुआत की। उन्होंने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्हें इसी स्टेडियम में चलना याद है। कन्नड़ का गौरव सम्राट अशोक के काल से ही रहा है। कन्नड़ और कर्नाटक का इतिहास मीडिया द्वारा अच्छी तरह से रिपोर्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि वह कर्नाटक के सभी लोगों को कर्नाटक राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हैं।

अंतरराज्यीय ड्रग रैकेट पर ईडी शिकंजा

4 राज्यों में छापे, अंजना-केवल की संपत्ति सीज

चंडीगढ़, 31 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मादक पदार्थ तस्करी के एक अंतर-राज्यीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय ने बुधवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के कई ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत तलाशी अभियान चलाया। इस ऑपरेशन में मुख्य आरोपी गोपाल लाल अंजना (राजस्थान), छिंदरपाल सिंह उर्फ केवल (हरियाणा), उनके भतीजे याद-विंदर सिंह और अन्य के खिलाफ कार्रवाई की गई।

हालिया छापों में आपत्तिजनक दस्तावेज और संपत्ति रिकॉर्ड बरामद हुए, जबकि दो उच्च मूल्य की आवासीय संपत्तियां और कई कृषि भूमि के प्लॉट जब्त कर लिए गए।

ईडी का दावा है कि ये संपत्तियां अवैध अफीम व्यापार से अर्जित 'अपराध की आय' (पीओसी) हैं, जिनकी कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है। यह कार्रवाई हरियाणा पुलिस की नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस), 1985 के तहत दर्ज एफआईआर पर आधारित है। छिंदरपाल सिंह, यादविंदर सिंह, गोपाल लाल अंजना, भोला सिंह और हरजीत सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दायर हो चुके हैं।

जांच में सामने आया कि छिंदरपाल और यादविंदर ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ निवासी गोपाल लाल अंजना से अफीम की खरीदारी की।

खेप का एक हिस्सा भोला सिंह, जसमीत सिंह और हरजीत सिंह को बेचा गया, जबकि बाकी जब्त कर ली गई।

गोपाल अंजना ने कथित तौर पर अपने परिवार को जारी अफीम लाइसेंस का दुरुपयोग किया, जिससे वैध खेती के नाम पर अवैध व्यापार फल-फूल रहा था। जसमीत और हरजीत सिंह ने भी छिंदरपाल से अफीम खरीदने की पुष्टि की है।

ईडी अधिकारियों ने बताया कि यह सिलसिला कई वर्षों से चल रहा था। छिंदरपाल सिंह का आपराधिक इतिहास लंबा है, उन्हें 2 फरवरी 2006 को एनडीपीएस की धारा 17 और 18 के तहत एफआईआर 34 में दोषी ठहराया गया। वहीं, 1 फरवरी 2022 की एफआईआर 68 में भी धारा 17 के तहत उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ये तस्कर नेटवर्क न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि काला धन सफेद करने का जरिया भी बना है। छापों में बरामद दस्तावेजों से पता चला कि अफीम की खेती से कमाई को संपत्तियों में निवेश किया गया।

उडुपी जिले में 70वां कर्नाटक राज्योत्सव धूमधाम से मनाया गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिला प्रशासन द्वारा शनिवार को उडुपी के अजरकड़ मैदान में 70वां कर्नाटक राज्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। उडुपी जिले की प्रभारी मंत्री और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राज्योत्सव समारोह का औपचारिक उद्घाटन किया।

समारोह के बाद विभिन्न टुकड़ियों द्वारा रंगारंग परेड का आयोजन किया गया। मंत्री लक्ष्मी ने अपने संदेश में राज्य के एकीकरण को याद करते हुए कहा, हमारे राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों ने न केवल औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी, बल्कि सभी कन्नड़ भाषी लोगों को एकजुट करने का भी सपना देखा, जो तब बॉम्बे-कर्नाटक, हैदराबाद-कर्नाटक और मद्रास क्षेत्रों जैसे विभिन्न प्रांतों में विभाजित थे। उनका दृष्टिकोण 1 नवंबर, 1956 को चरम पर पहुंच गया, जब भाषाई पुनर्गठन के आधार पर मैसूरु राज्य का गठन किया गया। बाद में 1973 में दे-वराज उर्स के नेतृत्व में हमारे राज्य ने गर्व से कर्नाटक नाम अपनाया। कर्नाटक के एकीकरण के लिए लड़ने वाले नेताओं, लेखकों और दूरदर्शी लोगों का बलिदान अविस्मरणीय है। हमें कन्नड़ साहित्य और संस्कृति को समृद्ध करने वाले सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए। हमारा राज्य अपनी समृद्ध विरासत के लिए दुनिया भर में जाना जाता है, कॉफी और सोने से लेकर रेशम की साड़ियों तक जो कर्नाटक की सुंदरता का प्रतीक हैं। राज्य की सांस्कृतिक और सामाजिक समृद्धि पर प्रकाश डालते हुए, हेब्बालकर ने कहा बसवन्ना, रानी चेन्नम्मा और सर एम विश्वेश्वरैया जैसे महान प्रतीकों ने हमारी भूमि को गौरवान्वित किया है। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित और मजबूत करें। आइए हम सब मिलकर अपनी पहचान और गौरव को बनाए रखें। आजादी के बाद से हमारे जिले ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

इस क्षेत्र के लोगों ने शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, न केवल पूरे भारत में बल्कि विदेशी भूमि पर भी सफलता पाई है, और हर जगह कन्नड़ का सार फैलाया है। हमारे लोग महान परंपराओं, सामुदायिक सेवा और सांस्कृतिक मूल्यों को कायम रखते हैं। मंत्री ने जिले की जनभागीदारी की भावना की भी सराहना की और कहा, विकासात्मक कार्यों में जनभागीदारी एक गौरवपूर्ण उदाहरण है, जैसे नवनिर्मित नीरे ग्राम पंचायत कार्यालय, जो सरकारी अनुदान और सामुदायिक योगदान दोनों के माध्यम से बना है।

अब 'बिहारी' कहलाना अपमान नहीं, सम्मान की बात है : सीएम नीतीश

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा चुनाव से पहले एक वीडियो संदेश जारी कर राज्यवासियों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से लगातार बिहार की सेवा करने का अवसर जनता ने उन्हें दिया है और इस दौरान राज्य में विकास व सामाजिक सौहार्द को प्राथमिकता दी गई है। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जब हमने शासन संभाला था, तब 'बिहारी' कहलाना एक अपमान माना जाता था। हमने ईमानदारी और पूरी मेहनत से काम किया। आज 'बिहारी' कहलाना गर्व की बात है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि सरकार ने हर वर्ग के लिए समान रूप से काम किया है। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम, सवर्ण, पिछड़े, अति-पिछड़े, दलित या महादलित सबके विकास के लिए काम हुआ है।

मैंने अपने परिवार के लिए कुछ नहीं किया, केवल जनता की सेवा की है। सीएम नीतीश ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बिहार के विकास की कुंजी बताया।

उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य दोनों जगह एनडीए की सरकार होने से विकास की रफ्तार और तेज हुई है। बिहार में अब विकास के साथ-साथ कानून-व्यवस्था भी मजबूत हुई है। नीतीश कुमार का यह वीडियो संदेश सोशल मीडिया पर जारी किया गया है।

महागठबंधन के लिए वोट मांगने बेगूसराय पहुंचीं प्रियंका गांधी, कहा-

भाजपा आपका हक छीनना चाहती है

पटना (एजेंसियां)।

बेगूसराय में कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री प्रियंका गांधी ने अपनी चुनावी सभा की। उन्होंने कहा कि मैं बेगूसराय वासियों और बिहार की धरती को नमन करती हूं। प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में बहन-बेटियों को आगे बढ़ाने का काम क्यों नहीं हो रहा है। महात्मा गांधी ने ही यहां से संविधान के लिए लड़ाई शुरू की। लेकिन, आज संविधान पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। 20 साल से यहां जो सरकार है, वह आपका हक छीनना चाहती है। संविधान ने आपको वोट करने का अधिकार दिया है। इसका मतलब यह है कि आप इस देश के नागरिक हो। सबका आधार यही है कि आप वोट देते हैं। लेकिन, इसे कमजोर करने का काम नरेंद्र मोदी और भाजपा की सरकार ने किया है। बिहार में 20 साल से एनडीए की सरकार है। लेकिन, आपको कमजोर करने की साजिश की गई। आपको बांटने की साजिश की गई। जाति और धर्म के नाम पर आपको लड़वाया। आपका ध्यान भटकाने के लिए रोज अलग-अलग मुद्दा उठाया गया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण कार्य के तहत बिहार के 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे गए। आपको सारे अधिकारों से वंचित कर दिया गया है। इस कारण आप सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पाएंगे। एक बड़ी साजिश रची जा रही है। बिहार में नौकरियां नहीं मिलती है। रोजगार नहीं मिलने के कारण यहां के लोग देश भर में

पलायन कर रहे हैं। केरल से लेकर कश्मीर तक बिहार से पलायन कर लोग मजदूरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप अब खेती-किसानी से भी नहीं कमा रहे हैं। महंगाई चरम पर है। सारी संपत्ति अदाणी और अंबानी को बेच रहे हैं। देश की संपत्तियों को बेचा जा रहा है। सारी कंपनियों को पीएम मोदी ने अपने दो दोस्तों को पकड़ा दिया है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि एनडीए सरकार के बड़े-बड़े नेता मंच पर आकर कहते हैं हमलोग एक करोड़ रोजगार देंगे। लेकिन, आप यह क्यों नहीं बता रहे हैं कि 20 साल में रोजगार क्यों नहीं दिया। अब इनके पास कुछ नहीं बचा है। सिर्फ बड़े-बड़े वादे करेंगे। पोस्टर के लिए प्रचार करेंगे। कहेंगे कि आपका जीवन बदल गया है। लेकिन, आप बताइए इस महंगाई में क्या बदला है। महंगाई बढ़ गई है। आप खिलाएंगे क्या? बिहार में महिल-ाओं के खिलाफ अपराध बढ़ चुके हैं। वह आज भी सुरक्षित नहीं हैं। एनडीए सरकार ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। वह आप भी डरी हुई है। पीएम मोदी कहते हैं इस बार डबल इंजन की सरकार को जीत दिलाइए लेकिन वह झूठ बोल रहे हैं। सिंगल इंजन की सरकार है। सीएम नीतीश कुमार की भी वह नहीं सुनते हैं। सारे फैसले दिल्ली से लिए जा रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार को सम्मान नहीं दिया जा रहा है। वह लोग उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं। इसलिए आपको बदलाव लाना पड़ेगा। एक नया बिहार बनाने के लिए महागठबंधन की सरकार बनानी होगी। सरकार बनने पर हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी। 200 यूनिट बिजली दी जाएगी। यह लोग वोट चोरी कर रहे हैं। आपको इनसे बिहार को मुक्ति दिलानी है। अब आपको भटकाना नहीं है। महागठबंधन के प्रत्याशियों को वोट देकर बिहार के बदलाव की शुरुआत करनी है।

बिना रिश्वत के फाइल को हाथ नहीं लगाता था जूनियर इंजीनियर, शिकायत के बाद निगरानी ने दबोचा

नालंदा (एजेंसियां)।

बिहार में चुनावी माहौल के बीच निगरानी विभाग भी लगातार सक्रिय है। हुआ यूं कि रिश्वतख-ोरों पर लगाम लगाने के लिए इन दिनों विभाग की ओर से हेल्पलाइन जारी किया गया है। ये हेल्पलाइन पहले से भी काम कर रहा है। यहां आए दिन शिकायत आती रहती है। ताजा मामला नालंदा का बताया जा रहा है कि जहां एक जेई की रिश्वतखोरी से लोग परेशान थे। वो लगातार लो-गों से कनेक्शन के नाम पर रिश्वत वसूलने का काम करता था। जानकारी के मुताबिक निगरानी की टीम ने इस्लामपुर थाना क्षेत्र के गौरव नगर मोहल्ला में कार्रवाई कर 20 हजार रुपया घूस लेते विद्युत विभाग के जेई नीतीश कुमार और मिस्त्री देवेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

जेई अपने किराए के कमरे में कनेक्शन देने के लिए घूस ले रहा था। उसी दौरान कार्रवाई हुई। टीम दोनों को गिरफ्तार कर पटना लेकर चली गई। निगरानी डीएसपी वसीम फिरोज ने बताया कि बिजली कनेक्शन देने के लिए जेई ने मुगिर्याचक गांव निवासी आशीष रंजन 20 हजार रुपए घूस की मांग की थी। जिसकी शिकायत निगरानी से की गई। जांच में शिकायत सत्य पाया गया। जिसके बाद उनके नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई। जेई अपने किराए के कमरे में शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपया घूस लिया। उसी दौरान जेई व मिस्त्री को पकड़ लिया गया। दोनों को निगरानी कोर्ट के सुपुर्द किया जाएगा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि जेई इतना बड़ा रिश्वतखोर था कि वो कार्यालय में तब तक किसी फाइल को हाथ नहीं लगाता था, जब तक रिश्वत की रकम तय नहीं हो जाती थी। स्थानीय लोगों ने कहा कि नालंदा जिले में ब्लॉक और अनुमंडल में कई ऐसे रिश्वतखोर हैं, जो लगातार बिना पैसे लिए काम नहीं कर रहे हैं। निगरानी विभाग को इन कार्यालय पर छापा मारने की जरूरत है। कुछ लोगों ने कहा कि रिश्वतख-ोरी से आम जनता बिल्कुल परेशान है, लेकिन कोई एक्शन नहीं हो रहा है। शिकायत के बाद कार्रवाई होती है। विभाग को चाहिए कि वो रैडम तरीके से विभागों में छापेमारी करे और रिश्वतखोरों को दबोच ले। इस कार्रवाई के बाद बिजली विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com